ATALOGUE

OF

RIT MANUSCRIPTS

IN THE

GOVERNMENT ORIENTAL LIBRARY, MYSORE.

PART II.

मैसूर् ...जकीय ...कोशागारस्थ
लि...संस्कृतपुस्तक...र्शिनी
द्वितीय भागः.

MYSORE:
PRINTED AT THE GOVERNMENT BRANCH PRESS.
1911.

CATALOGUE

OF

SANSKRIT MANUSCRIPTS

IN THE

GOVERNMENT ORIENTAL LIBRARY, MYSORE.

PART II.

मैसूर् राजकीय प्राच्यकोशागारस्थ लिखितसंस्कृतपुस्तकप्रदर्शिनी.

द्वितीय भागः.

MYSORE:

PRINTED AT THE GOVERNMENT BRANCH PRESS.

1910.

विषयसूचिका.

A CLASSIFIED CATALOGUE

OF SANSKRIT MANUSCRIPTS

लिखितसंस्कृतग्रन्थनामावळिः

I. वेदः.

(1) संहिता.

तैत्तिरीयसंहिता.

(2684) ना. 69 प.

(C 863) दे. 436 प. द्वितीयकाण्डवर्जम्.

(2683) आ. 176 प. पदपाठः.

(C 862) दे. 641 प. ,, पञ्चमकाण्डवर्जम्.

(B 761) आ. 76 प. भट्टभास्करमिश्रविरचितं भाष्यम्. 1 मे 5-6 प्रश्नौ.

(2356) प्र. 65 प. ,, ,, पञ्चमे चतुर्थ प्रश्नतः षष्ठकाण्डसमाप्तयन्तम्.

सामसंहिता.

(2485) ना. 40 प. आर्चिकम्.

(1969) ना. 292 प. पदपाठः.

(1964) ना. 198 प. ,, असमग्रः.

(2485) ना. 80-124 प. संहितागानम्.

(2489) ना. 257 प. ऊहः.

(2572) ना. 139 प. सायणाचार्य विरचितं भाष्यं पञ्चाध्यायाः.

(2975) ना. 35+11-52. भरतस्वामि विरचितं सामवेदभाष्यम्. असमग्रम्.

(2478) ना. 71 प. रहस्यम्.

(1943) ना. 54 प. ,, षट्पर्वाणि.

(2086) प्रं. 212-302 प. आरण्यकम्.

(2) ब्राह्मणम्.

आर्षेयब्राह्मणम्.

(1970) ना. 57-74 प.
(2497) ना. 77-88 प.
(3007) ग्र. 136-144 प.
(A 312) ग्रं. 48 पु. भट्टभास्करमिश्रीयमार्षेयदीपाख्यं भाष्यम्.

ऐतरेयब्राह्मणम्.

(1916) ना. 58 प. 22-23 अध्यायौ.

ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्.

(1959) ना. 125 प.
(2497) ना. 96-222 प.
(1946) ना. 63 प. 2-3 पञ्चिके.
(3007) ग्रं. 109 प.
(C 831) ना. 62+128 प. नारायणाचार्यविरचितभाष्ययुतम्.

तैत्तिरीयब्राह्मणम्.

(C 864) दे. 372 प.
(2684) ना. 77 प.
(2652) ग्र. 72 प. भट्टभास्करीयं भाष्यं 3 येऽष्टके 5 प्रश्नाः.

दैवतब्राह्मणम्.

(1970) ना. 75-77 प.
(2497) ना. 88-93 प.

मन्त्रब्राह्मणम्.

(1937) ना. 14-24 प.
(1945) ना. 74-88 प.
(1976) ना. 116 प. माधवाचार्यभाष्यसहितम्.

वंशब्राह्मणम्.

(2497) ना. 93-96 प.

षड्विंशब्राह्मणम्.

(1970) ना. 3 प.

(2497) ना. 44-64 प.

(3007) ग्रं. 110-124 प.

सामविधानब्राह्मणम्.

(1970) ना. 34-56 प.

(2497) ना. 64-77 प.

(3007) ग्रं. 125-135 प.

संहितोपनिषद्ब्राह्मणम्.

(1970) ना. 78-86 प.

(3007) ग्रं. 145-148 प.

(3) आरण्यकम्.

ऐतरेयारण्यकम्.

(C 849) दे. 64 प.

(2358) ग्र. 28 प. 3 आरण्यकानि.

तैत्तिरीयारण्यकम्.

(C 864) दे. 118 प.

(1835) ग्र. 99 प.

(2684) ना. 78-105 प.

(A 277) ग्र. 170 प. भट्टभास्करीयं भाष्यमादितः अष्टम प्रश्ने दशमानुवाकसमाप्त्यन्तम्.

(4) उपनिषदः.

आचमनीयोपनिषत्.

(C 696) दे. 1 प.

ईशावास्यादयः दशोपनिषदः.

(1958) ना. 74 प.

कलिसंतारणोपनिषत्.

(2367) ग्र. 7 प.

कैवल्याद्युपनिषदः.

(2347) ग्र. 26 प. (अत्र—श्वेताश्वतर नारायण अथर्वशिरः अथर्वशिखा कालाग्निरुद्रोपनिषदः वर्तन्ते).

गरुडोपनिषत्.

(B 664) क. 58-62 प.

गायत्र्युपनिषत्.

(B 664) क. 40-46 प.

छन्दोग्योपनिषत्.

(2497) ना. 44 प.

त्रिपुरातापिनी.

(B 636) ना. 8 प.

देव्युपनिषत्.

(B 664) क. 46-48 प.

द्रमिडोपनिषत्.

(B 545) क. 4 प.

द्वयोपनिषत्.

(B 545) क. 5-6 प.

ब्रह्मकैवल्याद्युपनिषदः.

(1973) ना. 163-322 प. (अत्र—जाबाल श्वेताश्वतर परमहंस आरुण गर्भ नारायण हंस अमृतबिन्दु अमृतनाद अथर्वशिखा अथर्वशिरः मैत्रायण नृसिंहपूर्वोत्तर रामपूर्वोत्तर कालाग्निरुद्र सुबालोपनिषदः 18.)

श्रीचक्रोपनिषत्.

(B 677) ना. 6 प.

सरस्वतीरहस्योपनिषत्.

(B 664) क. 54-58 प.

सावित्र्युपनिषत्.

(B 664) क. 49-50 प.

सौभाग्यलक्ष्म्युपनिषत्.
(B 664) क. 50-54 प.

सौभाग्यविद्यात्रिपुरोपनिषत्.
(B 664) क. 39 प.

(5) मन्त्रः, भाष्यं च.

ऋक्सन्ध्याभाष्यम्.
(2437) ना. 4-26 प. वेङ्कटकृष्णकृतम्.
(B 746) दे. 37 प. कृष्णकृतम्

एकाग्निकाण्डः [मन्त्रप्रश्नः].
(2285) ग्र. 71 प.
(1932) ना. 79-116 प. हरदत्तीयं व्याख्यानम्.
(2283) ग्रं. 71-105 प. ,, ,,
(2746) आ. 94 प. ,, ,,
(2339) ग्रं. 35 प. ,, ,,
(2388) आ. 80 प. ,, ,,

काळीसूक्तम्.
(2349) ग्रं. 5-6 प.

कूश्माण्डहोममन्त्रव्याख्या.
(2283) ग्रं. 56-61 प.

गणहोममन्त्रव्याख्या.
(2283) ग्रं. 61-68 प.

गायत्रीभाष्यं शंकराचार्यकृतम्.
(C 696) दे. 3 प.

दुर्गासूक्तम्.
(2349) ग्रं. 79-80 प.

देवीसूक्तम्.
(B 676) ना. 17 प.
(2510) ना. 17-29 प.
(2349) ग्रं. 3 प.

पवित्रसूक्तम्.
(2510) ना. 8-17 प.

पितृमेधप्रश्नव्याख्या हरदत्तिया.
(2775) ग्रं. 28 प.

भूसूक्तम्.
(2349) ग्रं. 79-80 प.

मन्त्ररामायणम्. नीलकण्ठकृतम्.
(C 814) दे. 66 प. सव्याख्यम्.

लक्ष्मीसूक्तम्.
(2349) ग्रं. 3-5 प.

वैखानसमन्त्रसंहिता.
(A 297) आ. 169 प.

शान्तिसूक्तम्.
(2743) आ. 18 प.

श्रीरुद्रभाष्यं माधवीयम्.
(2283) ग्रं. 17 प.

श्रीसूक्तं सव्याख्यम्.
(B 660) दे. 6 प.
(2349) ग्रं. 6-16 प.

सन्ध्यामन्त्रभाष्यम्.
(B 753) ग्रं. 53 प. सुदर्शनाचार्यकृतम्.

(B 399) आ. 73 प. कृष्णपण्डितीयम्.
(2509) ना. 40 प. ,, असमग्रम्.
(B 683) आ. 15 प. ,, ,,

सिंहानुवाकभाष्यम्.
(2283) ग्रं. 69-70 प.

II. वेदाङ्गम्.

(1) शिक्षा.

अन्तप्रदीपः.
(2262) ग्रं. 188-189 प.
(2265) ग्रं. 139-140 प.

अन्तनिर्देशी.
(2262) ग्रं. 2 प.
(2265) ग्रं. 141-144 प.

अर्धान्तिकम्.
(2262) ग्रं. 1 प.
(B 600) ना. 28-29 प.

अष्टविकृतिलक्षणं मस्करीयम्.
(A 264) क. 131-135 प.

आरण्यकशिक्षा.
(2748) ना. 13-20 प.

आरण्यकसामदीपः नागाभट्टसंगृहीतः.
(2485) ना. 41-60 प.

ईङ्ग्यरत्नम्.
(B 600) ना. 30-32 प.

उच्चनीचलक्षणम्.
(1978) ना. 4 प.

उपलेखा भाष्यम्.

(A 264) क. 135-145 प.

उभयपूर्वोत्तरदीर्घी.

(2262) प्र. 195-196 प.

(2265) प्र. 139-140 प.

ऊहदीपः नागाभट्टसंगृहीतः.

(2485) ना. 125-204 प.

ऋक्प्रातिशाख्यम्. शौनकीयम्.

(C 846) दे. 40 प.

(2562) ना. 23 प. 19 पटलाः.

ऋग्विलक्षणं नागदेवकृतम्.

(C 696) दे. 3 प.

ऋषिदेवताछन्दोविवरणं शौनकीयम्.

(2862) ना. 44 प.

कल्पसूत्रम्.

(B 600) ना. 26-27 प.

क्रममणिः सव्याख्यः.

(B 702) क. 21 प.

गौतमशिक्षा.

(1969) ना. 5 प.

चरणव्यूहः.

(C 851) दे. 5 प.

छन्दोदीपः.

(1978) ना. 16-26 प. (कवर्गः).

छन्दोभाक्तिज्ञानम्.

(1978) ना. 14-15 प.

छन्दोविचितिभाष्यम्. पेत्तादीक्षितकृतम्.

(A 351) ग्रं. 75 पु. (मूलकर्ता पतञ्जलिः).

छन्दोविजयः.

(1978) ना. 9 प.

छन्दोव्याख्यासारः कृष्णभट्टीयः.

(C 922) दे. 33 प.

जटामणिः सव्याख्यः.

(2262) ग्र. 158-168 प.

(2265) ग्र. 156-165 प.

जटालक्षणपरिभाषा.

(A 264) क. 145-149 प.

तैत्तिरीयप्रातिशाख्यम्.

(2262) ग्र. 78-85 प.

(,,) ग्र. 86-156 प. त्रिभाष्यरत्नम् सोमयार्यकृतम्.

(2265) ग्र. 77 प. ,, ,,

(2326) ग्र. 26 प. वैदिकाभरणम् गोपालयज्वकृतम्. 3 अध्यायाः.

त्रिक्रमलक्षणम्.

(2262) ग्र. 1 प.

(2265) ग्र. 139 प. तम.

दकारपरतकारः.

(2262) ग्र. 195-196 प.

नारदशिक्षा.

(1978) ना. 13 प.

न्यायपञ्चाशत्.

(B 600) ना. 34-37 प.

परिभाषा.

(C 852) दे. 7 प.

पाणिनीशिक्षा.

(1978) न. 5 प.

(2326) ग्र. 42 प. रामसूनुकृतं याजुषभूषणाख्यं व्याख्यानम्.

(2339) ग्र. 30 प. ,, ,, ,,

पर्दवृत्तिः.

(A 260) क. 112 प.

(A 264) क. 113-121 प.

पिङ्गलच्छन्दस्सूत्रवृत्तिः हलायुधकृता.

(2875) आ. 25 प. 6 अध्यायाः.

प्लुतसंग्रहः.

(2262) ग्रं. 197-199 प.

(2265) ग्रं. 138 तमप.

बृहद्देवता शौनकीया.

(2862) ना. 45-93 प.

भारद्वाजशिक्षा.

(1869) आ. 36 प.

(B 644) क. 53 प. सव्याख्या.

(2886) ना. 77-120 प. सव्याख्या.

मैण्णामलक्षणम्.

(2326) ग्रं. 8 प.

(B 600) ना. 32-33 प.

यणादेशी.

(2262) ग्रं. 1 प.

(2665) ग्रं. 137 तमप.

याजुषसर्वानुक्रमणी यादवप्रकाशकृता.

(B 366) आ. 83 प. 3 प्रश्नाः.

याजुषस्वरकौमुदी.

(2115) ग्रं. 94 प. असमग्रा.

योहिप्राप्तिः.
(2262) ग्र. 1 प.

रहस्यदीपः नागाभट्टसंगृहीतः.
(2485) ना. 61-79 प.

रावणभैट्ट.
(B 600) ना. 32-33 प.
(2326) ग्रं. 8 प.

रेफपरविसर्जनीयः.
(2262) ग्रं. 195-196 प.
(2265) ग्रं. 138 तमप.

वररुचिशिक्षा.
(B 601) क. 13 प.

वर्णक्रमदर्पणम्
(2262) ग्र. 191-193 प.
(2265) ग्र. 165-167 प.

वर्णक्रमलक्षणम
(2262) ग्र. 189-191 प.
(2265) ग्र. 139-140 प.

वृथाव्यक्तिः
(2262) ग्र. 1 प.

वृद्धावृद्धीयादीनि दशाङ्गानि
(2476) ना. 60 प.

वेदाङ्गविचारः
(2339) ग्र. 9 प.

व्यासशिक्षा
(B 599) ना. 13 प.
(2748) ना. 12 प.
(2339) ग्र. 39 प. वेदतैजसाख्यं व्याख्यानम्

शिक्षासमुच्चयः

(2339) प्र. 20 प.

षड्विंशतिसूत्रम्

(2262) प्र. 200-206 प.
(2265) प्र. 153-156 प.

सकाररेफपरविसर्जनीयः

(2262) प्र. 195-196 प.
(2265) प्र. 137 तमप.

समानसन्धिः सव्याख्यः

(B 600) ना. 25 प.

समानादिसप्तलक्षणी

(2265) प्र. 144-153. (अत्र समान विलङ्घ्य नपर तपर अवर्णि-
आवर्णि अनिङ्गयानि सन्ति)
(2262) प्र. 77 प. सव्याख्या
(2265) प्र. 78-121 प. ,,
(2886) ना. 76 प. ,,
(1809) आ. 37-84 प. ,,

सर्वसम्मतशिक्षा मश्रिभट्टीयव्याख्यासहिता

(2262) प्र. 168-188 प.
(2265) प्र. 123-133 प.
(B 600) ना. 38-47 प.

सर्वानुक्रमः शौनकीयः

(C 850) दे. 41 प.

सामकारिका रङ्गनाथीया

(1970) ना. 87-96 प.

सामच्छलाक्षरम्

(2487) ना. 75 प.

सामतन्त्रसूत्रम्

(C 837) ना. 16 प.

(C 838) ना 16 प.

सामप्रातिशाख्यम् पुष्पकृतम् (फुल्लसूत्रम)

(C 834) ना. 48 प॰ दीक्षितरामकृष्णीयफुल्लदीपाख्यव्याख्यायुतम ३-५- अध्यायाः

सामरहस्यछलाक्षरी

(2574) ना. 94 प.

स्तोभगतागतम्

(1978) ना. 3 प.

स्वरपञ्चाशत्

(B 626) ना. 3 प.

(2262) ग्र. 156-158 प.

(2265) ग्र. 121-123 प.

(B 632) ना. 38 प. सव्याख्या

(B 735) क. 99 प. ,,

(2339) ग्र. 9-31 प. ,,

स्वरलक्षणम्

(2319) ग्र. 11 प.

(2265) ग्र. 8 प.

स्वरावधानम्

(B 701) ना. 22 प.

(2338) ग्र. 15 प.

(B 805) ना. 11 प. (तैत्तिरीयसंहिता)

(B 806) आ. 28 प. ,, (ब्राह्मणम्)

(2) श्रौतम्

आपस्तम्बीयं श्रौतसूत्रम्

(2299) ग्र. 80 प. 1-13 प्रश्नाः

(2261) ग्र. 118-197 प. 14-25 ,,

(2682) ना. 274 प. 1-21 प्रश्नाः
(2288) आ. 34-64 प. 8-9 ,,
(2337) ग्र. 7 प. 8मः ,,
(2203) आ. 101-172 प. 9मः ,,
(1911) ग्रं. 78-99 प. ,, ,,
(2328) ग्रं 21-148 प. धूर्तस्वामिरचितं भाष्यम् 1-9 प्रश्नाः
(2690) ना. 101 प. ,, ,,
(2701) ना. 94 प. ,, 10-14 प्रश्नाः
(2685) आ. 256 प. रुद्रदत्तविरचिता श्रौतसूत्रदीपिका 1-9 प्रश्नाः
(2687) आ. 178 प. ,, 10-13 प्रश्नाः
(2678) आ. 19-98 प. ,, 10-13,15 प्रश्नाः
(2826) ग्र. 83 प. ,, 1-6 प्रश्नाः
(2829) ग्र. 77 प. ,, 8-9 प्रश्नाः
(2939) ग्र. 68 प. 10-13 प्रश्नाः
(2733) आ. 75 प. ,, (चयनशुल्बवाजपेयादिः)
(2280) ग्र. 157 प. कौशिकरामाग्निचित्कृता भाष्यवृत्तिः 1-8 प्रश्नाः
(2690) ना. 54+51 प. ,, 10-13 प्रश्नाः
(2833) ग्र. 99 प. ,, 12-13 प्रश्नाः
(2712) ना. 38 प. कपर्दिस्वामिरचितं चयनसूत्रभाष्यम्
(2828) ग्र. 62 प. ,, ,,
(1911) ग्र. 101-117 प. यज्ञपरिभाषासूत्रम्
(2203) आ. 7-8 प ,,
(2285) ग्र. 71 प. ,,
(2258) ग्र. 200-215 प. हरदत्ताचार्यकृता व्याख्या
(2691) आ. 23 प. ,,
(2696) आ. 61-73 प. शुल्बसूत्रम्
(2546) आ. 23 प. ,, कपर्दिस्वामिकृता व्याख्या
(2712) ना. 7-16 प. ,, ,,
(2281) ग्र. 64 प. ,, करविन्दीयाव्याख्या
(2696) आ. 119-164 प. ,, ,,

(2338) ग्र. 82-114 प. ,, सुन्दरराजीया व्याख्या

(2696) आ. 74-118 प. ,, ,,

(2895) ना. 139-167 प. ,, ,,

(A 361) ग्र. 231 प. अहोबिलसूरीया श्रौतसूत्रवृत्तिः. 1-4 प्रश्नाः

आपस्तम्बीयश्रौतसूत्रमन्त्रभाष्यम्

(2697) ना. 77-167 प. 7 प्रश्नाः

(2261) ग्र. 90-117 प.

(2945) ग्र. 52 प.

आर्षेयकल्पसूत्रम्

(2546) ना. 48 प.

(A 298) आ. 35 प.

(B 553) आ. 247 प, वरदराजीयभाष्ययुतम्.

(A 304) ग्र. 228 पु. ,,

(2493) ग्र. 55 प. ,, 1-3 अध्यायाः

(2494) ना. 80 प. श्रीनिवासाचार्यकृतमुत्तरकल्पभाष्यम् 2 अध्यायौ.

आश्वलायनीयश्रौतसूत्रम्

(2337) ग्र. 48 प. 6 अध्यायाः

(279) ग्र. 32 प. ,,

(1915) ना. 35 प. 7-9 अध्यायाः

(A 318) आ. 186 प. षड्गुरुशिष्यकृता वृत्तिः 6 अध्यायाः

(2578) ना 171 प. तालवृन्तनिवासिकृता प्रयोगवृत्तिः 6 अध्यायाः

उपग्रन्थसूत्रम्

(C 833) ना. 9 प.

द्राह्यायणीयश्रौतसूत्रम्

(2530) ना. 68 प.

(2546) ग्रं. 48 प. 28 पटलाः

(1966) ग्र. 22 प. 6 पटलाः

(C 835) ना. 26 प. प्रायश्चित्तभागः

(A 263) दे. 152 प. धन्विविरचितं व्याख्यानम्
(2528) प्र. 270 प. ,,
(2549) ना. 50 प. ,, 6 पटलाः
(2813) प्र. 68 प. ,, ,,
(2936) प्र. 119 प. ,, ,,
(2539) ना. 192 प. ,, 7-31 पटलाः

प्रतिहारसूत्रम्

(2506) ना. 12 प.
(A 359) प्र. 86 पु. वरदराजीया दशार्थाभिधा व्याख्या

प्रस्तावसूत्रम्

(2506) ना. 13-14 प.

बोधायनीयश्रौतसूत्रम्

(A 278) क. 185 प. पूर्वभागः
(A 282) क. 197 प. उत्तरभागः
(1954) प्र. 72-77 प. दर्शपूर्णमासः
(2692) आ. 6 प्र. वाजपेयाध्यायः
(1963) ना. 15+5+101 प. वाजपेयातिरात्राग्निष्टोमादिभागः
(2710) आ. 6 प. शुल्बसूत्रम्
(1954) प्र. 6 प. भवस्वामिकृतं भाष्यम् (सौत्रामणिवाजपेयाध्यायौ)

वैखानसं कल्पसूत्रम् विखनाः

(A 365) आ. 185 प.

सत्याषाढश्रौतसूत्रम् (हिरण्यकेशीयश्रौतसूत्रम्)

(A 347) प्र. 225 पु. 1-15 प्रश्नाः
(2563) प्र. 58 प. वाञ्छेश्वरव्याख्यायुतम् सामान्यसूत्रम्
(C 1169) आ. 32 प. ,, ,,

(3) श्रौतप्रयोगः

अग्निष्टोमप्रयोगः.

(2260) ग्रं. 52-130 प.
(2691) आ. 73 प.
(2692) ना. 36 प.
(2693) आ. 88 प.
(2700) ना. 95 प.
(2708) ना. 177 प.
(2710) आ. 79 प.
(2816) ग्रं. 147 प.
(3133) ग्र. 128 प.
(3201) आ. 150+30 प.
(2530) ना. 68-153 प. द्राह्यायणीयः.

अग्निष्टोममैत्रावरुणम्.

(2741) आ. 15 प.

अग्निष्टोमहौत्रम्.

(2694) आ. 79 प.
(2741) आ. 52 प.

अग्निष्टोमाध्वर्यवम्.

(2261) ग्रं. 62 प.

अग्निष्टोमौद्गात्रम्.

(B 555) ना. 20 प.
(2692) आ. 19 प.

अग्निहोत्रप्रयोगः.

(2261) ग्रं. 63-69 प.
(2303) ग्रं. 11-18 प.

अग्निहोत्ररक्षामणिः. रामचन्द्रदीक्षितीयः.

(2338) ग्रं. 26+16 प.
(2705) आ. 21 प.
(2299) ग्रं. 81-111 प. सव्याख्यानः.

अग्न्याधेयप्रयोगः.
(2722) ना. 30+8 प.
(2723) ना. 24-39+15 प.

अतिरात्रहौत्रम्.
(2310) ग्रं. 50 प.
(2337) ग्रं. 5 प.

आग्रयणकर्म.
(2338) ग्रं. 40-42 प.

आग्रयणप्रयोगः केशवीयः.
(2553) ग्रं. 5 प.

आधानप्रयोगः.
(2260) ग्रं. 139 प.

आधानहौत्रम्.
(2288) आ. 25-33 प.

आपस्तम्बश्रौतसूत्रध्वनितार्थकारिका त्रिकाण्डीमण्डनभास्करमिश्रीया.
(B 538) ग्रं. 28 प. (सोमप्रयोगः.)

आपस्तम्बश्रौतसूत्रप्रयोगदीपिका. तालवृन्तनिवासीया.
(2731) आ. 130 प. 1-7 प्रश्नाः.
(2691) आ. 48 प. 10-14 प्रश्नाः.
(2686) ग्र. 42-268 प. 16-23 प्रश्नाः.

आपस्तम्बश्रौतसूत्रप्रयोगानुक्रमणिका यज्ञनारायणकृता.
(2715) ना. 43+7 प.

आयुष्कामीयेष्टिः.
(2731) ना. 8 प.

आरुणकेतुकचयनम्.
(2728) आ. 42 प.

आश्विनसहस्रम्.
(B 654) दे. 107 प.

उद्वंशीयं साम.
(2692) ना. 7-15 प.

ऐकाहिकचातुर्मास्यम्.
(2681) आ. 6 प.

औद्गात्रप्रायश्चित्तदीपिका.
(2692) आ. 19-20 प.

ऋतुप्रायश्चित्तम्.
(2508) ना. 29 प.

चयनकारिका.
(2717) आ. 12 प.

चयनप्रयोगः.
(2311) आ. 59 प.
(2689) क. 137 प.
(2696) ना. 54 प.
(2713) ना. 79 प.
(2951) ना. 95+42 प. वासुदेवदीक्षितीयः.

चयनशुल्बकारिका.
(2710) ना. 9 प.

चातुर्मास्यम्.
(2702) ना. 54 प.
(2724) आ. 94 प.
(2830) प्र. 45+8+18 प.

चातुर्मास्यहौत्रम्.
(2717) आ. 15 प.

दर्शपूर्णमासप्रयोगः.
(1911) प्र. 66 प.

(2303) ग्र. 21-65 प.
(1957) ना. 50 प.
(2720) ना. 17 प.
(2730) ना. 36 प.
(2867) आ. 131 प.
(2947) ग्र. 47 प. बोधायनीयः

दर्शपूर्णमासमन्त्रभाष्यम्.
(2261) ग्र. 90-117 प.
(2697) ना. 77-176 प. 1-7 प्रश्नाः
(2945) ग्र. 52 प.

दर्शपूर्णमासहौत्रम्.
(2303) ग्र. 10 प.
(2775) ग्र. 12 प.

द्राह्यायणीयश्रौतप्रयोगदीपिका तालवृन्तनिवासीया.
(2692) आ. 18 प. (अग्निष्टोमः)

द्वादशाहप्रयोगः तालवृन्तनिवासीयः.
(284[illegible]) ग्र. 33 प.

द्वादशाहीनप्रयोगः.
(2735) आ. 10-26 प.

द्विषाहस्रचयनप्रयोगः.
(2733) आ. 6 प.

नक्षत्रसत्रम्.
(2713) ना. 3 प.

नक्षत्रेष्टिः.
(2718) ना. 41 प.

नाचिकेतचयनम्.
(2731) ना. 5 प.

पर्जन्यविधिः.
(1947) ना. 124 प.
(2512) ना. 31 प.
(2732) क. 7 प.

पर्यायशास्त्राणि
(C 1145) दे. 13 प. (असम.)

पवित्रेष्टिः.
(2733) आ. 2 प.

पशुचातुर्मास्यादिहौत्रम्.
(2261) ग्र. 69-89 प.

पशुबन्धः
(2722) ना. 34 प.
(2723) ना. 23 प.

पशुबन्धादिः
(2866) आ. 93+53 प.

पशुमैत्रावरुणम्
(2203) आ. 31 प.

पृष्ठ्यस्य द्वितीयमहः
(2337) ग्र. 9 प.

पौण्डरीककारिका
(2735) ना. 2 प.

पौण्डरीकप्रयोगः
(1959) ना. 38 प.
(1950) ना. 23 प.

प्रयोगपारिजातः पुरुषोत्तमभट्टीयः
(2619) ग्र. 53 प.
(2812) ग्र. 89 प.

प्रयोगसारः केशवीयः

(2553) ग्र. 28 प. (बोधायनीयाधानप्रयोगः)

प्रायश्चित्तदीपिका गोपालसूरिरचिता

(1954) ना. 54-71 प.

(1957) ना. 100 प.

(2703) ना. 40 प.

(2716) आ. 83 प.

प्रायश्चित्तप्रदीपिका

(A 314) ग्र. 73 पु.

प्रायश्चित्तशतद्वयी वेङ्कटेशवाजपेयिकृता

(2288) आ. 41 प.

(2849) आ. 47 प.

प्रायश्चित्तसंग्रहः

(2338) ग्र. 30-39 केशवीयः

(A 310) ग्र. 92 प.

प्रायश्चित्तसुबोधिनी श्रीनिवासमखिकृता

(2299) ग्र. 112-143 प.

(2338) ग्र. 43-57 प.

(2946) ग्र. 35 प.

(2702) ना. 61 प.

बोधायनश्रौतप्रयोगानुक्रमणिका वेङ्कटेशाध्वरिकृता

(2715) ना. 78 प.

ब्रह्मत्वम् छान्दोग्यम्

(2530) ना. 22 प.

ब्रह्मत्वदीपिका श्रीकण्ठसूरिकृता

(2203) आ. 6 प.

महाव्रतं तालवृन्तनिवासीयम्
(2735) ना. 4 प.

यज्ञप्रयोगचन्द्रिका नागाभट्टीया
(2501) ना. 194-214 प.

वाजपेयप्रयोगः
(2506) ना. 20 प.
(2719) आ. 42 प.
(2822) ग्र. 108 प.
(2535) ग्र. 93+38 प. अत्र (वाजपेय, बृहस्पतिसव, पुनस्तोम, सर्वतोमुख, अग्निष्टुत्, अग्निचयन, अप्तोर्याम, महाव्रत, पौण्डरीक, अश्वमेध, राजसूयाः)

वालखिल्यम्
(2337) ग्र. 10 प.

शुल्बरत्नप्रदीपिका राघवसुधीकृता
(2695) आ. 109 प.

श्रीनिवासदीक्षितीयकारिका
(2683) ना. 21 प.

संक्षविधाग्निकारिका
(2698) आ. 142 प.

सर्वतोमुखप्रयोगः
(B 556) ना. 13 प.
(2735) आ. 9 प.

सावित्रचयनम्
(2692) ना. 20 प.

सोमप्रयोगः
(2260) ग्र. 5[illegible]-13[illegible] प.

सोमहोतृसप्तकम्
(2310) ग्र. 51-67 प.
(2337) ग्र. 52 प.

सौत्रामणिकारिका
(2288) आ. 2 प.

सौत्रामणिप्रयोगः
(2696) ग्र. 55-60 प.

होतृसप्तकम्
(2310) ग्र. 51-67 प.

हौत्रप्रयोगसरणिः
(1877) आ. 60 प.
(2279) ग्र. 65-232 प.

---

(4) गृह्यसूत्रम्

आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्
(2285) ग्र. 71 प.
(2729) आ. 40 प. कपर्दिविरचितं भाष्यम्
(2707) आ. 104 प. सुदर्शनाचार्यकृतं तात्पर्यदर्शनम्
(2699) आ. 61 प. तालवृन्तानिवासीया प्रयोगदीपिका
(2339) ग्र. 26 प. ,,

आश्वलायनगृह्यम्
(3248) ग्र. 93-113 प.

कौथुमगृह्यसूत्रम
(B 722) क. 27 प. (21 खण्डाः)

खादिरगृह्यम्
(1937) ना. 13 प.
(1945) ना. 57-73 प.
(2501) ना. 183-193 प.

(2990) ग्रं 25-45 प.
(2502) ना. 36-84 प. रुद्रस्कन्दीयव्याख्या
(3157) ग्रं 93 प. ,,
(B 731) ग्र. 117 प. ,,
(2673) ग्र. 57 प. ,, असमग्रा.
(B 817) क. 145 प. ,, समग्रा.

गौतमीयाचारसूत्रम्

(2507) ना. 10 प.
(2548) ना. 8 प.

छन्दोगगृह्यपरिशिष्टम्

(3242) ग्र. 21-57 प.

बोधायनगृह्यम्

(1854) ना. 20-154 प.
(2060) ना. 109 प.
(2732) ग्र. 99 प.
(B 734) क. 62 प.
(B 353) क. 72 प. शिष्टिव्याख्या 3 प्रश्नाः

वैखानसगृह्यम्

(A 313) ग्र. 253 पु. श्रीनिवासदीक्षितीयवैखानसगृह्यतात्पर्यचिन्तामण्याख्यव्याख्यायुतम् प्रथमभागः
(A 327) ग्र. 368-490 प. ,, द्वितीयभागः
(A 329) ग्र. 209 प. नृसिंहवाजपेयिकृतं भाष्यम्

---

(5) पितृमेधसूत्रम्

गौतमीयमपरसूत्रम्

(1954) ना. 78 82 प.
(3242) ग्र. 7 प.
(B 754) ग्र. 148 प. विवरणम्

द्राह्यायणश्राद्धविधिसूत्रम्

(1937) ना. 30-34 प.

(2510) ना. 10 प.

(2548) ना. 11 प.

(2747) ना. 12 प. व्याख्यानम्

द्राह्यायणीयमपरसूत्रम् गौतमः

(1937) ना. 25-30 प.

(1954) ना. 78-82 प.

(3242) ग्र. 7 प.

(2990) ग्रं 74-105 प.

(2673) ग्र. 8 + 39 प. अनन्तयज्वरचितटीकायुत।

(2548) ना. 24-90 प. अह्वालभट्टीयटीकायुतम्

(B 816) क. 152 प. सभाष्यम्.

(B 754) ग्र. 148 प. ,,

पारस्करापरसूत्रभाष्यम् कर्कः

(3233) ग्र. 25 प.

भारद्वाजसूत्रम्

(2288) आ. 10 प.

(2309) ग्र. 11 प.

(2744) आ. 15 प.

(2040) ग्र. 56 प. गोपालयज्वकृतभाष्यम्

(2258) ग्र. 259-279 प. ,,

(2388) आ. 66 प. ,,

(2577) ग्र. 120 प. ,,

---

(6) गृह्यप्रयोगः

(i) आपस्तम्बीयः

अन्त्येष्टिपद्धतिः आपस्तम्बीया

(3034) ना. 34 प.

आपस्तम्बगृह्यप्रयोगदीपिका तालवृन्तनिवासीया

(2339) ग्र. 26 प.

(2699) आ. 61 प.

आपस्तम्बयल्लाजीयम्

(2075) आ. 111 प.

(2244) आ. 102 प.

(2580) आ. 209 प.

(2891) ना. 48 प.

ईशानबलिप्रयोगः

(2308) ग्र. 3 प.

(2705) आ 5 प.

गृह्यरत्नसुदीधितिः वकुण्ठनाथैः

(2995) ग्र. 338 प.

चन्द्रचूडीयप्रयोगः

(2150) आ 62 प. पाकयज्ञकाण्डे उत्तरभागः

(3205) आ. 58 प.

परसर्वानुक्रमणी

(3266) आ. 77 प.

पूर्वप्रयोगः

(2103) ग्र. 39 प.

(2338) ग्र. 134-158 प.

(2855) ना. 15-150 प.

(161) आ. 57 प.

पैतृमेधिकविधिः

(2309) ग्र. 30 प.

(2040) ग्र. 57-70 प.

(2577) ग्र. 121-175 प. कारिकासहितः

(2891) ना 33 प.

(2725) आ. 26 प. आहिताग्नेः

प्रयोगकौस्तुभः चिदम्बरदीक्षितीयः

(2026) ना. 70 प.

प्रयोगचन्द्रिका वीरराघवार्यकृता

(2339) ग्र. 15 प.

(2398) ग्र. 51-112 प.

प्रयोगदर्पणम् वीरराघवार्यकृतम्

(2174) आ. 42 प.

(2268) ग्र. 62-93 प.

(2339) ग्र. 27 प.

(3257) ग्र. 63 प.

प्रयोगपद्धतिः शिङ्गाभट्टीया

(2681) ना. 107 प.

(3202) ना. 139 प.

प्रयोगमणिमाला

(2055) आ. 39 प. 7 पटलाः

बोप्पणभट्टीयम्

(2149) ना 9-22 प. असमग्रम्

(2323) ग्र. 118 प. समग्रम्

याजुषप्रयोगपारिजातः

(2135) आ. 174 प.

लोष्टचयनविधिः

(2258) ग्र. 216-219 प.

श्राद्धप्रयोगः

(2061) आ. 18 प.

(2156) आ. 13 प.

सुदर्शनकारिका

(2088) आ. 23 प.

(2709) ना. 61 प.

(ii) कात्यायनीयगृह्यम्

कात्यायनीयगृह्यप्रयोगः योगानन्दभट्टीयः
(B 782) क. 152 प. 23 परिच्छेदाः

(iii) आश्वलायनगृह्यम्

नाकबलिः
(3034) ना. 18 प.

पैतृमेधिकप्रयोगः
(2464) आ. 72 प.

प्रयोगपारिजातः नृसिंहीयः
(2041) आ. 317 प. संस्कारकाण्डः
(2611) ना. 15-236 प. ,, उपनयनप्रकरणान्तः

प्रयोगपारिजातप्रकरणम् नृसिंहीयम्
(3206) ना. 217 प.

प्रयोगमुक्तावळिः
(1885) आ. 232 प. चतुर्थीदिनकृत्यपर्यन्ता

प्रयोगरत्नम् नारायणभट्टीयम्
(C 848) दे. 23 प. अष्टकान्तम्

प्रयोगसारः निजानन्दीयः
(2558) ना. 151 प.

राजरत्नाकरप्रयोगः
(2613) ना. 28 प.

सर्पबलिः शौनकः
(2972) ग्र. 8 प.

स्मार्तदिनमणिः
(2148) क. 67 प.

स्मार्तप्रदीपिका
(3032) ना. 96 प.

(iv) द्राह्यायणीयगृह्यप्रयोग

उपाकर्मप्रयोगः

(2525) ना. 29 प.

गृह्यपरिशिष्टम्

(1939) ना. 27 प.

गृह्यप्रयोगपारिजातः पुरुषोत्तमभट्टीयः

(2034) ग्र. 146 प.

पूर्वप्रयोगः

(1942) ना. 111 प.

(2472) ना. 115 प.

(2503) ग्र. 46 प.

पैतृमेधिकप्रयोगः

(2504) ना. 106-162 प.

(2505) ना. 30-60 प.

(1954) ना. 82-87 प. गौतमीयः

लिङ्गणभट्टीयम्

(1937) ना. 74-171 प.

(1975) ना. 172 प.

वामनकारिका

(1937) ना. 35-73 प.

(2972) ग्र. 156-206 प.

(2502) ना. 35 प.

(1950) ना. 32 प.

(1965) ना. 22 प.

(2560) ना. 63 प.

(3'56) ग्र. 79 प.

(3241) ग्र. 38 प.

व्रतोपाकर्मादिविधिः

(2990) ग्र. 46-73 प.

श्राद्धप्रयोगः
(1949) ग्र. 44 प.
(2503) ग्र. 46 प.

स्मार्तपदार्थानुक्रमणिका (शय्यान्प्रयोगः)
(B 732) ग्र. 127 प.
(2972) ग्र. 51 प.

(v) बोधायनीयगृह्यप्रयोगः

गृह्यप्रयोगः
(2315) ग्र. 34 प.

पैतृमेधिकप्रयोगः
(2117) ग्र. 84-113 प.

प्रयोगसारः
(2732) ना. 15+13 प.

बोधायनीयकारिका शौनकोया
(2863) ना 6 प.

---

(7) धर्मसूत्रम्

आपस्तम्बधर्मसूत्रम
(2285) ग्र. 71 प.
(2281) ग्र. 80 प. हरदत्तीयमुज्ज्वलाख्यं व्याख्यासम्
(2704) ना. 116 प. ,,

गौतमधर्मसूत्रम्
(1961) ना. 10 प.
(3197) ग्र 16-30 प.
(3242) ग्र. 16 प.
(2344) ग्र. 245 प. हरदत्तीयमिताक्षरायुतम्
(2475) ना. 198 प. ,,
(2165) ना. 91 प. ,,

(2143) ग्र. 130 प. मस्करियव्याख्यायुतम् शिथिलम्
(2600) ग्र. 150 प. ,, ,,
(A 334) क. 470 प. ,,

बोधायनधर्मः—

(2732) ग्र. 99-135 प.

वैखानसधर्मः—

(B 752) ग्र. 59 प.

III. स्मृतिः

(1) मूलस्मृतिः

आश्वलायनस्मृतिः

(2302) ना. 173 प. 12 अध्यायाः

पराशरस्मृतिः

(2275) ग्र. 248-279 प.
(2680) आ. 131-140 प.
(2937) ग्र. 21 प.
(2383) आ. 197 प. माधवीयसंहितः आचारकाण्डः
(2711) आ. 81 प. ,, प्रायश्चित्तकाण्डः
(2275) ग्र. 211-247 प. ,, संग्रहरूपः
(2490) ग्र. 94 प. ,, ,,
(3001) ग्र. 127-181 प. ,, द्वादशोऽध्यायः
(2765) आ 98 प. कामेश्वरवसन्तसोमयाजीया लघुहितधर्माख्याव्याख्या.

मनुस्मृतिः

(3149) ग्र. 54-123 प. 7-12 अध्यायाः

याज्ञवल्क्यस्मृतिः

(2199) आ. 90 प. विज्ञानेश्वरीययुतः व्यवहारकाण्डः
(2680) आ. 119 प. ,, आचार-व्यवहारकाण्डौ
(2997) ग्र. 199 प. ,, प्रायश्चित्तकाण्डः

(B 779) आ. 104 प. विश्वरूपविरचिता विवरणबालक्रीडाख्या व्याख्या व्यवहारकाण्डः

विश्वामित्रसंहिता

(2235) आ. 45 प. 10 अध्यायाः

वैष्णवधर्मशास्त्रम आश्वमेधिकम्

(2335) ग्र. 36-74 प. 94-111 अध्यायाः

स्मृतिसंग्रहः

(3154) ग्र. 192 प. अत्र 19 स्मृतयस्सन्ति. ताश्च–विष्णु, बृहस्पति, दक्ष, यम, लिखित, आङ्गीरस, नारद गौतम, वाधूल, औशनस, संवर्त, हारीत, आत्रेय, शातातप, देवल, पुलस्त्य, बुध, भरद्वाज, वासिष्ठाः ॥

हारीतादिस्मृतिः

(2852) ग्रं 102-148 + 183-212 प.

---

(2) निबन्धग्रन्थः

अक्षमालाप्रतिष्ठाविधिः

(C 696) दे. 2 प.

अखण्डादर्शः

(3227) ग्र. 81 प. व्यवहारकाण्डः

अखण्डानन्दीयः व्यवहारः

(2562) ना. 60 प.

अघदशकम्

(2286) ग्र. 39-40 प.

(3224) ग्र. 184-229 प. अघदशकव्याख्या दुर्जयकृता

अघनिर्णयः सव्याख्यः

(1863) ग्र. 107-188 प.

अघपञ्चषष्टिः
(2286) ग्र. 38-39 प.

अघविवेकः वासुदेवयज्वकृतः
(2482) ग्र. 18 प.

अघविवेचनम् वीरराघवकृतम्
(2286) ग्र. 6 प.

अघषष्टिव्याख्या रामचन्द्रकृता
(2286) ग्र. 11 प.

अघसंग्रहदीपिका रङ्गराजीया
(2286) ग्र. 11-37 प.

अधिकमासविचारः राजेश्वरशास्त्रिकृतः
(2742) आ. 12 प.

अनन्तपद्मनाभव्रतम्
(2564) आ. 15 प.

अश्वत्थप्रदक्षिणपूजाविधिः
(B 545) क. 9-10 प.

अष्टबन्धनविधिः वातुलागमीयः
(C 696) दे 2 प.

आचारनवनीतम् मायवरमप्पाध्वरी
(2230) ग्र. 133 प. श्राद्धकाण्डः

आशौचत्रिंशच्छ्लोकी सव्याख्या कौशिकादित्यकृता
(C 1119) दे. 20 प.

आशौचनिर्णयः
(C 1029) ना. 19 प. रङ्गनाथशास्त्रीयः
(C 1081) दे. 5 प. त्र्यम्बकीयः

आशौचशतकम् सव्याख्यं वैदिकसार्वभौमीयम्
(2286) ग्र. 41-93 प.

आशौचषडशीतिस्सव्याख्या कौशिकादित्यकृता
(2237) आ. 8 प.

आह्निकचन्द्रिका
(2668) आ. 25 प.

आह्निकप्रयोगः नृसिंहरचितः
(2686) आ. 28 प. असमग्रः

उग्ररथशान्तिः
(2496) ना. 39-71 प.

ऋषिपञ्चमी
(2564) आ. 25 प.

एकनक्षत्रजननशान्तिः वृद्धगार्ग्यप्रोक्ता
(C 696) आ. 1 प.

कर्मविपाकः (महार्णवः) विश्वेश्वरकृतः
(2637) ग्र. 240 प. 12 तरङ्गाः
(2077) आ. 217 प. ,,
(2181) आ. 152 प. 10 ,,
(2282) आ. 41-63 प. 5 ,,
(2282) आ. 32-59 प. हेमाद्रिदानखण्डीयः

कर्मविपाकप्रायश्चित्तसुधानिधिः सायणीयः
(2282) आ. 31 प.

कर्मविपाकरत्नं कमलाकरभट्टकृतम्
(C 892) दे. 95+46 प.

काम्यवृषोत्सर्गः
(C 696) आ. 3 प.

कार्तिकपूर्णिमागजपूजाविधिः
(B 545) क. 10-11 प.

कार्तिकशुक्लप्रतिपदि द्यूतक्रीडाविधिः
(C 696) क. 5 प.

कालनिर्णयः माधवीयः
(2184) आ. 288 प.
(2251) आ. 45 प. असमग्रः
(2680) आ. 141-199 प.
(C 847) दे 16 प. कारिकाव्याख्या

कालनिर्णयदीपिकाविवरणम् नृसिंहाचार्यकृतम्
(C 966) दे. 117 प.
(C 1026) ना. 41 प. असमग्रम्
(2874) आ. 209-262 प. ,,

कालप्रकाशिका नृसिंहकृता
(2044) ग्र. 259 प. 72 अध्यायाः
(2110) ग्र. 62 प. 40 अध्यायाः

कालादर्शः आदित्यसूरीयः
(2531) आ. 114 प.
(3001) ग्र. 52-136 प. एकादशीविचारतस्समग्र.
(2251) आ. 46-69 प. 447 श्लोकाः

केदारव्रतम्
(2564) आ. 11 प.

केशदाहशान्तिः शौनकीया
(C 696) दे. 1 प.

क्रियादीपः पराशरभट्टारककृतः
(2064) आ. 6 प.
(2422) आ. 4-7 प.

गजाश्वपट्टाभिषेकविधिः
(C 696) आ. 4 प. हेमाद्रीयः

गयापद्धतिः शिवरहस्योक्ता
(C 793) आ. 17 प.

गर्भाधानादिकालनिर्णयः
(1940) ना. 21-33 प.

गुरुपूजाविधिः
(B 375) क. 123-131 प.

गुरुवारैकादशीव्रतम्
(B 700) आ. 11 प.

गृह्यरत्नसुदीधितिः
(2995) ग्र. 338 प.

गोत्रप्रवरनिर्णयः
(C 996) ना. 5 प. अभिनवमाधवीयः
(2870) ना. 34 प. ,,
(C 893) दे. 5 प. नागेशभट्टकृतः

गोपालदेशिकाह्निकम्
(2079) ग्र. 57 प.
(2412) आ. 37 प.

गोसहस्रदानविधिः
(C 696) आ. 2 प.

गौरीतृतीयानिर्णयः कस्तूरिरङ्गाचार्यकृतः
(C 923) आ. 4 प.

ग्रहणदिने प्रत्याब्दिकश्राद्धविचारः रङ्गनाथशास्त्रीयः
(C 1012) ना. 13 प.
(C 1041) दे. 12 प.

ग्रामादिशान्तिः
(B 622) आ. 8-24 प.

चतुर्वर्गचिन्तामणिः हेमाद्रिः
(3006) ग्र. 142 प. दानखण्डे षोडशमहादानपर्यन्तः

चिरञ्जीवप्रतिमादानविधिः
(C 800) आ. 8 प.

जयन्तीनिर्णयः
(B 373) आ. 107 प. राजगोपालीयः
(B 373) आ. 108-127 प. श्रीनिवासपरकालीयः
(1893) आ. 4 प. व्रतक्रमः
(3013) ग्र. 93 प. गोपालदेशिकः

ज्ञानभास्करः (कर्मविपाकः) सूर्यारुणसंवादः
(C 1060) दे. 70+56 प.

तप्तचक्राङ्कितस्मृतिसारसंग्रहः
(B 735) आ. 36 प.

तिथिदर्पणम् मल्लिभट्टकृतम्
(2680) आ. 218-222 प.

तिथिनिर्णयः भट्टोजीदीक्षितः
(C 1031) ना. 41 प.

तिथिसारोद्धारः सुब्रह्मण्यभट्टीयः
(C 1030) दे. 16 प.

तुलसीपूजाविधिः
(C 696) दे. 4 प.

दत्तकोलाहलः रङ्गनाथशास्त्रीय.
(C 917) दे. 4 प.

दत्तकौमुदी
(C 910) ना. 34 प.

दत्तमहोदधिः
(C 902) दे. 65 प.
(C 913) क. 159 प.

दत्तमीमांसा नन्दपण्डितीया
(C 905) ना. 23 प.
(3026) आ. 16 प.

दत्तरत्नप्रदीपिका

(C 78·) क. 24 प. श्रीशैलश्रीनिवासीया

(3026) आ. 17 प. वेङ्कटाचार्यः

दत्तरत्नाकरः धर्मराजाध्वरिविरचितः

(C 909) ना. 50 प.

(B 787) क. 66 प.

दत्तरत्नापणः रङ्गनाथशास्त्रीयः

(C 914) दे. 8 प.

(C 915) ना. 16 प.

(C 916) ना. 15 प.

दत्तविचारः

(2316) ग्र. 15 प.

दत्तसंग्रहः

(C 914) दे. 10 प.

(C 917) दे. 4-16 प. भीमसेनाचार्यकृतः

दत्तासिद्धान्तमन्दारमञ्जरी

(2398) ग्र. 17 प.

(C 918) दे. 17-25 प.

दत्तस्वीकारविधिः

(C 919) आ. 6 प. व्यवहारमयूखीयः

(2398) ग्र. 18-28 प.

दशजयन्तीनिर्णयः रङ्गनाथशास्त्रीयः

(C 1032) ना. 19 प.

दशनिर्णयी वैदिकसार्वभौमीया

(19·4) ग्र. 91 प.

(2389) ग्र. 129 प.

(2491) ग्र. 147 प.
(1910) ग्र. 56-88 प. असमग्रा

दानपद्धतिः यामळोक्ता
(2146) ना. 93 प.
(2876) ना. 131 प.
(2885) ग्र. 224 प.
(2930) ग्र. 174 प.

दायाददशकम्
(2783) ग्र. 106-107 प.
(2491) ग्र. 148-163 प. सव्याख्यानम्.
(3026) आ. 18 प.

दृष्टिदोषशान्तिः शैवागमीया
(C 696) आ. 1 प.

देवताप्रतिष्ठाविधिः (वैदिकागमः)
(C 1054) ना. 113 प.

द्रमिडाचारप्रमाणसंग्रहः
(2380) ग्र. 57 प.

धर्मप्रवृत्तिः नारायणीया
(2238) आ. 169 प.
(2576) ना. 182 प.
(3263) आ. 96 प.

धर्मार्णवः पीताम्बरभट्टीयः
(C 903) दे. 343 प.

नवग्रहशान्त्यादिः
(2338) ग्र. 9 प.
(C 696) आ. 6 प.
(1967) ना. 6 प.
(2526) ना. 22-59 प.

नवरात्रकल्पः
(C 665) दे. 20 प.

नष्टद्रोरप्रायश्चितम्
(C 696) क. 2 प.

नानानिबन्धसंग्रहः रङ्गनाथशास्त्री
(C 1130) ना. 9 प.

नान्दीनिर्वचनम् रङ्गनाथशास्त्री
(C 1129) ना. 7 प.

नामवैभवः
(3277) ग्र. 14 प.

नारसिंहभेदः
(C 696) दे. 3 प.

नित्यगौरीपूजाविधिः
(C 696) आ. 3 प.

नित्यग्रन्थः रामानुजाचार्यकृतः
(2380) ग्र. 58-75 प.
(2422) आ. 8 प.
(2380) ग्र. 76-90 प. एम्बारुविरचितः

नित्यदेवतार्चनविधिः शौनकीयः
(C 696) आ. 3 प.

निर्णयबिन्दुः अनन्तदेवीयः
(2705) आ. 12 प.

निर्णयमाला
(C 1028) दे. 44 प.

निर्णयसिन्धुव्याख्या कृष्णभट्टीया
(A 323) दे. 106 प. प्रथमः परिच्छेदः
(A 324) दे. 110 प. द्वितीयः ,,
(A 325) दे. 144 प. तृतीयः ,,
(A 326) दे. 112 प. ,, उत्तरभागः

पञ्चगव्यविधिः
(2422) आ. 3 प.

पञ्चसंस्कारविधिः
(3132) क. 23+7 प.
(2998) ग्र. 37-50 प.

पञ्चसंस्कारसन्माला रङ्गयतिः
(2550) ना. 12-102 प. समग्रा.

पल्लीपतनशान्तिः
(C 696) दे. 4+3 प.
(C 796) दे. 7 प.

पाञ्चकालिकपद्धतिः मञ्चाल्गड्डे वेदान्ताचार्यकृता
(2098) ग्र. 125 प. प्रथमपारिच्छेदः

पितृमेधसारः वैदिकसार्वभौमीयः
(2394) ग्र. 92 प.

पुत्रसंग्रहविधिः
(C 919) आ. 6 प.
(2273) ग्र. 255-262 प.
(C 799) दे. 12 प.
(2398) ग्र. 18-28 प.

पूजापद्धतिः सुब्रह्मण्यकृता
(2071) आ. 12 प.

प्रमाणसंग्रहः
(2029) ग्र. 180 प.
(2069) ग्र. 153 प.
(2154) आ. 47 प.
(2584) ना. 105 प.
} गृह्यधर्माद्युपयोगी

प्रवरोद्भेदनिर्णयः रङ्गनाथशास्त्रीयः
(C 997) ना. 7 प.

प्राणाग्निहोत्रविधिः
(C 696) आ. 2 प.

प्रायश्चित्तसुधीमणिः
(C 907) ना. 28 प.

प्रायश्चित्तसुबोधिनी
(C 908) ना. 252 प.

बृहच्छौनकीयम्
(2567) ना. 146 प.

बोधायनीयशान्तिकल्पः
(2732) ना. 30 प.

ब्रह्मयज्ञविधिः
(C 696) दे. 3 प.

भीमेश्वरकल्पः स्कान्दः
(C 794) आ. 20 प.

मदनरत्नप्रदीपः मदनभूपालसंगृहीतः
(A 344) . . . समयोद्योतः

मधुमक्षिकाशान्तिः बोधायनीया
(C 696) आ. 1 प.

महाप्रवराध्यायः बोधायनीयः
(2732) ग्रं. 10 प.

महाषोढान्यासः
(2366) ग्र. 11 प.

मृत्युञ्जयविधिः
(2527) ना. 13 प.

यतिधर्मसमुच्चयः यादवप्रकाशीयः
(2031) ग्र. 97 प.
(2080) ग्र. 89 प.
(2776) ग्रं. 61 प.
(3002) ग्र. 85 प.

यतिसंस्कारविचारः
(2273) ग्र. 263-269 प.

यत्यनुष्ठानपद्धतिः शङ्करानन्दसरस्वतीया
(B 515) क. 235-308 प.

राजाभिषेकविधिः
(C 696) दे. 1 प. नीतिमयूखान्तर्गतः

रामजयन्तीव्रतम्
(1893) आ. 12 प.
(2251) आ. 46-47 प.

रामनवमीकल्पः
(2701) ना. 4 प.

रुद्रचिन्तामणिः (रुद्रजपविधिः)
(C 836) ना. 22 प.

रुद्रामृततरङ्गिणी सुब्रह्मण्यरचिता
(2669) आ. 39 प.

वरदराजीयव्यवहारः
(C 904) ना. 76 प.
(2820) ग्र. 72-183 प.
(3144) आ. 168 प.
(2770) ग्र. 73-109 प. ऋणादानप्रकरणम्
(3000) ग्र. 105 प. प्रकीर्णप्रकरणप्रारम्भान्तः

वरलक्ष्मीव्रतम्
(2551) आ. 21-56 प.
(2564) आ. 5 प.

वर्षकृत्यम् नृसिंहरचितम्
(2551) आ. 20 प.

वार्ताकर्ममीमांसा नृसिंहार्यकृता
(B 826) आ. 8 प.

वास्तुप्रयोगः शौनकीयः
(2496) ना. 28 प.

वास्तोष्पतिहोमः
(2338) ग्र. 27-29 प.

विच्छिन्नाग्निसन्धानविचारः
(B 765) आ. 36 प.

विजयदशमीनिर्णयः मेरुशास्त्रीयः
(C 742) दे. 23 प.

विनायकपूजाविधिः
(B 685) दे. 14 प.
(2564) आ. 9 प.

विवादभङ्गार्णवः जगन्नाथतर्कपञ्चाननसंगृहीतः

(C 896) ना. 72 प.	दायद्वीपे	1-3	प्रकरणानि
(C 899) ना. 18 प.	,,	4 र्थ	प्रक.
(C 900) ना. 14 प.	,,	5 मं	,,
(C 906) ना. 60 प.	,,	6 ष्ठं	,,
(C 901) ना. 62 प.	,,	7 मं	,,
(A 284) आ. 43 प.	,,	5-7	,,

विश्वेश्वरस्मृतिः
(2937) ग्र. 21+54+7 प.

विष्णुतीर्थीयाह्निकम्
(C 719) दे. 30 प

विष्णुपूजाविधिः
(2890) ना. 37 प.

वेदपारायणविधिः
(C 696) आ. 4 प.

वैकुण्ठदीक्षितीयम्
(A 357) आ. 186 प.
(3253) ग्र. 304 प.

वैखानसमाहिममञ्जरी श्रीनिवासदीक्षितीया
(A 333) ग्रं. 58 प. सुन्दरराजीयटीकायुता

वैखानससंग्रहस्मृतिमीमांसा श्रीनिवासदीक्षितीया
(A 331) ग्र. 35 प.

वैदिकाचारपद्धतिः
(3222) ग्र. 14 प.

वैवाहिकसापिण्ड्यनिर्णयः
(2704) ना. 6 प.

वैश्वदेवविधिः
(2422) आ. 3 प.

व्यवहारमाला
(2820) ग्र. 71 प.
(2841) ग्र. 85 प.
(3235) ग्र. 71 प.

व्रतकल्पवल्ली विरूपाक्षभूपकृता
(2551) आ. 155 प. उत्सवविधिपर्यन्ता

व्रतकौमुदी शङ्करशास्त्रिकृता
(C 764) दे. 128 प.

व्रतसंग्रहः (कल्पः)
(2209) आ. 119 प.
(2027) ना. 89 प.
(2370) ना. 154 प.
(2268) ग्र. 61 प.
(2868) ना. 105 प.
(3121) ना. 45 प.

व्रतार्कसारः रङ्गनाथशास्त्रीयः
(2879) ना. 27 प.

शङ्करधर्मशास्त्रं (लघुधर्मप्रकाशिका)
(B 792) मल. 89 प. 12 अध्यायाः

शान्तिसंग्रहः शौनकादिः
(2239) आ. 145 प.
(2579) ना. 209 प.
(2581) ना. 60 प.
(2914) आ. 180 प.
(3023) आ. 120 प.
(3035) प्र. 96 प.
(3127) ना. 99+17 प.
(3128) ना. 73-122 प.

शिवधर्मशास्त्रम् नन्दिकेश्वरप्रोक्तम
(3155) प्र. 63 प.

शिवपूजाविधिः
(2705) आ. 15 प.

शिवप्रतिष्ठाविधिः वैदिकः
(2329) आ. 37 प.

शिवप्रतिष्ठासूत्रम्
(2329) आ. 37-40 प.

शिवार्चनदीपिका
(B 716) क. 56 प.

शुद्धिचन्द्रिका कालिदासीया
(2727) आ. 24 प.

शुद्धिपञ्चदशी नवनीतनर्तनकविकृता
(2765) प्र. 3 प.

श्राद्धचिन्तामणिः वाञ्छेश्वरविरचितः
(2775) प्र. 52 प. असमग्रः

श्राद्धपद्धतिः नारायणोपाध्यायकृता
(1848) प्र. 21 प.

श्रीचूर्णधारणविधिः

(B 545) क. 12-13 प.

श्रीरामपट्टाभिषेकविधिः हिरण्यगर्भसंहितीयः

(B 699) आ. 15 प.

श्वश्रूस्नुषासमवाये दायविभागः

(C 920) ना. 7 प.

(C 921) ना. 12 प.

संग्रहस्मृतिः

(2071) आ. 33 प.

संन्यासपद्धतिः गङ्गपतिभिक्षुकृता

(3121) ना. 4-47 प

संवत्सरोत्सवकल्पलता रङ्गनाथशास्त्रीया

(C 1007) ना. 11 प.

संवत्सरोत्सवकालनिर्णयः पुरुषोत्तमविरचितः

(C 1051) दे. 32 प.

सज्जनसम्भवः वेदान्ताचार्यकृतः

(A 331) ग्र. 35-58 प.

सतीभूषणम् बसवभूपसंगृहीतम्

(2052) क. 178 प. 32 अध्यायाः

सत्क्रियाकल्पमञ्जरी मंत्सालेगड्डु वेदान्ताचार्यः

(3129) ग्र. 17+14+10 प. केचिद्भागाः

सरस्वतीविलासः लक्ष्मीधररचितः

(2144) ना. 302 प.

(2204) आ. 275 प.

(3131) आ. 69 प. साक्ष्यनुयोगप्रकरणान्तः

सव्यञ्जनपरिषेचनाविचारः

(B 780) क. 18 प.

सीताकल्याणविधिः
(C 696) आ. 4 प.
(B 670) दे. 14 प.

सुधीविलोचनम् वैदिकसार्वभौमीयम्
(2250) आ. 100 प.
(2473) ग्र. 75 प.

सूर्यनारायणविधिः
(B 403) आ. 9+5 प.

स्नानविधिः
(C 696) दे. 4 प.

स्मार्तप्रायश्चित्तसंग्रहः
(A 310) ग्र. 118 प.

स्मृतिकौमुदी
(2793) आ. 191 प.

स्मृतिकौस्तुभः रायसवेङ्कटाद्रिकृतः
(2534) ग्र. 210 प. प्रथमे आचारकाण्डे पञ्चमे संस्कारप्रकरणे तप्तचक्रधारणविचारान्तः
(C 894) दे. 15-251+50 प.

स्मृतिचन्द्रिका देवणभट्टकृता
(A 389) क. 287 प. संस्काराह्निककाण्डौ.
(1909) ना. 41-156 प. संस्कारकाण्डः
(2237) आ. 9-58 प. श्राद्धकाण्डः
(2848) आ. 290-499 प. ,,
(2581) ना. 126 प. ,, उत्तरभागः
(2770) ग्र. 44-74 प. व्यवहारे ऋणादानप्रकरणम्.

स्मृतिचिन्तामणिः (कालनिर्णयः)
(2612) ना. 170 प.

स्मृतिदर्पणम्

(2134) आ. 188 प. (बृहत्.)
(2680) आ. 200-218 प. रविसोमयाजी
(2944) आ. 66-119 प. ,,
(3035) ना. 67 प. ,,

स्मृतिप्रकाशः (विद्यारण्यस्मृतिः)

(3026) आ. 16–31 प.

स्मृतिभास्करः नीलकण्ठरचितः.

(2025) ना. 257 प. समयमयूखः 81 प.
आचारमयूखः 82-126 प.
श्राद्धमयूखः 127-192 प.
नीतिमयूखः 193-247 प.
व्यवहारमयूखः 248-257 प.
(2792) आ. 294 प. नीतिव्यवहारदानमयूखाः

स्मृतिमीमांसा रङ्गनाथशास्त्रीया

(C 1023) ना. 26 प.

स्मृतिमुक्ताफलम् वैद्यनाथदीक्षितीयम्

(2170) आ. 185 प. आचारकाण्डः
(2275) ग्र. 116 प. ,,
(2473) ग्र. 74-144 प. ,,
(2273) ग्र. 203-254 प. आशौचकाण्डः
(2892) ग्र. 62+17 प. ,,
(2248) आ. 247 प. आह्निककाण्डः
(2275) ग्र. 118-210 प. ,,
(2171) आ. 124 प. ,, (संग्रहः)
(2273) ग्र. 270-294 प. तिथिनिर्णयकाण्डः
(2273) ग्र. 51 प. प्रायश्चित्तकाण्डः
(2046) ग्र 86-400 प. श्राद्धकाण्ड.
(2273) ग्र. 52-203 प. ,,

(2487) ग्र. 263 प. श्राद्धकाण्डः
(3151) ग्र. 91 प. ,, (संग्रहरूपः)

स्मृतिमुक्तावली (कृष्णाचार्यस्मृतिः)
(2191) ना. 9-279 प. शिथिला.

स्मृतिरत्नाकरः
(2488) ग्र. 193 प. वैदिकसार्वभौमरचितः
(C 1006) दे. 136 प. विष्णुभट्टविरचितः

स्मृतिसंग्रहः
(2787) आ. 204 प. विद्यारण्यरचितः
(2999) ग्र. 393 प. ,,
(2049) ग्र. 176 प. ,, असमग्रः
(B 770) ना. 55 प. रङ्गनाथशास्त्रिरचितः

स्मृतिसारसंग्रहः ताम्रपर्णीश्रीनिवासरचितः
(A 366) दे. 142 प.
(C 1010) ना. 54 प.
(C 1019) ना. 175 प.

हनुमत्पूजाविधिः रुद्रयामलम्
(C 1134) दे. 11 प.

हरिदिनतिलकव्याख्या
(B 550) आ. 11 प.
(3065) ग्र. 12 प.

IV. इतिहासः

अध्यात्मरामायणम् ब्रह्माण्डपुराणस्थम्
(1929) ना. 151+47 प. 4—7 काण्डाः

इतिहाससमुच्चयः
(2385) ग्र. 118 प.
(C 889) दे. 88 प.

इतिहासोत्तमः

(C 1300) दे. 25 प. 17 अध्यायाः

तत्त्वसंग्रहरामायणम् रामचन्द्रसरस्वतीसङ्कलितम्

(2024) ना. 207 प.

ब्रह्मरामायणम्

(B 707) आ. 18 प.

महाभारतम् व्यासविरचितम्

(C 1064—1072) दे. नीलकण्ठीयव्याख्यायुतम् समग्रम

(3259) आ. 500 प.

(2168) आ. 286 प. आदिपर्व

(2438) आ. 252 प. ,,

(2962) ग्र. 167 प. ,,

(3255) ना. 314 प. ,,

(2899) ग्र. 260 प. ,,

(2752) ग्र. 123 प. ,, 111 अध्यायाः

(2750) ग्र. 297 प. ,, 110 अध्यायाः

(2749) ग्र. 231 प. ,, 81 अध्यायाः

(2751) ग्र. 115 प. ,, 86-162 अध्यायाः

(2149) आ. 43 प. ,, 14 अध्यायाः

(2168) आ. 120 प. सभापर्व.

(2439) आ. 112 प. ,,

(2597) ग्र. 116 प. ,,

(2753) ग्र. 260 प. ,,

(3208) ग्र. 103 प. ,,

(3256) ना. 169 प. ,,

(2440) आ. 256 प. अरण्यपर्व १म भागः

(2441) आ. 156 प. ,, २य भागः

(2255) आ. 91 प. ,, 162 अध्यायाः

(2450) ग्र. 101-343 प. ,, 80तमाध्यायतः समग्रम्

(2963)	ग्र.	159 प.	अरण्यपर्व	पूर्वभागः
(2964)	ग्र.	160-370 प.	,,	उत्तरभागः
(3115)	ना.	225 प.	,,	159 अध्यायाः
(1918)	आ.	105 प.	विराटपर्व.	
(2123)	आ.	131 प.	,,	
(2169)	आ.	101 प.	,,	
(2442)	आ.	131 प.	,,	
(2754)	ग्र.	134 प.	,,	
(2800)	आ.	165 प.	,,	
(C 1113)	दे.	28 प.	,,	
(3178)	ग्र.	157 प.	,,	
(1917)	ग्र.	7-184 प.	उद्योगपर्व.	
(2390)	क.	159 प.	,,	
(244[illegible])	[illegible]ा.	144 प.	,,	
(2471)	ना.	227 प.	,,	
(2755)	ग्र.	272 प.	,,	
(2756)	ग्र.	246 प.	,,	
(2809)	ग्र.	98+49 प.	,,	118 अध्या.
(2133)	आ.	207 प.	भीष्मपर्व.	
(2444)	आ.	271 प.	,,	
(2801)	आ.	83 प.	,,	
(2614)	ग्र.	126 प.	,,	110 अध्या.
(2757)	ग्र.	200 प.	,,	106 अध्या.
(2073)	ग्र.	257 प.	द्रोणपर्व.	
(2131)	ना.	270 प.	,,	
(2255)	आ.	114 प.	,,	
(2445)	आ.	233 प.	,,	
(2610)	ग्र.	273 प.	,,	
(2047)	आ.	194 प.	कर्णपर्व.	
(2132)	ना.	234 प.	,,	

(2446) आ. 173 प. कर्णपर्व.
(2447) ग्र. 196 प. ,,
(2529) आ. 197 प. ,,
(2537) आ. 219 प. ,,
(2645) ग्र. 313 प. ,,
(2167) आ. 211 प. शल्य-गदा-सौप्तिक-ऐषीक-स्त्रीपर्वाणि.
(2452) ग्र. 127+51 प. ,,
(2540) आ. 110 प. ,,
(2645) ग्र. 51 प. ,,
(3116) ना. 116 प. ,,
(2448) आ. 137 प. शल्यगदापर्वणी.
(2758) ग्र. 231-411 प. शल्यपर्व.
(2529) आ. 413-435 प. शल्यसौप्तिकपर्वणी.
(C1000) दे. 64 प. गदापर्व.
(1874) ग्र. 66 प. ,,
(2449) आ. 42 प. सौप्तिकैषीकस्त्रीपर्वाणि.
(2759) ग्र. 302 प. ,,
(2966) ग्रं. 99 प. ,,
(2800) आ. 47 प. स्त्रीपर्व.
(1874) ग्र. 66 प. ,,
(2898) ग्र. 310 प. शान्तिपर्व.
(3207) ग्र. 195 प. ,,
(2454) आ. 350 प. ,, राजधर्म मोक्षधर्मौ.
(2965) ग्र. 280—427 प. ,,
(2345) ग्र. 104+113 प. मोक्षधर्मः, 178 अध्या.
(2628) ग्र. 228 प. ,, 102 अध्या.
(2255) आ. 137 प. आनुशासनिकम्.
(2455) आ. 305 प. ,,
(3117) ना. 181 प. ,,
(2459) ग्र. 154 प. ,, 140 अध्या.

(2761) ग्र. 162–347 प. आनुशासनिकम्. 104 अध्या.
(2799) आ. 145 प. ,, 140 ,,
(2760) ग्र 102 प. ,, 137—240 अ.
(C732) दे. 147 प. आश्वमेधिकपर्व सव्याख्यम्.
(2453) आ. 170 प. ,,
(2759) ग्र. प. 100 ,,
(2801) आ. 82 प. ,,
(3117) ना. 181 प. ,,
(3118) ना. 133 प. ,,
(2451) ग्र. 200 प. आश्वमेधिकाश्रमपर्वणी.
(2121) ना. 136 प ,, मौसलमहाप्रस्थानपर्वणी.
(2220) आ. 180 प. ,, ,,
(2616) ग्र. 81 प. आश्रमवासिकपर्व.
(3187) ग्र. 44 प. ,,
(2470) आ. 44 प. आश्रममौसलमहाप्रस्थानपर्वाणि.
(2966) ग्र. 99 प. ,,
(1874) ग्र. 66 प. मौसल–स्वर्गारोहणे
(2786) आ. 302 प. टीका नीलकण्ठीया. आद्युद्योगशान्त्यानुशासनिकपर्वभिर्विना समग्रा.
(2554) ना 134 प. वादिराजीया लक्षाभरणाख्या टीका.
(A 374) क. ,,
(A 385) आ. 63 प. विमलबोधार्यरचिता दुष्करश्लोकटिप्पणी.

योगवासिष्ठम्.

(A 281) आ. 162 प. उत्पत्तिप्रकरणं आनन्दबोधीयटीकायुतम्.

योगवासिष्ठसारविवरणं लहिधरकृतम्.

(B 517) क. 45 प.

लघुयोगवासिष्ठं सव्याख्यम्.

(3119) आ. 195 प.

वासिष्ठोत्तरम्.

(2844) ग्र. 21–27 प.

विष्णुरहस्यं वासिष्ठम्.

(C 720) दे. 30 प. 43 अध्यायाः.

शेषधर्मः.

(2353) ग्र. 107 प.
(2458) आ. 153 प.
(3176) ग्र. 208 प.

श्रीमद्रामायणम् वाल्मीकीयम्.

(3200) आ. 309 प.
(2160) आ. 347 प. 6 काण्डाः.
(1982) आ. 123 प. सुन्दरकाण्डः.
(1956) ना. 108 प. उत्तरकाण्डः.
(2305) आ. 151 प. चोलपण्डितब्रह्मराजरचिता विवेकतिलकाख्या व्याख्या.

(2664) आ. 11 – 240 प. कन्दाळरामानुजीया व्याख्या.
(2322) ग्र. 153 प. ,, 1–3 काण्डाः.
(2256) ग्र. 107+67 प. ,, 4–6 काण्डाः.
(2074) ग्र. 17–231 प. ,, 4 काण्डाः.
(1906) ग्र. 55–294 प. ,, 2–4 काण्डाः.
(1952) आ. 282 प. महेशतीर्थीया तत्त्वार्थदीपिकाख्या टीका.
(2287) ग्र. 118 प. ,, 2–6 का. 4 काण्डाः.
(2953) आ. 35–76 प. ,, 1, 3, 4 का.
(2547) आ. 84 प. ,, 6 ष्ठः काडः.
(C 673) दे. 341 प. श्रीरामकृतं तिलकं 6 ष्ठः काण्डः.
(2635) ग्र. 79 प. गोविन्दराजीयम्, 5 मः काण्डः.
(2127) ना. 144 प. मधुरान्तकवाल्मीकीया.
(2604) ग्र. 291 प. माधवयोगिविरचितं कतकाख्यानं व्याख्यानम्.
(3196) ग्र. 40+76 प. ईश्वरदीक्षितीयः रामायणसारसंग्रहः.

(2807) ग्र. 184 प. 1–5 काण्डाः.
(2836) ग्र. 57 प. षष्ठः काण्डः.
(A 397) आ. 22 प. रामायण तात्पर्यदीपिका.
(2362) ग्र. 4 प. ‘ रामं दशरथं विद्धि ’ इतिपद्यार्थः.

श्रीमद्रामायणविरोधभञ्जनी ब्रह्मविद्याध्वरीया.
(2894) ग्र. 27. प.

श्रीमद्रामायणसारचन्द्रिका श्रीनिवासरचिता.
(2917) ग्र. 48 प.
(2922) ग्र. 50 प.

श्रीमद्रामायणसारसंग्रहः.
(1991) ग्र. 30-39 प. अप्पय्यदीक्षितकृतः.
(1910) ग्र. 45 प. हयग्रीवशास्त्रिकृतः.
(2338) ग्र. 115-133 प.
(B 525) आ. 34 प. वेङ्कटाचार्यकृतः.

सोमोत्पत्तीतिहासः.
(B 769) क. 4 प.

हरिवंशः.
(C 1072) दे. 708 प. नीलकण्ठीयटीकायुतः.
(2089) ग्र. 429 प. 356 अध्यायाः.
(2655-57) आ. 247+389 प. 332 अध्यायाः.
(1858) ग्र. 520 प. 252 अध्यायाः.
(2456-57) आ. 312+314 प. 347 अध्यायाः.
(2272) ग्र. 214 प. 140-337 अध्यायाः.
(2327) ग्र. 99 प. 113-156 ,,
(2352) ग्र. 101-289 प. 157-277 अध्यायाः.
(2901) आ. 242-400 प. 70-110 ,,
(3177) ग्र. 52 प. 58 अध्यायाः.

V. पुराणम्.

आदित्यपुराणम [मानवीयसंहिता].

(A 306) क. 207 प.

(3070) आ. 94 प.

कालिकाखण्डः. स्कान्दः.

(B 708) आ. 56 प.

काशीखण्डः. स्कान्दः.

(1979) क. 19 प. कर्णाटकटीकायुतः.

कूर्मपुराणम्.

(2072) ग्र. 132 प.

गणेशखण्डः. स्कान्दः.

(B 711) आ. 22. प.

तुलाधारोपाख्यानम् इतिहाससमुच्चयीयम्.

(1894) आ. 65-66 प.

देवीभागवतम्.

(C 691) ना. 47 प. प्रथमस्कन्धः.

(2815) आ. 190+38 प. 1-5, 10-11 स्कन्धा.

धर्मसंहिता शिवपुराणम्.

(2632) ग्र. 65 प.

नृसिंहपुराणम्.

(2166) आ. 119-187 प.

(3169) ग्र. 119 प. 59 अध्यायाः.

पद्मपुराणम्.

(2395) आ. 130 प. उत्तरखण्डः.

(3175) ग्र. 103 प. ,,

पराशरोपपुराणम्.

(B 552) ग्र. 144 पृ.

(2630) ग्र. 7-45 प.

बृहन्नारदीयम्.

(2166) आ. 183-194 प.

(C 733) दे. 191 प. 26 अध्यायाः.

ब्रह्मवैवर्तपुराणरहस्यम्.

(2129) ना. 137 प. 34 अध्यायाः.

ब्रह्मोत्तरखण्डः. स्कान्दः.

(2817) ग्र. 89 प.

भार्गवोपपुराणम्.

(2402) आ. 74 प.

मत्स्यपुराणम्.

(2166) आ. 118 प.

मार्काण्डेयपुराणम्.

(2042) आ. 220 प.

(2126) आ. 246 प.

लक्ष्मीनारायणसंवादः.

(2618) ना. 62 प. 5-13 अध्यायाः.

(2882) ग्र. 10-138 प. 30 अध्याया. वेङ्कटराघवविरचितः पुराणसंग्रहः.

लैङ्गपुराणम्.

(3158) ग्र. 116 प. 60 अध्यायाः.

वासिष्ठलैङ्गपुराणम्.

(B 557) ग्र. 128 प.

विष्णुधर्मोत्तरं गरुडम्.

(1836) ग्र. 138 प.

(1960) ना. 60 प. 22 अध्यायाः.

विष्णुपुराणम्. पराशरविरचितम्.

(2043) आ. 133 प.

(2159) ना. 177 प.

(2298) ग्र. 186 प.
(2257) आ. 150 प. 3 अंशाः.
(3008) ग्र. 170 प. श्रीधरीया व्याख्या. 2 अंशौ.
(2090) ग्र. 237 प. विष्णुचित्तीया व्याख्या.
(3183) ग्र. 108 प. ,, 5 अंशाः.

शङ्करसंहिता स्कान्दा.

(2679) ना. 215 प.
(2276) ग्र. 176 प. उपदेशकाण्डः.
(2292) ग्र. 157 प. देवतादक्षयुद्धकाण्डाः.
(2221) आ. 221 प. 102-199 पत्रलोपः.

शिवतत्त्वसुधानिधिः स्कान्दः.

(2462) आ. 99 प.
(2859) ना. 41 प.

शिरहस्यं स्कान्दम्.

(3174) ग्र. 51+53 प. 4-5 अंशौ.
(A 360) ग्र. 223 पु. 7-8 अंशौ.
(A 386) ग्र. 190 पु. नवमांशः.
(A 373) ग्र. 304 पु. दशमांशः.
(A 379) ग्र. 173 पु. द्वादशांशः.

श्रीभागवतम्.

(2151) ग्र. 345 प.
(2654) आ. 244 प. श्रीधरीयव्याख्यायुतं 1, 3, 5 स्कन्धाः.
(2658) आ. 198 प. ,, 6, 8, 9 ,,
(2653) आ. 267 प. ,, 10, 12, 2 ,,
(2659) आ. 170 प. ,, 11, 4, ,,
(2351) ग्र. 182 प. ,, दशमः.
(2045) ग्र. 201 प. ,, एकादशे 30 अ.
(2615) ग्र. 77 प. शुकभावप्रकाशिका पञ्चमः.
(3185) ग्र. 29 प. शुकतात्पर्यरत्नावळिः वीरराघवीया दशमे 4 अ.
(2602) ग्र. 88 प. शुकभावप्रकाशिका दशमे 40 अ.

(2994) ग्र. 233 प. शुकभावप्रकाशिकाव्याख्या. सुन्दरराजसूरीया.
दशमस्कन्धः.
(2603) ग्र. 21 प. ब्रह्मानन्दभारतीयः एकादशसारः.
(1912) ग्रं. 194 प. कर्णाटकटीकासहितः एकादशः स्कन्धः.
(2853) आ. 79 प. अप्पाजिरचिता दशमे 40 अध्यायाः.
(C 1104-5) दे. 75+178 प. यदुपत्याचार्यकृततात्पर्यटिप्पणीयुतम्
2, 4 स्कन्धौ.
(C 1279) दे. 806 प. विजयध्वजीया व्याख्या 1, 3, 7, 9, 10-12
स्कन्धाः.

सूतसंहिता. स्कान्दा.
(2851) ग्र. 126 प.
(2599) ग्र. 224 प. माधवीयाव्याख्या पूर्वभागः.

सौरसंहिता स्कान्दा.
(A 348) दे. 19 प.

हरिभक्तिसुधोदयः नारदीयपुराणम्.
(2904) आ. 67 प.

(2) उपाख्यानम्.

कुण्डविकुण्डलोपाख्यानम् पाद्मम्.
(1894) आ. 67-78 प.

कुशलवोपाख्यानम्. आश्वमेधिकम्.
(2320) ग्र. 63 प.
(2844) ग्र. 20 प.

धर्मपालचरितम् ब्रह्माण्डपुराणम्.
(1894) आ. 25-30 प.

नीलोपाख्यानम् हरिवंशीयम्.
(B 755) आ. 8 प.

रामोपाख्यानम् पाद्मम्.
(C 1100) दे. 21 प.

रुक्माङ्गदचरितम् नारदीयम्.
(2902) ग्र. 53 प.
(3179) ग्र. 100 प.
(3207) ग्र. 70-98 प.

ललितोपाख्यानम् ब्रह्माण्डपुराणम्.
(2650) ग्र. 163 प.

शतरुद्रोपाख्यानम्. भारतम्.
(C 1127) ना. 13 प.

हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्. हरिवंशीयम्.
(2818) ग्र. 29 प.

(3) गीता.

अवधूतगीता.
(B 712) आ. 26 प.

अष्टावक्रगीता.
(B 692) आ. 11 प.
(C 1049) ना. 51 प. विश्वेश्वरीयव्याख्या.

ईश्वरगीता. कूर्मपुराणम्.
(2314) आ. 81-101 प.

उत्तरगीता.
(2572) ना. 61-69 प.
(B 713) आ. 36 प. कर्णाटटीका च.

ऋभुगीता.
(2062) आ. 61 प.

कपिलगीता पद्मपुराणम्.
(C 788) दे. 29 प.

गर्भगीता.
(1922) आ. 42 प. आन्ध्रतात्पर्ययुता.

देवीगीता देवीभागवतम्.
(2360) ग्र. 31 प.

प्रणवगीता.

(2360) ग्र. 7 प.

भगवद्गीता.

(2660) क. 154 प. रामकृष्णीयकर्णाटटीकासहिता.

रामगीता.

(B 714) आ. 18 प.

शिवगीता.

(2661) क. 154 प. कर्णाटटीकायुता.

शिवरामगीता.

(2314) आ. 102-121 प.

श्रुतिगीता.

(1914) ग्र. 42 प. वेङ्कटकृष्णार्यटीकायुता.

(4) माहात्म्यम्.

अहोबलगिरिमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(B 355) क. 90 प.

आनन्दकाननमाहात्म्यम्. वायुपुराणम्.

(C 865) दे. 88 प.

कदम्बवनमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.

(2318) ग्र. 48 प.

कामाक्षीमाहात्म्यम्. मार्कण्डेयपुराणम्.

(2519) ग्र. 77 प.

कार्तिकमासमाहात्म्यम्.

(2173) आ. 6 प. स्कान्दम्.

(2860) ग्र. 29-154 प.

(2071) आ. 19 प. भरद्वाजसंहितीयम्.

(2249) आ. 36 प. पाद्मम्.

काशीमाहात्म्यम्.

(A 309) आ. 18 प. आग्नेयम.

(B 708) आ. 35 प. पाद्मम्.

काशीरहस्यम् ब्रह्मवैवर्तम्.

(A 308) आ. 186 प. विद्यानन्दटीकायुतम्.

कुरुकामाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2971) ग्र. 95-165 प.

कुरुक्षेत्रमाहात्म्यम. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2977) ग्र. 40 प.

कृत्तिकामाहात्म्यम्.

(2632) ग्र. 60-90 प.

कौशिकमाहात्म्यम्. वाराहपुराणम्.

(2138) क. 17 प. कर्णाटटीकायुतम्.

(3021) क. 88-127 प.

गयामाहात्म्यम्. वायवीयम्.

(C 1022) ना. 15 प.

गरळपुरीमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.

(1941) ना. 51 प.

(B 612) क. 26 प.

चातुर्मास्यमाहात्म्यम्. वाराहम्.

(3126) ना. 41-152 प.

जयन्तीपुरमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.

(2648) ग्र. 37 प.

(2976) ग्र. 54 प.

ज्ञानमण्डपमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.

(2136) ग्र. 120 प.

(3016) आ. 55 प.

ताम्रपर्णीमाहात्म्यम्. शैवपुराणम्.
(2460) ग्रं. 75 प. 25 अध्यायाः.
(2340) ग्र. 206 प. 40 अध्यायाः
(2341) ग्र. 163 प. 41-64 अध्यायाः.

तुङ्गभद्रामाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(B 561) क. 2 प.

तुलसीमाहात्म्यम्. माण्डव्याश्रमवर्णनम्.
(2367) ग्र. 4 प.

त्रिकूटाचलमाहत्म्यम्. स्कान्दम्.
(2636) ग्र. 67 प.

देवीमाहात्म्यम् (सप्तशती). मार्कण्डेयपुराणम्.
(2189) आ. 43 प.
(2349) ग्र. 32-78 प.
(2477) आ. 29 प.
(B 657) दे. 129 प. सव्याख्यम्.
(2467) ग्र. 64 प. ,, ४ अध्यायाः.

द्रविडश्रुतिमाहात्म्यम्. पाञ्चरात्रम्.
(2149) आ. 3, 4 प.

धनुर्मासमाहात्म्यम्. सनत्कुमारसंहिता.
(C 1013) दे. 32 प.

धन्विनगरमाहात्म्यम्. वाराहखण्डम्.
(B 757) आ. 49 प.

नवक्षेत्रमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(2971) ग्र. 95 प.

नीलोपाख्यानम्. हरिवंशीयम्.
(B 755) आ. 8 प.

पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डम्.
(C 1042) दे. 52 प.

पिनाकिनीमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(C 1283) दे. 54 प.

भागवतमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.
(C 1021) ना. 30 प.

भावनाऋषिमाहात्म्यम्. मार्कण्डेयम्.
(3191) आ. 21 प.

मल्लारिमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.
(C 1018) दे. 49 प.

माघमाहात्म्यम्.
(2071) आ. 35-88 प. वायवीयम्.
(2387) आ. 84 प. पाद्मम्.
(2343) ग्र. 8-222 प. ,,
(2856) ग्र. 113 प. ,,
(3052) ना. 40 प. 15-19 अध्यायाः टीका.

मार्गशीर्षमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.
(3126) ना. 40 प.

यादवगिरिमाहात्म्यम्. नारदीयम्.
(2018) ग्र. 90 प.
(2147) आ. 65 प.

रामायणमाहात्म्यम्. उमासंहिता.
(C 1009) आ. 64 प.

रुद्रकोटिमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.
(3193) ग्र. 199-290 प.

रुद्राक्षमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.
(C 1132) दे. 8 प.

वीक्षारण्यमाहात्म्यम्. मार्कण्डेयम्.
(2056) ग्र. 98 प.

वेङ्कटगिरिमाहात्म्यम्.
(2387) ना. 68 प. भविष्योत्तरम्.

(C 1079) दे. 89 प. भविष्योत्तरम्.
(2071) आ. 12-18 प. ब्रह्माण्डम्.
(2861) ना. 33 प.
(C 1284) दे. 47 प. आदित्यपुराणीयम् सव्याख्यम.

वेदान्तदेशिकमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डम्.
(2149) आ. 3 प.

वैकुण्ठमाहात्म्यम्. पाद्मम्.
(C 696) आ. 2 प.

वैशाखमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.
(2071) आ. 34 प.

शिवभक्तमाहात्म्यम्. ब्रह्मोत्तरम्.
(2229) आ. 96 प. 23-43 अध्यायाः.
(2641) ग्र. 88 प. 35 अध्यायाः.
(2532) आ. 149 प.
(3155) ग्र. 92 प.

शिवरात्रिमाहात्म्यम्. स्कान्दम्.
(1960) ना. 19 प.

श्रीनिवाससरोवरमाहात्म्यम्. भविष्योत्तरम्.
(1998) आ. 26 प.

श्रीपादतीर्थमाहात्म्यम्.
(B 545) क. 8-9 प.

श्रीरङ्गमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डपुराणम्.
(2071) आ. 11 प.
(2064) आ. 45 प.
(C 1084) दे. 23 प.

श्वेताचलमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डम्.
(C 1020) दे. 43 प.

सालग्राममाहात्म्यम्.
(2362) ग्र. 62 प.

(2909) ग्र. 15 प.

(B 545) क. 8-9 प.

हनुमत्तीर्थमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डम् + स्कान्दम्.

(2818) ग्रं. 30 प.

हरदत्तमाहात्म्यम्. भविष्योत्तरम्.

(A 280) ग्र. 34 प.

हस्तिगिरिमाहात्म्यम्. ब्रह्माण्डम.

(1846) ग्र. 14-37 प.

हालास्यमाहात्म्यम. स्कान्दम.

(3251) ग्र. 108 प.

(5) सहस्रनामस्तोत्रम्.

अकारादिसहस्रनामावळिः.

(2624) ग्र. 15 प.

देवीसहस्रनामावळिः.

(2361) ग्र. 29 प.

नृसिंहसहस्रनामस्तुतिः नृसिंहपुराणम.

(2158) ग्र. 30 प.

(2488) ग्र. 196—205 प.

बालासहस्रनामस्तुतिः रुद्रयामलम्.

(1976) ना. 11 प.

ललितासहस्रनामस्तुतिः.

(2349) ग्र. 81 प.

(2663) क. 93 प. नृसिंहतीर्थीयव्याख्यायुतम्.

शिवसहस्रनामस्तोत्रम् पाद्मम्.

(1968) ना. 14 प.

(2361) ग्र. 28 प.

हयग्रीवसहस्रनामस्तोत्रम् महादेवरहस्यम्.

(C 728) दे. 8 प.

(6) आर्षस्तोत्रम्.

अपामार्जनं विष्णुधर्मोत्तरम्.
(C 710) आ. 21-32 प.
(2164) ग्र. 10 प.

अर्गळस्तोत्रम्.
(2349) ग्र. 19-21 प.

अश्वत्थनारायणस्तोत्रम्.
(B 618) क. 5-9 प.
(B 695) क. 5 प.

उपचारपूजास्तेत्रम्. त्रिपुरसिद्धान्तः.
(2477) आ. 81 तमप.

कीलकस्तोत्रम्.
(2349) ग्र. 21-22 प.

गीतासारस्तोत्रम्.
(B 715) आ. 10 प.

गुरुगीतास्तोत्रम्.
(2670) क. 24 प.

चण्डिकाहृदयम्.
(2349) ग्र. 23-32 प.

त्रैलोक्यमोहनकवचम्.
(2366) ग्र. 5 प.
(B 627) क. 5 प.

दक्षिणामूर्तिपञ्जरम्.
(B 767) क. 101-107 प.

दुर्गाविजयः.
(B 576) क. 153-159 प.

बालाकवचम्.
(2366) ग्र. 1 प.

बालाहृदयम्.
(2366) ग्र. 2 प.

मारिकास्तोत्रम् स्कान्दम्.
(B 379) दे. 3 प.

लक्ष्मीनारायणहृदयम्.
(2477) आ. 30–35 प.

ललितात्रिशती.
(2349) ग्र. 92–96 प.
(2477) आ. 58–64 प.

ललितास्तवरत्नम् दूर्वासःप्रोक्तम्.
(2100) आ. 75–81 प.

ललितास्तवराजः.
(B 663) ना. 5 प.

वेदपादस्तवः पुण्डरीकमाहात्म्यम्.
(2849) आ. 8 प.

शिवक्षेत्रस्तोत्रम्.
(C 873) आ. 3 प.

शिवनामावळिः.
(2630) ग्र. 6 प.

शिवस्तोत्रम् हरिवंशः
(C 771) आ. 6 प.

श्यामलाकवचम् रेणुकातन्त्रम्.
(2477) आ. 83–85 प.

श्रीरामदिनचर्या.
(2367) ग्र. 4 प.

हयग्रीवपञ्जरम्.
(C 1074) दे. 16 प.

VI. काव्यम्.

(1) स्तोत्रम्.

अच्युतशतकं वेदान्ताचार्यकृतम्.
(C 1077) दे. 15 प.

अभयहस्तशतकम्.
(2397) क. 155 प. सकर्णाटटीकम्.

अम्बास्तवः काळिदासकृतः.
(2347) ग्र. 4 प.

अष्टश्लोकी श्रीवत्साङ्कमिश्रीया.
(2021) ग्र. 1 प.

अष्टोत्तरदिव्यदेशस्तोत्रम्.
(2726) आ. 12 प.

आदित्यस्तोत्रम् अप्पय्यदीक्षितः.
(2984) ग्र. 55 प.
(2834) ग्र. 34 प. सव्याख्यम्.

कमलागुणस्तवः वेङ्कटनृसिंहार्यकृतः.
(1875) आ. 13 प.
(1861) आ. 47 प. भैषज्यकृष्णार्यटीकायुतः.

कालिकागद्यम्.
(2189) आ. 7 प.

कृष्णकर्णामृतम्.
(2321) ग्र. 63 प.
(2601) ग्र. 115 प. पापयल्लयार्यटीकायुतम्.
(2667) आ. 47 प. ,,

गङ्गालहरी जगन्नाथपण्डितीया.
(2734) आ. 107-111 प.

गरुडपञ्चाशत् वेदान्तचार्यकृता.

(2021) ग्र. 9 प.

(B 704) आ. 45 प. रामानुजाचार्यटीकायुता.

गोदागुणरत्नकोशः.

(B 554) क. 27 प.

गौरीदशकम् शङ्कराचार्यकृतम्.

(B 618) क. 2 प.

जगद्गुर्वष्टोत्तरशतरत्नमाला कृष्णशास्त्रीया.

(B 551) आ. 111 प.

जप्येशस्तोत्रम् वेङ्कटसुब्बकविकृतम्.

(2768) ग्र. 12 प.

तिरुनारायणस्तुतिः शुद्धसत्वाचार्यकृता.

(1994) ग्र. 30-34 प.

त्रिंशच्छ्लोकीव्याख्या पट्टाभिरामशास्त्रीया.

(C 1160) आ. 22 प. (देवीविषयिणीयं स्तुतिः).

त्रिपुरसुन्दरीवर्णमाला रामचन्द्रसूरीया.

(2477) आ. 82-83 प.

त्रिपुरसुन्दरीस्तवः शङ्कराचर्यकृतः.

(B 693) आ. 6 प.

त्रिपुरामाहिमस्तवः दूर्वासःकृतः.

(2705) आ. 14 प.

दक्षिणामूर्त्यष्टकम् शङ्कराचार्यकृतम्.

(2347) ग्र. 30 प. स्वयंप्रकाशयिव्याख्यायुतम्.

दयाशतकम् वेदान्ताचार्यकृतम्.

(2410) आ. 63 प. वाधूलश्रीनिवासकृतव्याख्यायुतम्.

दशावतारस्तुतिः वादिराजीया.

(B 747) क. 4 प.

देवीमानसपूजास्तवः.
(B 717) आ. 8 प.
(2477) आ. 89–90 प.

नक्षत्रमालिकास्तुतिव्याख्या.
(2092) ग्र. 21 प.

नृसिंहकवचं शंकराचार्यकृतम्.
(B 618) क. 2-4 प.

नृसिंहनखस्तुतिव्याख्या.
(2437) ना. 2 प.

नृसिंहस्तुतिः.
(3125) ना. 42-53 प. सुमतीन्द्रटीकायुता.

न्यासतिलकव्याख्या श्रीनिवासाचार्यीया.
(C 931) दे. 19 प.
(3062) ग्र. 34 प.

न्यासदशकव्याख्या श्रीनिवासाचार्यीया.
(2406) आ. 4 प.
(3062) ग्र. 34 प.

न्यासविंशतिव्याख्या नारायणमुनिकृता.
(2406) आ. 4-27 प.
(3062) ग्र. 34 प.

पञ्चस्तवव्याख्या वेङ्कटनिवासीया.
(2070) ग्र. 172 प. (अतिमानुष-वरद-सुन्दरबाहु–वैकुण्ठनाथश्रीस्तवाः)
(2092) ग्र. 129-132+96 प. ,, (अतिमानुषस्तवं विना.)

पञ्चस्तवी काळिदासीया.
(2477) ग्र. 43–57 प. (लघु-चर्चा-अम्बा-सकलजननी-मातृकापुष्पमालास्तवाः.)

पराङ्कुशपञ्चविंशतिः.
(2021) ग्र. 20–22 प.

प्रपत्तिसोपानम्.
(1869) आ. 85-86 प.

प्रपन्नदशकम्.
(1869) आ. 2 प.

ब्रह्मपादस्तवव्याख्या रामचन्द्रशिष्यकृता.
(3126) ना. 153-157. प.

भक्तिरत्नावळिः विष्णुपुरीसूरीया.
(3189) ग्र. 57 प.

भावशतकम् श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(A 393) आ. 21 प.

महिमस्तवव्याख्या.
(C 76) आ. 53 प. मधुसूदनीया.
(2189) आ 21 प. चन्नुभट्टीया.
(2644) ग्रं. 32 प.

मातृकापुष्पमाला.
(2644) ग्र. 41—49. प.

मूकपञ्चशती
(B 656) क. 43 प.

मृत्युंजयमानसपूजा.
(2705) आ. 12-18 प.

यतिराजगद्यम् श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(A 393) आ. 21 प.

यतिराजशतकम् श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(A 393) आ. 21 प.

यतिराजसार्वभौमशतकं वेदान्तरङ्गाचार्यकृतम्.
(1995) आ. 15 प. (आन्ध्रभाषा.)

रामकर्णामृतम्.
(2056) ग्र. 51 प.

रामदण्डकम्.
(1856) आ. 3 प.

रामायणवेदपादस्तवः वरदाचार्यरचितः.
(1991) ग्र. 40-43 प. 76 श्लोकाः.

ललितात्रिशतीस्तोत्रं महादेवानन्दनाथीयम्.
(B 546) म. 15 पु.

वरदस्तवव्याख्या.
(C 707) आ. 10 प. (18 श्लोकाः.)

वरवरमुनिगद्यम्.
(A 393) आ. 2 प.

वायुस्तुतिव्याख्या.
(3125) ना. 42 प. छलारीया.
(2437) आ. 3-21 प. विश्वेश्वरीया.

विष्णुपादादिकेशान्तस्तुतिव्याख्या सुबोधिनी.
(C 770) आ. 26 प.

विष्णुस्तुतिव्याख्या.
(C 731) दे. 33 प. वादिराजीया.
(2437) ना. 21-40 प. विश्वेश्वरीया.
(3121) ना. 16 प.

वेङ्कटाचलादिगद्यम्.
(2157) क. 23 प. (वेंकटाचल-आपादमस्तक-लक्ष्मीरामानुज-श्रीराम-गद्यानि.)

शठकोपमुनिस्तवः.
(2488) ग्र. 194–196 प.

शनैश्चरस्तवः दशरथकृतः.
(B 618) क. 9-13 प.

शरणागतिदीपिकाव्याख्या वरदाचार्यः.
(3062) ग्र. 18 प.

शिवस्तुतिः नारायणपण्डितीया

(C 749) दे. 12 प. सकर्णाटटीका.

श्रीगुणरत्नकोशव्याख्या.

(2092) ग्र. 94 प. वेंकटनिवासीया.

(2804) ग्र. 39 प. रामानुजीया.

श्रीरङ्गराजस्तवव्याख्या वेङ्कटनिवासीया.

(2094) ग्र. 94 प.

सिद्धिसारस्वतस्तवः पृथ्वीधराचार्यकृतः.

(2477) आ. 86–89 प.

सुदर्शनशतकव्याख्या माधवाचार्यकृताः.

(1887) ग्र. 58 प.

(1992) ग्र. 91–182 प.

(2164) ग्र. 79 प.

(2772) ग्र. 48 प.

सुभगोदयस्तोत्रम् गौडपादाचार्यकृतम्.

(B 537) आ. 13 प.

सूर्यशतकं सव्याख्यम्.

(1967) ना. 30 प.

सौन्दर्यलहरी शंकराचार्यरचिता.

(2347) ग्र. 16 प.

(2477) आ. 36–42 प.

(A 307) आ. 60 प. लक्ष्मीधरीयव्याख्या.

(2204) अ. 276–346 प. ,, 40 श्लोकाः.

(2734) ग्र. 29 प. ,,

(2734) ग्र. 90–92 प. सहजानन्दीया. असम.

(B 760) दे. 76 प कैवल्याश्रमीया.

स्तोत्ररत्नव्याख्या.

(3132) क. 17 प.

स्तोत्रसमुच्चयः.

(C 694) अत्र. 166 स्तोत्राणि.

(3021) क. 127 प. श्रीशैलसूरीयः.

हनुमच्छतकं सव्याख्यम् वेङ्कामात्यप्रणीतम्.

(3080) आ. 47 प.

हरिस्तुतिव्याख्या स्वयंप्रकाशीया.

(B 709) आ. 58 प.

(2) पद्यकाव्यम्.

अन्यापदेशशतकम्.

(C 786) आ. 25–37 प. जगन्नाथपण्डितीयम.

(1880) ग्र. 13-18 प. श्रीयिवासीयम्.

अन्योक्तिमाला.

(B 394) आ. 20 प.

अप्पयदीक्षितचरितम् शिवानन्दकृतम्.

(A 283) ग्र. 20 प.

अमरुकशतकम्.

(C 1080) दे. 13 प.

(1838) आ. 48 प. वेमभूपकृतटीकायुतम्.

(1977) ना. 76 प. ,,

(2312) आ. 29 प. ,,

(2333) ग्र. 54 प. ,,

उदारराघवव्याख्या चौळिसूरीया.

(3036) ना. 215 प. 6 सर्गाः.

कलिविडम्बनं अभिनवकाळिदासीयम्.

(C 784) आ. 10 प,

कविकण्ठपाशः सव्याख्यः काळिदासीयः.

(B 743) क. 35 प.

(2772) ग्र. 24 प.

(C 696) आ. 3 प. असमग्रः.

कविराक्षसीयं सव्याख्यम्.

(1838) आ. 28 प.
(2312) आ. 30-46 प.

काव्यरत्नं सव्याख्यं चिदम्बरकविकृतम्.

(2802) ग्र. 88 प.

कृष्णकर्णामृतम्.

(2321) ग्र. 63 प.
(2601) ग्र. 115 प. पापयल्लयार्यटीकायुतम्.
(2667) आ. 47 प. ,,

कृष्णाभ्युदयकाव्यम्.

(2920) ग्र. 37 प.

गङ्गावतरणकाव्यं नीलकण्ठदीक्षितीयम्.

(2764) ग्र. 96-120 प.

गीतगङ्गाधरव्याख्या काशीनाथपण्डितीया.

(3010) ग्र. 85 प.

गीतगोविन्दम् जयदेवीयम्.

(2307) म. 261 प. लक्ष्मीधररचिता टीका.
(2949) म. 157 प. ,,
(2955) आ. 104 प. श्रुतिरंजनी. लक्ष्मणसूरीया द्वितीयसर्गतस्समग्रा.
(3262) आ. 130 प. ,, 12 सर्गाः.
(C 740) आ. 61 प. चैतन्यदासीया.
(C 767) दे. 150 प. कमलाकरकृता टीका. 13-36 पत्रलोपः.
(1944) ना. 127 प. अप्रमेयशास्त्रीया कर्णाटभाषा.

गीतवीतरागः अभिनवचारुकीर्तिकृतः.

(2721) क. 102 प. सकर्णाटटीकः.

गुरुवंशकाव्यं लक्ष्मणशास्त्रिकृतम्.

(2474) ना. 46 प.

गोदागाथाः (तिरुप्पावै परिवृत्तिः)

(1846) ग्र. 5 प.

घटकर्परभेदिनी सुदर्शनाचार्यकृता.
(B 825) आ. 35-39 प.

जयीन्द्रोदयः.
(2588) ना. 89-103 प. 1-6 सर्गाः.

दिव्यसूरिचरितं गरुडवाहनपण्डितीयम्.
(1983) ग्र. 180 प. 13 सर्गाः.

नीतिशतकं वेङ्कटाचार्यरचितम्.
(1880) ग्र. 11-13 प.

नैषधचरितव्याख्या.
(2140) ग्र. 175 प. मल्लिनाथीया 5 सर्गाः.
(C 1063) दे. 451 प. नरहरिपण्डितीया समग्रा.

पद्यचूडामणिः बुद्धघोषाचार्यविरचितः.
(2837) ग्र. 32 प.

पादुकासहस्रं वेदान्ताचार्यकृतम्.
(2798) ग्र. 91 प.
(2205) ग्र. 204 प. श्रीनिवासाचार्यकृता परीक्षाख्या टीका.

पारिजातहरणकाव्यम् सव्याख्यम् नारायणपण्डिताचार्यकृतम्.
(3211) ना. 29 प.

प्रपन्नामृतं अनन्तसूरीयम्.
(2381) ग्र. 259 प.
(2991) आ. 191 प.
(2083) आ. 73-115 प. 30-53 अध्यायाः.

बालभारतं अगस्त्यकविकृतम्.
(2061) आ. 33 प. 7 सर्गाः.
(2295) ग्र. 146 प. साळ्वतिम्मणभूपकृतव्याख्यानम्. 14 सर्गाः.

बालहरिवंशकाव्यं शंकरनारायणः.
(3082) ग्र. 130 प.

विह्लणचरितम्.

(2021) ग्र. 12 प.

(2106) आ. 7 प.

(2338) ग्र. 7 प.

भद्राद्रिरामायणम् सव्याख्यं वीरराघवकविकृतम्.

(2524) ग्र. 93 प. असमग्रम्.

भिक्षाटनकाव्यं उत्प्रेक्षावल्लभकृतम्.

(2845) ग्र. 17 प.

मणिप्रवाळवल्ली विश्वनाथीया.

(2465) ग्र. 67 प. विराटपर्वणि 5 मञ्जर्यः.

मध्वविजयः नारायणपण्डितीयः.

(A 287) दे. 53 प. सव्याख्यः.

(C 1287) दे. 72 प. मुद्गलानन्दतीर्थीया व्याख्या. 1, 2, 10 सर्गाः.

(3215) ना. 17–106 प. ,, 3-7 सर्गाः.

(3097) ना. 120 प. वेदाङ्गतीर्थीया व्याख्या. 1. 2, 5, 6, 8 सर्गाः.

मणिमञ्जरीभेदिनी श्रीरामयोगीन्द्रकृता.

(B 726) क. 106 प.

महिषशतकं वाञ्छानाथकविः.

(C 1131) आ. 16 प.

यमकभारतटीका नरहरितीर्थः.

(2985) ना. 8+11 प.

यमकरत्नाकरः श्रीवत्साङ्कमिश्रीयः.

(2005) आ. 115 प. 10 आश्वासाः.

(B 762) आ. 76 प. 3 ,,

(3093) ग्र. 11-113 प. 1-5 ,,

(3094) ग्र. 40 प. 4-7 ,,

यादवाभ्युदयः वेदान्ताचार्यरचितः.

(3099) ग्र. 63 प. अप्पय्यदीक्षितीयव्याख्यायुतः. 15-18 सर्गाः.

रघुवंशकाव्यं काळिदासरचितम्.
(1953) ना. 34-165 प. मल्लिनाथीयटीका. द्वितीयसर्गतस्समग्रा.
81-90 पत्रलोपः.

राक्षसश्लोकव्याख्या वैद्यनाथीया.
(B 688) क. 15 प.

राघवयादवीयं वेङ्कटाध्वरिरचितम्.
(1991) ग्र. 29 प.

राजशेखरचरितं नवीनकाळिदासीयम्.
(2878) आ. 36 प. प्रथमोल्लासः.

राधाविनोदरसव्याख्यः रामचन्द्रकृतः.
(C 1089) दे. 6 प.

रामचन्द्रोदयकाव्यम्.
(2102) आ. 19 प. गोपालाचार्यकृतम्. 1-7 सर्गाः.
(2200) आ. 58 प. गोपालरायकृतं सव्याख्यम्. 3 उच्छ्वासाः.
(2107) आ. 11-74 प. ,, ,, 2 ,,

रामामृतं वेङ्कटरङ्गाचार्यकृतम्.
(2647) ग्र. 45 प.

लक्ष्मीकाव्यं तिरुमलाचार्यः.
(3055) ग्र. 4-24 प. (4 सर्गाः).

विद्वन्मोदतरङ्गिणी चिरंजीविभट्टाचार्यकृता.
(C 787) दे. 42 प.

विश्वदेशिकविजयः लक्ष्मीनृसिंहशास्त्रीयः.
(C 743) आ. 8 प.

शंकरविजयः आनन्दगिरीयः.
(2306) आ. 54 प.

शष्पशतकं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(1871) आ. 7 प.

शिवदयासहस्रं नृसिंहकविकृतम्.
(B 742) क. 176 प.

शिवपदकमलरेणुसहस्रम्. सुन्दरेश्वरगुरुशिष्यकृतम्.
(B 349) आ. 152 प.
(2805) आ. 55 प.

शिवलीलार्णवकाव्यं नीलकण्ठदीक्षितीयम्.
(2814) ग्र. 90 प.

शिशुपालवधटीका मल्लिनाथीया.
(2291) ग्र. 187 प. 11 सर्गाः.
(C 1299) ना. 252 प. 9 ,,

शृङ्गारलहरी (लक्ष्मीशतकम्) वेङ्कटाचार्यकृता.
(1880) ग्र. 6 प.

शृङ्गारशतकम्. श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(1880) ग्र. 7-10 प.

श्रीशैलकुलवैभवः नृसिंहसूरीयः.
(B 721) आ. 91 प. 20 उल्लासाः.

श्लेषचूडामणिः श्रीनिवासकृतः.
(C 1128) आ. 9 प.

संग्रहरामायणकाव्यम् नारायणपण्डितीयम्.
(C 830) दे. 222 प.

सुप्रभातशतकम्. श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(1880) ग्र. 18-21 प.

(3) गद्यकाव्यम्.

कादम्बरी बाणकृता.
(2008) ग्र. 111 प. प्रथमभागः.
(2161) ग्र. 130 प. ,,
(2162) आ. 125+31 प. ,,
(3209) ग्र. 158 प. ,,

गद्यकर्णामृतम्. सकलविद्याचक्रवर्तिकृतम्.
(2857) आ. 68 प.

भाषामञ्जरी त्रिकालज्ञकवीन्द्रकृता.
(2499) ना. 20 प.

वासवदत्ता सुबन्धुरचिता.
(C 1093) दे. 36 प.

वेङ्कटेशचूर्णिकाव्याख्या. वेङ्कटाध्वरिरचिता.
(C 1285) दे. 27 प. (मूलकर्ता तिरुमलरायः).

(4) चम्पूः.

अभिनवभारतचम्पूः.
(1884) आ. 143 प. श्रीकण्ठकविकृता. आदितः 12 स्तबके, 43 श्लोकाः.
(3102) आ. 22+53-118 प. चन्द्रशेखरशास्त्रिरचिता. 6 स्तबकाः.

आञ्जनेयविजयः. नृसिंहकविकृतः.
(2791) आ. 27 प.

उत्तरचम्पूः.
(2152) ग्र. 20 प. वेङ्कटकृष्णकृता.
(2607) ग्र. 30 प. ,,
(2823) ग्र. 33 प. ,,
(2423) आ. 24 प. वीरराघवकृता.
(3059) ग्र. 29 प. ,,

कुशलवचम्पूः. वेङ्कयसुधीकृता.
(B 562) आ. 64 प.

गोदापरिणयचम्पूः.
(3150) ग्र. 16 प. 4 स्तबकाः.

गौरीपरिणयः. पिन्नवेङ्कटसूरिकृतः.
(C 768) आ. 3-23 प.

चिन्तामणिविजयः शेषकविकृतः.
(2839) ग्र. 45 प.

जप्येशोत्सवचम्पूः वेंकटसुब्बकविकृता.

(2768) ग्र. 42 प.

ज्ञानाङ्कुरचम्पूः लक्ष्मीनृसिंहकविकृता.

(C 748) आ. 17 प.

तत्त्वार्थदर्पणं अण्णयदीक्षितीयम्.

(1879) ग्र. 15 प.

नलचम्पूः (दमयन्तीकथा) त्रिविक्रमभट्टीया.

(C 751) आ. 20 प. प्रथमोच्छ्वासः.
(C 738) आ. 43 प. चण्डपालीया व्याख्या च. 4-7 उच्छ्वासाः.

नीलकण्ठविजयः नीलकण्ठदीक्षितीयः.

(2014) ग्र. 59 प.
(1913) ग्र. 54 प.

पुरुदेवचम्पूः अर्हद्दासकृता.

(B 539) क. 36 प. 4 स्तबकाः.

बाणासुरविजयः वेंकटाचार्यकृतः.

(1865) आ. 50 प.

ब्रह्मोत्सवदीपिका श्रीनिवासाचार्यकृता.

(1866) ग्र. 53 प.

भागवतचम्पूः वीरराघवसूरीया.

(3012) ग्र. 91 प.
(1845) ग्र. 88 प. अक्रूरसूरीया अभिनवकाळिदासविरचितचम्पूव्याख्या.

भारतचम्पूः अनन्तभट्टीया.

(C 1115) आ. 71 प.
(2009) ग्र. 124 प.
(3101) ग्र. 92 प.
(2290) ग्र. 217 प. नृसिंहकृता व्याख्या.
(2929) ग्र. 270 प. ,,
(2011) ग्र. 231 प. ,, 7 स्तबकाः 42-132 पत्रलोपः.
(2012) ग्र. 101 प. ,, 7-12 स्तबकाः.

भैष्मीपरिणयः. रत्नखेटदीक्षितकृतः.
(1871) आ. 18 प.
(C 1269) दे. 20 प.
(B 218) दे. 70 प. धरणीधरव्याख्यायुतः.

मद्रकन्यापरिणयः. गङ्गाधरकविकृतः.
(2907) ग्र. 87 प.

मीनाक्षीपरिणयः आदिनारायणरचितः.
(2623) ग्र. 23 प. 3 उल्लासाः.

यादवशेखरचम्पूः भाष्यकारसुधीः.
(A 370) क. 85 प. (द्वितीयाश्वासतः समग्रा.)

रामाभिषेकचम्पूः देवराजभट्टीया.
(3194) ग्र. 140 प.

रामायणचम्पूः भोजराजीया.
(2013) ग्र. 83 प.

रुक्मिणीवल्लभपरिणयः. नृसिंहतातरचितः.
(2413) आ. 49 प. 5 स्तबकाः.

रुक्मिणीशविलासः शेषकविः.
(C 1268) दे. 54 प.

वज्रमकुटीविलासः. अलसिंगभट्टविरचितः.
(2919) ग्र. 56 प.

विश्वगुणादर्शः वेंकटाध्वरीयः.
(1986) ग्र. 76 प.

विश्वगुणादर्शदूषणसमर्थनम्.
(A 396) आ. 50 प. (शिष्टभूषणम्. रामानुजाचार्यकृतम्.)
(1987) ग्र. 23 प.

वीरभद्रविजयचम्पूः एकाम्रयज्वरचिता.
(2671) आ. 10 प. 5 उल्लासाः.

शङ्करचम्पूः लक्ष्मीपतिरचिता.

(3100) आ. 67 प. 4 काण्डाः.

श्रीनिवासविलासचम्पूः वेंकटेशरचिता.

(C 1296) क. 200 प.

सीताविजयचम्पूः घण्टावतारकविकृता.

(2924) ग्र. 46 प.

(4) नाटकम्.

अनर्घराघवम् मुरारिमिश्रीयम्.

(2312) आ. 40 प.

(2824) आ. 62 प.

(2128) आ. 159 प. हरिहरदीक्षितीया व्याख्या.

(2545) आ. 95 प. ,,

(2552) ना. 113 प. ,,

(1903) आ. 158 प. विष्णुभट्टरचिता पञ्चिका. मध्ये क्वचित् पत्रलोपः.

(2797) ग्र. 35 प. रामानन्दाश्रमयिा इष्टार्थकल्पवल्ली (प्रस्तावना.)

अमृतमथननाटकं वेंकटनाथार्यः.

(3045) ग्र. 27 प.

आञ्जनेयविजयनाटकम् भाष्यकारकृतम्.

(2139) आ. 6 प.

उत्तररामचरितम् भवभूतिकृतम्.

(2106) आ. 35-68 प.

(2038) ग्र. 62 प.

(3078) ग्र. 89 प. अण्णावप्पंगाख्याख्या.

(2104) आ. 14 प. वेमभूपरचिता व्याख्या.

उन्मत्तराघवं भास्करकविकृतम्.

(B 621) आ. 9 प.

उषापरिणयः श्रीनिवासाचार्यकृतः.

(1900) आ. 14 प.

ऊर्वशीसार्वभौमेहामृगः वेंकयसुधीकृतः.
(2586) आ. 70-99 प.
(2773) ग्र. 119–149 प.

कमलिनीकलहंसम् चूडामणिदीक्षितकृतम्.
(1855) ग्र. 13 प. असमग्रम्.

कर्पूरमञ्जरी (सट्टअं) राजशेखरगचितम्.
(1871) आ. 20 प.

कल्याणपुरंजननाटकम् वेंकटाचार्यकृतम्.
(1864) आ. 25 प. 2 अङ्कौ.

कामकलाविलासभाणः वेंकयसुधीकृतः.
(2586) आ. 114-125 प.

कुक्षिभरभैक्षवप्रहसनम् वेंकयसुधीविरचितम्.
(2773) ग्र. 33 प.

कुन्दमालानाटकम् दिङ्नागाचार्यकृतम्.
(B 758) क. 67 प.
(2763) ग्र. 47 प.

कुहनाभैक्षवप्रहसनम् तिरुमलनाथीयम्.
(1881) आ. 26-38 प.

कृष्णभक्तिचन्द्रिका अनन्तभट्टः.
(C 1125) दे. 23 प.

जनकजानन्दनाटकम् नृसिंहकविकृतम्.
(2780) आ. 78 प.

जानकीपरिणयः रामभद्रदीक्षितकृतः
(C 1087) आ. 66 प.
(2823) ग्र. 34-126 प.

नरकासुरविजयव्यायोगः धर्ममनीषिकृतः.
(2740) आ. 13 प.

नलचरित्रनाटकम नीलकण्ठदीक्षितकृतम्.
(C 750) आ. 33 प. 6 अङ्काः.

पञ्चबाणविजयः वाधूलरङ्गाचार्यः
(2740) आ. 13 प.

पञ्चायुधप्रपञ्चभाणः त्रिविक्रमशास्त्री.
(C 1082) दे. 49 प.

प्रबोधचन्द्रोदयव्याख्या.
(2122) आ. 113 प.
(2277) आ. 100 प.
(2605) ग्र. 80 प. गोविन्दामृतकृतटीका आभरणाख्या.

प्रसन्नराघवम् जयदेवकृतम्.
(2020) ग्र. 59 प.

प्राभावतनाटकं रघुनाथसूरि
(B 810) आ. 139 प.

प्रियदर्शिका श्रीहर्षकृता.
(2486) ग्र. 29 प.

मल्लिकामारुतम् उद्दण्डकृतम.
(C 737) आ. 57 प.

महावीरचरितम् भवभूतिकृतम.
(2763) ग्र. 69 प.

महेन्द्रविजयडिमः वेङ्कयसुधीकृतः.
(2773) ग्र. 34-63 प.
(B 351) क. 51 प.

मालतीमाधवम् भवभूतिकृतम.
(2163) आ. 40 प.
(C 1088) आ. 38 प.
(3137) ग्र. 91 प. कुमारगिरिराजीया व्याख्या. 7 अङ्काः.

मालविकाग्निमित्रम् कालिदासकृतम्.
(2015) ग्र. 34 प.
(2091) ग्र. 41 प. वेमभूपव्याख्यायुतम्.

मीनाक्षीपरिणयनाटकम् अण्णाशास्त्रिकृतम्.
(2617) ग्र. 61 प.

मुकुन्दानन्दभाणः काशीपतिकृतः.
(2105) आ. 43 प.
(B 621) ना. 40 प.

मुद्राराक्षसम् विशाखदत्तकृतम्.
(2016) ग्र. 62 प.
(2155) ग्र. 31 प.
(2163) आ. 49 प.
(C 858) दे. 48 प.
(C 1106) आ. 68 प.

रतिमन्मथनाटकम् जगन्नाथकृतम्.
(2609) आ. 37 प.

रत्नावळी श्रीहर्षकृता.
(1881) आ. 25 प.
(2486) ग्र. 40 प.

रुक्मिणीमाधवाङ्कः वेङ्कभूपकृतः.
(2586) आ. 152–156 प.
(2773) ग्र. 107–118 प.
(B 360) क. 90–109 प.

लक्ष्मीस्वयंवरसमवाकारः वेङ्कभूपकृतः.
(B 360) क. 30–70 प.
(2773) ग्र. 69–95 प.

लम्बोदरप्रहसनम् कालिदासकृतम्.
(2740) आ. 16 प.

विक्रमोर्वशीयं कालिदासकृतम्.

(C 1097) आ. 30 प.

(2010) ग्र. 33 प.

(2091) ग्र. 38 प. वेमभूपकृतव्याख्या.

विबुधदानवसमवाकारः वेङ्कभूपकृतः.

(2586) आ. 191–199 प.

वीरराघवव्यायोगः वेङ्कभूपकृतः.

(B 360) क. 29 प.

(2586) आ. 140-146 प.

शाकुन्तलम् कालिदासकृतम्.

(2016) ग्र. 53 प.

(2038) ग्र. 63-130. प.

(2106) आ. 34 प.

(2824) आ. 46 प.

(2104) आ. 72 प. वेमभूपकृता व्याख्या.

(3219) ग्र. 84 प. श्रीनिवादीक्षितीया व्याख्या.

शृङ्गारतरङ्गिणी वेङ्कटार्यकृता.

(1897) आ. 70 प.

(3045) ग्र. 34 प.

शृङ्गारतिलकभाणः रामभद्रकविः.

(2817) ग्र. 31 प.

शृङ्गारविलासभाणः साम्बशिवकृतः.

(2232) आ. 48 प.

सङ्कल्पसूर्योदयम् वेदान्ताचार्यकृतम्.

(C 711) आ. 51 प.

(2112) आ. 36-113 प. अहोबलार्यकृता व्याख्या. 2-10 अङ्काः.

(2912) ग्र. 134 प. (विवरणम्.)

(2006) ग्र. 143 प. श्रीनिवासार्यकृता व्याख्या.

सरसकविकुलानन्दभाणः रामचन्द्रः.

(1900) आ. 18 प.

(2858) आ. 29 प.

साहितीसमुल्लासनाटकम् श्रुद्वैङ्कार्यः

(B 793) आ. 86 प.

सिद्धान्तभेरीनाटकम् सुदर्शनार्यकृतम्.

(B 402) आ. 28 प (2 अङ्कौ)

सीताकल्याणवीथी वेङ्कभूपकृता.

(2773) ग्र. 95-106 प.

(2586) आ. 33–40+147–151 प. (2 प्र.)

(B 360) क. 70-90 प.

सुभद्रापरिणयनाटकम् सुधीन्द्रकृतम्.

(2585) ना. 85+40-76 प.

(2137) आ. 100 प.

सोमवल्लीयोगानन्दप्रहसनम् अरुणागिरिकृतम्.

(2155) ग्र. 9 प.

(5) सुभाषितम्.

कविकर्णभूषणम्.

(2956) आ. 5 प.

कविकौमुदी लक्ष्मीनृसिंहकविकृता.

(2780) आ. 9 प. (असमग्रा.)

(C 785) आ. 24 प.

प्रश्नोत्तरसुभाषितम् श्रीनिवासाचार्यः.

(2869) आ. 3 प.

प्रसङ्गरत्नावळिः.

(2745) आ. 58 प.

प्रस्तावसुधाम्बुधिः श्रीनिवासः.
(2869) आ. 8 प.

श्रवणानन्दम् वेङ्कटाध्वरिविरचितम्.
(3129) ग्र. 9 प.

सुभाषितकौस्तुभः वेंङ्कटाचार्यकृतः.
(3129) ग्र. 8 प.

सुभाषितनीवी वेदान्ताचार्यकृता.
(B 763) आ. 66 प. सव्याख्या.
(3147) ग्र. 16 प.

सुभाषितसङ्ग्रहः.
(C 1112) दे. 42 प.
(2638) ग्र. 104 प.
(B 800) दे. 15 प.
(3188) ग्र. 26+84+29 प.
(3192) ग्र. 46 प.

सुभाषितसुधानिधिः सायणाचार्यकृतः.
(2542) क. 46 प.

सुभाषितसुरद्रुमः बसवभूपसंगृहीतः
(2785) आ. 169 प. द्वितीयस्कन्धः.
(2583) आ. 166 प. प्रथमस्कन्धः असमग्रः.
(2554) ना. 25-44 प. स्त्रीवर्णनकुसुमम्.
(2672) ना. 185-294+170 प. तृतीयस्कन्धः.

सूक्तिमुक्तावळिः जह्लणकृता.
(1828) ग्र. 146 प.
(2542) आ. 97 प.
(B 540) क. 13 प. (संग्रहः)
(C 782) आ. 16 प ,,

(6) नीतिग्रन्थः.

नीतिशतकं वेङ्कटाचार्यः.
(1880) ग्र. 11-13 प.

(7) कथाग्रन्थः.

शुकसप्ततिकथा.
(3003) ना. 248 प.

सिंहासनद्वात्रिंशिका नन्दीशयाज्ञिककृता (बत्तीसपुत्थळिका.)
(C 1292) दे. 111 प. 20 कथाः.

VII. छन्दश्शास्त्रम्.

छन्दोव्याख्यासारः कृष्णभट्टकृतः.
(C 922) दे. 33 प.

पिङ्गलछन्दस्सूत्रवृत्तिः हलायुधकृता.
(2875) आ. 25 प. 6 अध्यायाः.

वृत्तमणिमाला श्रीनिवार्यकृता.
(C 709) आ. 6. प.

वृत्तरत्नाकरव्यख्या धीशोधिनी श्रीनाथकृता.
(C 789) आ. 70 प.
(2082) आ. 60 प.

वृत्तरत्नावळी कृष्णराजकृता.
(B 519) क. 203 प.

VIII. अलङ्कारशास्त्रम्.

अलङ्कारकौस्तुभः वेङ्कटार्यकृतः.
(2421) आ. 37 प.

अलङ्कारतिलकम् रुद्रटकृतम्.
(2223) आ. 11 प.

अलङ्कारमणिदर्पणम् वेङ्कभूपकृतम्.

(2570) आ. 228 प.

(B 558) आ. 355 प. (शब्दार्थालङ्कारप्रकरणे.)

(C 1256) आ. 25+122. प.

(2059) आ. 46 प. प्रथमं काव्यस्वरूपनिरूपणप्रकरणम्.

अलङ्कारमुक्तावळी विश्वेश्वरः.

(C 1159) दे. 27 प.

अलङ्कारलक्षणम्.

(C 1188) ग्र. 8 प.

अलङ्कारसङ्ग्रहः अमृतानन्दयोगिसंगृहीतः.

(2767) आ. 137 प. 9 परिच्छेदाः.

अलङ्कारसर्वस्वटीका विद्याचक्रवर्तिकृता.

(B 720) क. 25 प.

(2223) आ. 25 प.

अलङ्कारसारः नृसिंहकृतः.

(C 704) आ. 18 प.

अलङ्कारसुधानिधिः सायणाचार्यकृतः.

(B 718) क. 137 प.

(2223) आ. 34 प.

उत्प्रेक्षामञ्जरी वरदाचार्यकृता.

(2023) ग्र. 15-24 प.

एकावळिः विद्याधरकृता.

(B 354) आ. 176 पृ. (6 उन्मेषाः.)

कङ्कणबन्धः सुदर्शनाचार्यकृतः.

(B 401) आ. 30 प.

कविकल्पलता वाग्भटनन्दनदेवेश्वरः.

(2956) आ. 20 प.

काकतालवादार्थः शम्भुदासकृतः.
(B 740) आ. 18 प.

काव्यदर्पणम् चूडामणिदीक्षितकृतम्.
(1859) ग्र. 286 प.
(2934) ग्र. 154 प. 7-9 उल्लासाः.

काव्यप्रकाशटीका.
(B 407) आ. 471 प. मधुमती रविपाणिकृता.
(C 891) दे. 33 प. सरस्वतीतीर्थीया (5 उल्लासाः.)
(C 1166) आ. 12 प. रघुदेवन्यायालङ्कारकृता कारिकाव्यख्या.

काव्यसंग्रहत्रयम् श्रीनिवासः.
(2842) ग्र. 98 प.

कुवलयानन्दः अप्पयदीक्षितकृतः.
(C 1101) दे. 75 प.
(1919) आ. 74 प.
(B 361) आ. (टीका रसिकरञ्जनी.)

कुवलयानन्दचन्द्रिका वैद्यनाथदीक्षितीया.
(C 993) आ. 79 प.
(C 932) आ. 114 प.

चित्रमीमांसा अप्पय्यदीक्षितकृता.
(C 994) आ. 23 प.
(3212) ग्र. 66-130 प.

चित्ररत्नाकरः चक्रकविः.
(B 771) ना. 21 प.

प्रतापरुद्रयशोभूषणम् विद्यानाथकृतम्.
(2007) ग्र. 127 प.
(C 1096) आ. 132 प.
(3103) ग्र. 57 प. कुमारस्वामिसोमपीथीयं रत्नापणम्. 3 प्रक.

रघुनाथभूपालीयम् कृष्णयज्वविरचितम्.

(2779) ग्र. 45 प.

(2779) ग्र. 29 प. सुधीन्द्रविरचितव्याख्या 2 विलासौ.

रसगङ्गाधरः जगन्नाथपण्डितकृतः.

(C 1293) द. 257 प.

रसतरङ्गिणी भानुदत्तः.

(C 1090) दे. 42 प.

(C 1158) दे. 162 व्याख्या नौका. गङ्गारामजटीया.

रसमञ्जरीटीका.

(C 741) दे. 61 प. नागेशभट्टकृता.

(2348) ग्र. 132 प. अनन्तपण्डितकृता व्यङ्ग्यार्थकौमुदी.

(2835) ग्र. 70 प. गोपालसूरिविरचिता रसिकरंजनीटीका.

(2925) ग्र. 44 प. ,,

रसार्णवसुधाकरः नृसिंहभूपः.

(2827) ग्र. 77 प.

लक्ष्यलक्षणमालिका नृसिंहकृता.

(B 400) आ. 14 प.

विदग्धमुखमण्डनम् धर्मदासकृतम्.

(1856) ग्र. 31 प. (असमग्रम्.)

शठवैरिवैभवप्रभाकरः मरिगण्टि. नृसिंहाचार्यः.

(B 781) आ. 134 प.

शृङ्गारतिलकम् रुद्रटविरचितम्.

(B 719) क. 48 प.

समस्यादिसङ्ग्रहः.

(2864) आ. 37 प.

सरस्वतीकण्ठाभरणम् भोजदेवकृतम्.

(1867) ग्र. 100 प. 4 परिच्छेदाः.

साहित्यचिन्तामणिः वीरनारायणीयः.
(3221) ग्र. 200 प. 13 परिच्छेदाः.

साहित्यरत्नाकरः धर्मसूरिकृतः
(1853) दे. 90 प.
(2130) आ. 93 प.
(3044) आ. 81 प.

साहित्यसरणिस्सव्याख्यः.
(2869) आ. 17 प.

IX. शिल्पशास्त्रम्.

मयमतम्.
(2986) आ. 178 प.

वास्तुसारसङ्ग्रहः गणपय्यकृतः.
(1892) आ. 64 प. (आन्ध्रभाषा.)

सर्वाधिकारः अगत्स्यप्रोक्तः.
(2986) आ. 179–244 प. सान्ध्रटीकः.

X. अर्थशास्त्रम्.

कौटिलीयमर्थशास्त्रम् चाणक्यप्रणीतम्.
(3230) ग्र. 168 प.
(3231) ग्र. 120 प. भट्टस्वामिरचिता व्याख्या 2 अधिकरणे.

XI. कामशास्त्रम्.

अनङ्गरङ्गः कल्याणमल्लकृतः.
(C 888) दे. 23 प.
(B 748) क. 12 प. 8 तरङ्गाः.
(3019) ग्र. 16 प.

कामसूत्रव्याख्या नृसिंहशास्त्रिकृता.
(A 274) आ. 112 प. प्रथमभागः.
(A 316) क. 113–234 प. द्वितीयभागः.
(3018) क. 189 प. जयमङ्गला यशोधरकृता.

तृतीयपुरुषार्थसाधकसरणिः.
(2364) ग्र. 23 प.

रतिरत्नप्रदीपिका नन्दिकेश्वरकृता.
(1878) आ. 12 प. सप्ताध्यायाः.

रतिरहस्यम् कोक्कोककविकृतम्.
(1878) आ. 13—34 प.

रतिसारः माधवदेवरचितः.
(3223) ग्र. 26 प. असमग्रः.

शृङ्गारदीपिका वेमभूपरचिता.
(2880) ना. 17 प.

XII. भरतशास्त्रम्.

नाट्यशास्त्रम् भरतमुनिविरचितम्.
(2555) क. 120 प.

संगीतदर्पणम् (दामोदरः) दामोदरकविः.
(2847) क. 79 प. 1-5 अध्यायाः.

संगीतपद्यावळिः (34 अध्यायाः.)
(1936) आ. 186 प. आन्ध्रभाषा.

स्वरमेळकलानिधिः रामामात्यरचितः.
(3278) आ. 47 प.

XIII. व्याकरणम्.

अर्थवत्सूत्रवाक्यार्थः मन्नरामीयः.
(C 1190) दे. 20 प.

अष्टाध्यायी पाणिनिकृता.
(1955) आ. 30 प.

कला(मञ्जूषाव्याख्या) पायगुण्डवैद्यनाथकृता.
(A 257) दे. 138 प.
(2739) आ. 116 प.

कविकल्पद्रुमकामधेनुः वोपदेवविरचिता.

(A 345) आ. 82 प.

(C 890) दे. 12 प. असमग्रा.

कारकम् शङ्करभट्टीयम्.

(C 967) दे. 44 प.

कारकविवरणम् रत्नपाणिकृतम्.

(C 1091) दे. 4 प.

कारकशाब्दबोधः.

(C 1024) आ. 12 प.

काशिकावृत्तिः वामनजयादित्यकृता.

(1832) ग्र. 64 प. प्रथमोऽध्यायः.

(2354) ग्र. 105 प. 5-4-150—6-4-8 सूत्रान्तरा.

गजसूत्रवादार्थः.

(C 968) दे. 18 प.

(C 1196) दे. 6 प. मन्नुरामीयः.

तर्कचन्द्रिका कृष्णभट्टीया.

(2783) आ. 24 प. असमग्रा.

(3195) ग्र. 63 प. ,,

पदवाक्यरत्नाकरः.

(C 674) दे. 80 प.

परमलघुमञ्जूषा नागेशकृता.

(C 990) दे. 38 प.

परिभाषार्थसंग्रहव्याख्या.

(C 1314) दे. 113 प. पायगुण्डवैद्यनाथीयपरिभाषार्थसंग्रहव्याख्येयम्. सप्ताध्यायाः.

परिभाषावृत्तिः.

(C 1273) दे. 78 प.

परिभाषेन्दुशेखरः नागेशकृतः.

(C 989) दे. 19 प.
(2738) आ. 96 प. नृसिंहशास्त्रिकृता त्रिशिखाख्या व्याख्या.
(2784) 68 प. परिभाषार्थमञ्जर्याख्या व्याख्या.
(C 950) दे. 170 प. शेषशास्त्रिकृता सर्वमङ्गळाख्या व्याख्या अत्र (1-58, 120-122 परिभाषास्सन्ति.)
(C 1312) दे. 192 प. ,, 40 परिभाषाः.
(C 951) दे. 7-73 प. ,,
(3027) आ. 169 प. ,,
(3198) ग्र. 26 प. ,,
(2819) ग्र. 102+151–227 प. ,, 1-30, 50-108 परिभाषाः.
(C 949) दे. 90 प. 33-62 पत्रलोपः 38 परिभाषाः.
(C 1266) दे. 25 प. बालशास्त्रीया सारासारविवेकाख्या व्याख्या.
(C 1249) दे. 135 प. क्रोडपत्रम्.

पाणिनीयनक्षत्रमाला उमामाहेश्वरदीक्षितकृता.

(C 964) दे. 101 प.

प्रक्रियाकौमुदीव्याख्या विश्वकर्मकृता.

(2145) ना. 90 प. पूर्वार्धम्.
(3009) ग्र. 114 प. स्त्रीप्रत्ययान्ता.

प्रयोगविवेकः वररुचिकृतः.

(1920) आ. 20 प.

प्रयोगशिक्षा अनन्तसूरिकृता.

(B 404) आ. 2 प.

बृहच्छब्देन्दुशेखरं नागेशकृतम्.

(C 1271) दे. 207 प. स्त्रीप्रत्ययान्तम्.

मञ्जरीमकरन्दम् (पदमञ्जरीव्याख्या) रङ्गनाथकृता.

(A 256) आ. 216 पु.

मञ्जूषा नागेशकृता.

(C 9ა7) आ. 172 प.

(2739) आ. 116 प. पायगुण्डवैद्यनाथकृता कलाख्यव्याख्या.
(A 257) दे. 138 प.

मध्यासिद्धान्तकौमुदी वरदराजीया.
(C 1118) दे. 53+38 प.
(C 1124) दे. 170 प.

महाभाष्यम् पतञ्जलिकृतम्.
(C 986) आ. 442 ष.
(C 886) दे. 560 प. 2-8 अध्यायाः.
(C 881) दे. 195 प. कैयटविरचिता प्रदीपाख्या व्याख्या 4-6 अध्या.
(C 895) दे. 57 प. ,, अष्टमः अध्यायः.

महाभाष्यप्रदीपोद्योतः.
(B 395) क. 255 प. नागेशभट्टकृतः तृतीयोऽध्यायः.
(B 529) क. 256 प. ,, 4-5 अध्यायौ.
(B 629) क. 254 प. ,, षष्ठोऽध्यायः.
(A 270) आ. 160 प. अन्नंभट्टकृतः 1-4 आह्निकानि.
(A 276) दे. 195 प. ,, पञ्चमाह्निकतः द्वितीये द्वितीय-पादसमाप्त्यन्तः.
(2037) आ. 113 प. ,, 3-9 आह्निकानि.

मुक्ताशुक्तिः क्रोडपत्रम्.
(C 1276) दे. 33 प.
(3245) ना. 34+46 प.

रूपावतारः धर्मकीर्तिकृतः.
(2587) ना. 21 प.
(1832) ग्र. 154-205 प. स्त्रीप्रत्ययसमाप्त्यन्तः.
(2587) ना. 230-291 प. नृसिंहविरचिता टीका (प्रक्रियाकल्पवल्लरी.)

रूपावलिः.
(2499) ना. 95 प.

लिङ्गनिर्णयः रामसूरिकृतः.
(1997) ग्र. 19 प.

लिङ्गनिर्णयचन्द्रिका अनन्तसूरिकृता.

(B 404) आ. 5 प.

लिङ्गनिर्णयभूषणम् विष्णुभट्टकृतम्.

(C 679) आ. 6 प.

व्याकरणं क्रोडपत्रम्.

(C 953) दे. 52 प.

(3105) ग्र. 20 प.

शब्दकौस्तुभः भट्टोजिदीक्षितकृतः.

(2313) ग्र. 63 प. प्रथमे प्रथमपादे. 3-5 आह्निकानि.

(C 813) दे. 332 प. पायकोण्डैवद्यनाथकृता प्रभाख्या व्याख्या प्रथमे प्रथमः पादः.

(A 339) आ. 337 प. गोपालकृष्णशास्त्रिकृतव्याख्या शाब्दिकचिन्तामणिः. प्रथमेऽध्याये 3 पादाः.

(A 376) आ. 203 प. ,,

(C 952) दे. 30-60 प. भावप्रदीपः आचार्यकृष्णमिश्रकृतः प्रथमे प्रथमे द्वितीयाह्निकम्.

शब्दरत्नम् भट्टोजिकृतम्.

(C 988) दे. 98 + 84 प.

(C 992) दे. 379 प. पायकुण्डवैद्यनाथकृता भावप्रकाशिकाख्या व्याख्या कारकान्ता.

शब्दानुशासनम् वृत्तिसहितं हेमचन्द्रविरचितम्.

(C 883) दे. 18 प. षष्ठे 3 पादाः.

(C 884) दे. 17 प. कारकान्तम्.

शब्दार्थतादात्म्यवादः.

(C 1163) दे. 5 प.

शब्देन्दुशेखरव्याख्या.

(2782) आ. 23-243 प. हयग्रीवाचार्यकृता चन्द्रिकाख्या कारकान्ता.

(C 1277) दे. 26+48 प. उदयङ्करविरचिता ज्योत्स्नाख्या व्याख्या.

(3245) ना. 36 प. उदयंकरकृता अव्ययान्ता.
(C 1052) आ. 263 प. भैरवमिश्रीया स्त्रीप्रत्ययान्ता.
(C 1250) दे. 176 प. क्रोडम्.

शाकटायनव्याकरणवृत्तिः अमोघा.
(A 380) क. 290 पु. तृतीयाध्यायतस्समग्रा.

शाब्दिकचिन्तामणिः गोपालकृष्णशास्त्रिकृतः.
(A 339) आ. 337 प. शब्दकौस्तुभव्याख्या.
(A 376) आ. 203 प. ,, प्रथमेऽध्याये 3 पादाः.

षड्वुदानन्दविवरणम् रुक्मसूरिः.
(C 1157) दे. 24 प.

समासचक्रव्याख्या नृसिंहविद्वान्.
(C 1167) आ. 17 प. असमग्रा.

सिद्धान्तकौमुदी भट्टोजिदीक्षितकृता.
(2304) ग्र. 60 प. कारकान्ता.
(1984) ग्र. 99 प. ज्ञानेन्द्रकृता. तत्त्वबोधिनी (सन्धिप्रकरणम्.)
(2116) आ. 48 प. नीलकण्ठवाजपेयिकृता वीरराजीया. उत्तरार्धम् तनाद्यन्तम्.
(2116) आ. 105—174 प. ,, कृदन्तम्. 12-24 पत्रलोपः.
(3092) क. 171-324 प. ,, णिजन्तप्रकरणतः तिङन्तं समग्रम्.
(2533) आ. 184 प. तिरुमलाध्वरिविरचिता सुमनोरमाख्या टीका द्वितीयाकारकान्ता.
(3252) ग्र. 266 प नृसिंहरचिता विलासाख्या पूर्वार्धम्.

XIV. प्राकृतव्याकरणम्.

प्राकृतमञ्जरी कात्यायनसूत्रवृत्तिः.
(1904) आ. 23+15 प. (प्राकृतशब्दानां छाया च.)

XV. ज्योतिश्शास्त्रम्.

अङ्गग्रहफलम्.
(B 575) क. 2 प.

अरिष्टनवनीतम् नवनीतनर्तनकविकृतम्.
(B 574) क. 59–66 प.
(B 574) क. 59 प. श्रीधरीया व्याख्या.

अष्टकवर्गः.
(B 576) क. 57-76 प.
(2831) आ. 41-59. प.
(3162) ग्र. 123–157 प.
(3172) ग्र. 30 प.
(B 680) ना. 16 प. अष्टकवर्गबिन्दुफलम्.

अष्टकवर्गसारः.
(2688) क. 75–90 प.

अष्टादशकूटाः.
(2952) ना. 110-131 प.

अष्टैश्वर्यफलम्.
(3162) ग्र. 74-79 प.

अहोबिलनाथीयम् वेङ्कटयज्वराचितम्.
(2559) आ. 9 प.

आर्यभटासिद्धान्तः
(C 859) क. 3 प.
(B 573) क. 113 प. विरूपाक्षसूरिकृताऽध्रभाषाटीका.

आर्याद्विशती वेङ्कटयज्वराचिता.
(2627) आ. 137-146 प. (तिथ्यानयनम्.)

उडुदशानिर्णयपद्धतिः रामशास्त्रिकृता.
(B 397) आ. 11 प.

उपरागचिन्तामणिः.
(B 586) क. 13-20 प.

करणप्रकाशिकाव्याख्या श्रीनिवासभट्टः
(2040) ना. 56 प. 8 अध्यायाः,

करणरत्नम्.
(B 576) क. 159-168 प.

कलानिधिः.
(B 576) क. 177-179 प.

कल्यादियुगानयनम्.
(2559) आ. 62-63 प.

काकस्वरफलम्.
(B 575) क. 1 प.

कारकनिर्णयः.
(2831) आ. 60-61 प.

कालचक्रम् मार्ताण्डभैरवीयम्.
(2831) आ. 71-75 प.
(3181) ग्र, 21+14 प.
(B 576) क. 179-182 प.
(B 575) क. 21 प. (दशाफलम्.)
(B 672) आ. 27 प.

कालज्ञानम् विद्यारण्यकृतम्.
(2224) ना. 33 प.

कालनिर्णयः.
(2890) ना. 32 प.

कालविधानपद्धतिः श्रीधराचार्यरचिता.
(2541) ना. 222 प.
(B 759) क. 215 प. असमग्रा.

कालामृतम् सव्याख्यम्.
(2172) आ. 80 प.
(2586) आ. 97 प.

कालामृतसारः.
(B 681) आ. 10 प.

कुट्टाकाराशिरोमणिः देवराजरचितः.
(B 596) ना. 10 प.
(B 597) क. 52 प. व्याख्या.

कृष्णीयव्याख्या चतुरसुन्दरी.
(3162) ग्र. 9-73 प.

केरळचन्द्रिका.
(2172) आ. 12 प. (2 अध्यायौ.)

केरळीयं जातकम्.
(2688) क. 68-70 प.

केरळीयव्याख्यानम्.
(2688) क. 71-74 प.

क्षणिकग्रहफलम्.
(3162) ग्र. 84-89 प.

खेटतन्त्रगणितम्.
(2588) आ. 93-102 प.

गणितसङ्ग्रहः.
(2588) आ. 56-59 प.

गणितसारसङ्ग्रहः महावीराचार्यकृतः.
(2324) क. 57 प. कर्णाटटीकायुतः त्रैराशिकनामकतुरीयव्यवहारान्तः.

गीर्णादिवाक्यगणितम्.
(C 1014) क. 12 प.

गुरुनाडी.
(B 356) क. 282 प.

गोपालरत्नाकरः.
(3186) ग्र. 39 प.

ग्रहगणितभास्करः तम्मयार्यकृतः.
(B 588) क. 88 प. कर्णाटटीकासहितः.

ग्रहचन्द्रिका.

(1883) आ. 20 प.

ग्रहलाघवः.

(2568) आ. 20-40 प.

(2263) आ. 166 प. मल्लारिकृता टीका.

ग्रहस्फुटपदकम्.

(C 855) दे. 90 प.

चतुर्विंशतिदशा.

(2688) क. 17-19 प.

चन्द्रगतिदिनफलम्.

(3162) ग्र. 103-117 प.

जातककलानिधिः.

(2084) आ. 164-208 प.

(3186) ग्र. 40-51 प.

(3254) ग्र. 65 प.

जातककलारत्नाकरः.

(3184) ग्र. 69 प.

जातकचन्द्रिका.

(2172) आ. 9 प.

(2831) आ. 76-82 प. वेङ्कटेशदीक्षितरचिता.

जातकदर्पणम्.

(2688) क. 20-25 प.

जातकपद्धतिः.

(2831) आ. 83-93 प. श्रीपतीया.

(B 773) आ. 20 प. शिवदासरचिता व्याख्या.

(B 631) ग्र. 179 पृ. सूर्यदेवरचिता व्याख्या.

(2125) ना. 42 प. ,, ,,

(2301) आ. 133-202 प. नारायणकृता केशवीयपद्धतिव्याख्या जातककौस्तुभाख्या.

(B 774) आ. 72 प. विश्वनाथीया केशवपद्धतिव्याख्या.

जातकपारिजातः वैद्यनाथकृतः.

(2267) ग्र. 168 प.

(B 576) क. 169-176 प. (भावफलम्.)

जातकयोगावळिः नृसिंहकृता.

(2053) आ. 142 प. शनिदशानिरूपणपर्यन्ता.

जातकरत्नाकरः.

(3020) ग्र. 58 प. 14 अध्यायाः.

जातकशिरोमणिः.

(B 576) क. 197-207 प. (भावफलम्.)

(B 694) ना. 12 प.

जातकसारावळिः कल्याणवर्मरचिता.

(2284) आ. 160 प.

(3022) ना. 141 प.

(3171) ग्र. 82 प.

जातकालङ्कारः भट्टोजिदीक्षितीयः

(3186) ग्र. 52-67 प.

जैमिनिसूत्रम् उपदेशसूत्रम्.

(2688) क. 16 प.

(2621) क. 32 प. 8 अध्यायाः.

(B 592) क. 46 प. आकुमाल्लनृसिंहरचिता टीका.

(B 593) क. 44+18 प. भारद्वाजनृसिंहरचिता टीका.

(B 594) क. 46 प. कृष्णानन्दरचिता टीका असमग्रा.

(B 595) क. 37 प. ,,

(2606) ग्र. 48 प. लक्ष्मणशास्त्रिकृता टीका. 2 अध्यायौ.

(3182) ग्र. 34 प. ,,

ज्योतिषदर्पणम्.
(3024) आ. 171 प.

ज्योतिषप्रकरणम्.
(B 737) क. 156 प.

ज्योतिषरत्नमाला श्रीपतिराचिता.
(2182) आ. 51 प. 20 प्रकरणानि.

ज्योतिषरत्नाकरः.
(2544) ना. 3-105 प. युद्धयात्राविधिपर्यन्तः.

ज्योतिषसंग्रहः.
(1839) ग्र. 25-214 प.
(B 613) दे. 25 प.
(B 614) क. 33 प.
(2726) आ. 120 प.
(3258) ग्र. 290. प.

ज्योतिषसंहितार्णवः कदम्बेश्वराह्वयास्थानमहाप्रसादिकृतः.
(2294) ग्र. 183 प.
(2433) आ. 104 प. 1-13 तरङ्गाः.

ज्ञानप्रकाशिका.
(2688) क. 129-131 प.

ज्ञानप्रदीपिका.
(2084) आ. 161-170 प.

तन्त्रप्रकाशः श्रीनाथाचार्यकृतः
(2559) आ. 51-59 प.
(B 607) क. 4 प. 3-8 अधिकाराः

तन्त्रलीलावती (कवीन्द्रकर्णाभरणम्) कामदेवकृता
(B 582) क. 10 प.

ताजकनीलकण्ठीयव्याख्या माधवराचिता.
(C 853) दे. 143 प. (संज्ञावर्षतन्त्रे)

तिथिचक्रम् (अभिनवम्) चतुरगणपतित्रिपुरारिकृतम्.
(2559) आ. 59-62 प.
(2649) आ. 45-49 प.

त्रिंशद्योगावळिः.
(2589) ना. 15-29 प.

दशाफलम् वृद्धपराशरीयम्.
(2688) क. 37-60 प.
(3020) ग्र. 59-120 प.
(2688) क. 17-111 प. विद्यारण्यविरचितम्.

दशाविभागपद्कम्.
(2561) ना. 101 प.

दशाविभागफलम्.
(2590) ना. 139-157 प.

दिवाकरपद्धतिव्याख्या तिम्मरायकृता.
(2336) ग्र. 33-76 प. (कर्णाटभाषा.)

दैवज्ञचूडामणिः.
(2544) ना. 106-114 प. 11 अध्यायाः.

दैवज्ञदर्पणम् बुच्चन्नवाजपेयिकृतम्.
(B 807) आ. 107 पृ.

दैवज्ञविलासः यल्लयार्यरचितः.
(2196) आ. 232 प. कालकर्मखण्डौ.
(2640) ना. 35 प. कालखण्डे संवत्सरादिनिरूपणम्.

नक्षत्रदशाफलम्.
(2830) आ. 33-40 प.

नक्षत्रमालिका महादशा.
(3162) ग्र. 90-102 प.

नरपतिविजयचर्या.

(2252) आ. 46-168 प.

(2631) ना. 20-65 प. अभिषेकविधिपर्यन्ता.

(2639) ना. 89-139 प. घुटिकाप्रयोगान्ता.

नवग्रहचिन्तामणिः (प्रश्नशास्त्रम्.)

(1923) क. 50 प.

(1883) आ. 6 प.

नारदीयसंहिताटीका.

(B 574) क. 15 प. (आन्ध्रभाषा) 3 अध्यायाः.

नित्यग्रहफलम्.

(2688) क. 61-67 प.

नित्यदशाफलम्.

(2952) ना. 91-106 प.

पञ्चदशाफलम्.

(B 576) क. 77-106 प.

पञ्चाङ्गम् (मैसूरुसिद्धान्तम्.)

(C 802–812) दे. क. (1797–1902 तमवत्सरपर्यन्तम्.)

पञ्चाङ्गकरणम्.

(B 586) क. 12 प.

पञ्चाङ्गशिरोमणिः वेल्लालतिम्मय्यकृतः.

(2559) आ. 184–187 प.

(2575) ना. 79 प. कर्णाटटीकायुतः.

पञ्चाङ्गसाधनम् (संवत्सरादिफलम्.)

(1883) आ. 23-64 प.

(2559) आ. 167-184 प.

(2634) ना. 64 प.

पराशरहोराव्याख्या प्रकटार्थः गोविन्दस्वामिरचितः.

(3166) ग्र. 117 प.

पवनविजयः महेश्वरप्रोक्तः.
(B 604) क. 28 प.

पाकपरिपाकः सञ्जयाचार्यकृतः.
(2831) आ. 94–100 प.

प्रतिभागिपदकम्.
(B 576) क. 31-37 प,
(B 605) क. 23 प.
(2588) आ. 60-92 प.

प्रश्नप्रकरणम् विघ्नराजकृतम्.
(B 655) दे. 29 प.

प्रश्नप्रभेदः.
(2831) आ. 29-60 प.

प्रश्नमार्गः.
(2926) मल. 103 प. 32 अध्यायाः.

फलदीपिका मन्त्रेश्वररचिता.
(3181) ग्र. 35 प.

बालबोधः.
(B 584) दे. 48 प. ऋतुफलनिरूपणान्तः.
(B 678) ना. 15 प. (ज्योतिर्गणितम्.)

बीजगणितम् भास्कराचार्यकृतम्.
(B 589) क. 47-66 प.
(B 590) क. 16 प.
(B 591) क. 22 प.
(B 598) क. 44 प. सव्याख्यम्.
(A 300) 114 प. कृष्णसूरिविरचिता बीजावतंसाख्यव्याख्या.
(2334) आ. 65 प. ,,

बीजफलसंस्कारः.
(2559) आ. 63-64 प.

बुधभूषणम् कामदेवरचितम्.
(B 578) क. 24 प.
(2559) आ. 27-41 प.

बृहज्जातकम् वराहमिहिरकृतम्.
(2559) आ. 118-153 प.
(2688) क. 132-146 प.
(2831) आ. 24 प.
(A 279) क. 198 प. सुबोधिनिनामिका टीका 27 अध्यायाः.
(2688) क. 149-168 प. महीधरकृतं विवरणम्. 24 अध्यायाः.

बृहत्संहिताटीकाव्याख्या उत्पलपरिमलाख्या कुमारयोगिकृता.
(2591) ग्र. 166 प. 47 अध्यायाः

ब्रह्मसिद्धान्तः.
(1934) ना 26-68 प. 5 अध्यायाः.
(2563) आ. 44 प. 6 अध्यायाः.

ब्रह्माद्यायुर्निर्णयः.
(1883) आ. 42-56 प.

भार्गवपञ्चाङ्गम्.
(B 659) क. 10 प.

भावकौमुदी वाधूलवेङ्कटाचार्यकृता.
(2289) ग्र. 48 प.
(3184) ग्र. 46 प.

भूगोळसंग्रहः.
(3148) ग्र. 22 प.

भूगोळाध्यायः (दैवज्ञाभरणम्.)
(2188) आ. 11 प.

मल्लिकार्जुनीयगणितम्.
(2588) आ. 44 प.

मुहूर्तदर्शनम् विद्यामाधवकृतम्.
(2897) ना. 39 प.
(B 619) क. 233 प. विष्णुविरचितटीकायुतम्. 11-15 अध्यायाः.
(2556) ना. 145 प. कर्णाटटीकायुतम्.
(2646) ना. 192 प. ,,
(2330) क. 31-77 प. ,, 5-15 अध्यायाः.

मेघमालामञ्जरी.
(B 620) ना. 20 प.

यवनहोरा (चन्द्राभरणहोरा) यवनाचार्यकृता.
(2124) ग्र. 105 प. 87 अध्यायाः.

रत्नदीपकम् गणपतिकृतम्.
(C 885) दे. 11 प.

रमुलुप्रश्नः सव्याख्यानः.
(1933) ना. 16 प.

रव्यादिपदकम्.
(2642) आ. 31 प.
(2643) आ. 23 प.

राजादियोगाः.
(2688) क. 26-32 प.

रामचन्द्रीयम् यल्लयार्यकृतम्.
(2559) आ. 187-193 प.

रामप्रश्नः.
(B 576) क. 190-192 प.

रोमशसिद्धान्तः.
(B 609) क. 32-58 प. 9 अध्यायाः.

लक्ष्मीनृसिंहीयगणितम् पापातिम्मय्यकृतम्.
(2568) आ. 11 प.
(2588) आ. 123-134 प.

लघुजातकम् वराहमिहिरः.

(2831) आ. 25-32 प.

लघुमानसम् मञ्जुलाचार्यकृतम्.

(B 581) क. 28 प.
(2559) आ. 88-94 प.
(B 580) क 107 प. यल्लयार्यकृता टीका.
(B 581) क. 10 प. प्रशस्तधरकृता टीका. 2 अधिकारौ.
(B 583) क. 30 प. ,, समग्रा.

लम्पाकः पद्मनाभकृतः.

(B 576) क. 4-20 प.
(2589) ना. 8-56 प. सव्याख्यः

लीलावती भास्कराचार्यकृता.

(2568) आ. 31 प.
(2608) ग्र. 24 प. सव्याख्या भिन्नपरिकर्माष्टकपर्यन्ता.
(B 587) क. 95 प. अळसिङ्गार्यकृता कर्णाटटीका. असमग्रा.
(B 645) क. 46 प. ,,

वर्षचर्याजातकम्.

(2688) क. 91—96 प.
(2952) ना. 69-90 प.
(3162) ग्र. 80-83 प.

वर्षतन्त्रम्.

(B 610) क. 66-73 प.

वर्षफणी सान्ध्रटीकः.

(2253) आ. 32 प.

वर्षयोगाध्यायः.

(B 617) क. 20 प.

वसन्तराजशकुनम्.

(2142) आ. 33-82 प. 8-18 वर्गाः.

वाक्यकरणम् वररुचिकृतम्.

(2057) आ. 117-140 प.

(B 605) क. 10 प.

(B 610) क. 73-81 प.

(B 606) क. 28 प. सुन्दरराजसोमदेवरचिता टीका.

वार्षिकतन्त्रम् विद्दणाचार्यकृतम्.

(2559) आ. 41-50 प.

वासिष्ठसिद्धान्तः.

(B 609) क. 26-31 प.

(2559) आ. 95-100 प.

विस्तृतगोळाध्यायः (सूर्यसिद्धान्तः.)

(2188) आ. 17 प.

वेङ्कटाद्रिनाथीयम नृसिंहसूनुकृतम्.

(2559) आ. 9-26 प.

शकुनमाला वादिराजीया.

(B 745) दे. 4 प.

शकुनावळिः.

(2722) ना. 3 प.

शिष्यधीतन्त्रम लल्लाचार्यकृतम्.

(B 607) क. 18 प.

(B 608) क. 93 प. टीका.

शीघ्रबोधः काशीनाथकृतः.

(B 585) दे. 42 प.

शुक्रनाडीग्रन्थः.

(2988) ग्र. 86-366 प. (अत्र -134-143 पत्रलोपः.)

श्रीतत्त्वनिधिः कृष्णराजसंगृहीतः.

(A 387) दे. 105 प.

श्रीनिवासप्रसन्नमालिका.

(C 872) आ. 8 प

श्लेषितफलशास्त्र.

(3236) ग्र. 144 प.

संज्ञानिघण्टुः.

(B 622) आ. 7 प.

संवत्सरादिजननफलम्.

(2084) आ. 101-106 प.

समरसारः.

(2952) ना. 4 प.

सर्वतोभद्रचक्रम.

(2084) ना. 107-140 प.

सर्वार्थचिन्तामणिः वेङ्कटेशकृतः.

(2186) आ. 175 प. 23 अध्यायाः.

सामुद्रिकलक्षणम.

(B 638) आ. 8 प.

(3162) ग्र. 196-201 प.

सिद्धान्तशिरोमणिः भास्कराचार्यकृतः.

(2057) आ. 95 प. गणितगोळाध्यायौ.

(2087) आ. 184 प. ,, वासनाभाष्ययुतौ.

(C 854) दे. 120 + 40 प. ,, ,, गोळाध्यायस्त्रिप्रश्नाधिकारतस्समग्रः.

(C 856) दे. 29 प. गणिताध्यायः ग्रहयोगाधिकारान्तः.

(B 565 – 567) क. 385 + 329 + 373 प. विश्वरूपाचार्यरचिता मरीच्याख्या व्याख्या.

सूर्यपक्षशरणम.

(2057) आ. 95-117 प.

सूर्यसिद्धान्तः.

(B 579) क. 45 प.

(2559) आ. 63-88 प.
(2590) ना. 89-138 प.
(1883) आ. 21-41 प.
(1934) ना. 25 प.
(2211) ग्र. 124 प. मल्लिकार्जुनरचिता टीका.
(B 643) ना. 116 प. ,, 12 अध्यायाः.
(2188) आ. 141 प. यल्लयार्यरचिता टीका कल्पवल्ली.
(2594) ग्र. 91 प. ,,
(3240) ना. 184 प. तम्मयार्यरचिता कामदोग्ध्री.
(B 572) क. 109 प. चोळविपश्चित्कृता व्याख्या 12 अध्यायाः.
(2565) ना. 52-139 प. ,, 4-14 अध्यायाः.
(2598) ग्र. 82 प. ,, 13 अध्यायाः.
(2084) आ. 95 प. ,, यन्त्राध्यायसमाप्त्यन्ता.
(2803) आ. 328 प. व्याख्या सुबोधिनी रामकृष्णाराध्यकृता. 13 अ.
(C 857) क. 29 प. ,, मध्याधिकारे 58 श्लोकाः.
(2590) क. 88 प. कर्णाटभाषाटीका. 1-6 अध्यायाः

सोमसिद्धान्तः.
(B 609) क. 25 प.
(2559) आ. 100-117 प.

स्वप्नाध्यायः शौनकीयः.
(1974) ना. 3 प.

स्वरशास्त्र भावफलम्.
(3186) ग्र. 36 प.

होरासारः.
(2688) क. 111-127 प. 18-32 अध्यायाः.

XVI. वैद्यशास्त्रम्.

अभिधानरत्नमाला (षड्रसनिघण्टुः.)
(2500) ना. 86 प.

अष्टाङ्गहृदयम् वाग्भटविरचितम्.

(1843) आ. 260 प. सूत्रस्थानतः शारीरे तृतीयाध्यायसमाप्तयन्तम्.
आन्ध्रप्रतिपदयुतम्.

आनन्दकन्दम् भैरवप्रोक्तम्.

(2483) आ. 156 + 162–193 प. अमृतीकरणविश्रान्तौ 25 उल्लासाः,
क्रियाकरणविश्रान्तौ 9 उल्लासाश्च.

कपिञ्जलतन्त्रम्.

(B 803) आ. 8 प.

कल्याणकारकम् उग्रादित्याचार्यकृतम्.

(A 273) दे. 158 प.

(2495) क. 99 प चिन्तामण्याख्यकर्णाटटीकायुतम् (450 श्लोकाः)

कालज्ञानम्.

(C 880) दे. 16 प. भाषाटीकायुतम्.

धन्वन्तरिनिघण्टुः.

(2480) ग्र. 78 प. आम्लादिवर्गपर्यन्तः.

नाडिलक्षणम्.

(B 615) क. 11 प.

(B 804) आ. 16 प.

योगचिन्तामणिः हर्षकीर्तिकृतः.

(C 877) दे. 138 प. प्रथमभागः.

(C 876) दे. 31-178 प. द्वितीयभागः.

योगरत्नावळी नागार्जुनसिद्धविरचिता.

(C 1073) दे. 48 प. श्वेताम्बरविरचितविवृतियुता.

रसहृदयं गोविन्दभगवत्कृतम्.

(3005) ना. 38+21 प.

वैद्यचिन्तामणिः.

(2054) क. 216 प. कर्णाटटीकायुतः.

वैद्यजीवनम् लोलम्बराजीयम्.

(A 301) दे. 11 प.

(B 649) आ. 21 प.

(B 6̇0) आ. 45 प. रुद्रभट्टरचितटीकायुतम् 4 उल्लासाः.

(C 1120) दे. 32 प. ,,

वैद्यसङ्ग्रहः.

(1831) क. 100 प.

(2492) ग्र. 202 प.

(2296) आ. 146 प. आन्ध्रभाषाटीकायुतः.

(2664) आ. ८3 प. (कर्णाटटीकायुतः.)

(3238) ग्र. 150 प.

वैद्यसारसङ्ग्रहः नृसिंहसूरिकृतः.

(2781) क. 4+234+1 प.

(1980) क. ना. ‍०15 प. कर्णाटटीकायुतः.

(2588) आ. 30 प. (निदानाधिकारः.)

शतश्लोकी.

(2714) क. 64 प. कर्णाटटीकायुता.

सिद्धनागार्जुनीयं वैद्यम्.

(2651) ग्र. 51 प.

सौभाग्यशुण्ठ्यादिचूर्णविधिः.

(2714) क. 65-177 प.

XVII. न्यायशास्त्रम्.

अन्वयव्याभिचारपरिष्कारः पट्टाभिरामीयः.

(3033) ग्र. 11 प.

आख्यातवादव्याख्या रघुदेवीया.

(3138) आ. 25 प.

आत्मतत्त्वप्रबोधः राघवपञ्चाननकृतः.

(A 384) आ. 55 प.

आत्मतत्त्वविवेकव्याख्या सन्मिश्रशंकरकृता.
(B 809) आ. 175 प.

काणादसंग्रहः.
(2234) आ. 22 प.

कारकवादः जयरामीय .
(2101) आ. 28 प.
(2418) आ. 54 प.

गङ्गारामजटीयम्.
(2415) आ. 25 प. दिनकरीयक्रोडम्.
(2923) ग्र. 55 प. ,,

तत्त्वचिन्तामणिः गङ्गेशोपाध्यायकृतः.
(2067) ग्र. 41 प. प्रथमः खण्डः निर्विकल्पकवादान्तः.

तत्त्वचिन्तामणिप्रकाशः रुचिदत्तीयः.
(3239) ना. 132 + 126 प. प्रत्यक्षानुमानखण्डौ.
(2216) आ. 123 प. अनुमानमसमग्रम्.
(2217) आ. 28+87 प. व्याख्या रामकृष्णदीक्षितीया न्यायशिखामणि. प्रथमः खण्डः असमग्रः.
(1882) ग्र. 85 प. ,, ,, उत्पत्तिप्रामाण्यम्.
(2941) ग्र. 64 प. ,, धर्मराजाध्वरिरचिततर्कचूडामणिः अनुमानमसमग्रम्.
(2987) आ. 78 प. ,, यज्ञपार्यरचितः न्यायपारिजातः शब्दः वर्णानित्यतावादान्तः.

तत्त्वचिन्तामणिरहस्यं मथुरानाथीयम्.
(C 681) आ. 74 प. अनुमानमसमग्रम्.

तत्त्वचिन्तामण्यालोकः जयदेवीयः.
(1832) ग्र. 65-153 प. प्रथमः खण्डः.
(C 912) दे. 135 प. ,,
(2240) आ. 119 प. मथुरानाथीयमालोकरहस्यं शब्दस्तात्पर्यनिरूपणान्तः.
(C 1143) आ. 199 प ,, शब्दः विधिवादान्तः.

(2234) आ. 36 प. अन्नंभट्टीयमालोकसिद्धाञ्जनम्. प्रामाण्यवादे प्रथमा विप्रतिपत्तिः.

(C 911) दे. 157 प. महेशठाकुरकृतमालोकदर्पणम् प्रथमखण्डः अन्यथाख्यातिवादान्तः.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्या जगदीशीया.

(C 746) आ. 54 प. अनुमितिग्रन्थः.
(C 678) आ. 33 प. ,,
(C 682) आ. 34 प. अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः.
(C 680) आ. 32 प. चतुर्दशलक्षणी.
(C 1206) आ. 8 प. ,, क्रोडपत्रम्.
(C 1207) आ. 8 प. ,, ,,
(C 1203) आ. 9 प. पञ्चलक्षणीक्रोडम्.
(C 682) आ. 34 प. सिद्धान्तलक्षणम्.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्या गदाधरीया.

(C 841) आ. 29 प. अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः.
(2934) ग्र. 130 प. ,,
(C 982) दे. 31 प. अवयववादः.
(3146) ग्र. 104 प. ,, व्याख्या कृष्णभट्टीया.
(3152) ग्र. 91 प. ,, क्रोडपत्रम्.
(C 1263) आ. 16 प. ,, शङ्करभट्टीयक्रोडम्.
(C 1262) आ. 9 प. ,, कालीशंकरीयम्.
(C 1179) ग्र. 22 प. ,, चन्द्रनारायणीयम्.
(2417) आ. 52 प. ,, ,,
(C 1219) आ. 10 प. ,, त्र्यम्बकीयम्.
(C 1261) आ. 3 प. ,, बङ्गालपत्रम्.
(C 1220) आ. 7 प. ,, विठ्ठलभट्टीयम्.
(C 683) आ. 14 प. ,, ,,
(2428) आ. 12 प. ,, ,,
(C 1221) आ. 21 प. ,, क्रोडम्.

(C 1222) आ. 4 प. अवयववादक्रोडम्.

(C 1223) आ. 4 प. ,,

(C 1224) दे. 8 प. ,,

(C 1264) आ. 6 प. ,,

(C 686) आ. 31 प. उपाधिवादः.

(2401) आ. 96 प. चतुर्दशलक्षणी.

(C 979) दे. 97 प. ,,

(2910) प्र. 21 प. ,, क्रोडपत्रम्.

(C 1208) आ. 35 प. ,, ,,

(C 1209) आ. 22 प. ,, पट्टाभिरामीयम्.

(C 1210) आ. 19 प. ,, जगन्नाथीयम्.

(C 1211) आ. 14 प. ,, क्रोडम्.

(C 1212) आ. 4 प ,, ,,

(C 1213) प्र. 3 प. ,, ,,

(C 1258) आ. 31 प. ,, ,,

(C 1259) आ. 4 प. ,, ,,

(2405) आ. 7+43—158 प. दशाविशेषग्रन्थाद्युत्तरवादाः.

(C 933) आ. 61 प. पक्षतावादः.

(C 981) दे. 51 प. ,,

(2429) आ. 6 प. ,, शंकरभट्टीयं क्रोडम्.

(C 1214) आ. 19 प. ,, क्रोडम्.

(C 1215) आ. 10 प. ,, ,,

(C 1216) आ. 8 प. ,, ,,

(C 1217) प्र. 11 प. ,, ,,

(C 1218) आ 2 प. ,, ,,

(C 1260) आ. 6 प. ,, ,,

(3066) प्र. 29 प. ,, ,,

(C 1282) प्र. 16 प. ,, ,,

(C 978) दे. 28 प. पञ्चलक्षणी.

(C 758) आ. 17 प. ,, व्याख्या जगन्नाथीया.

(C 753) आ. 23 प. पञ्चलक्षणी व्याख्या नृसिंहमूर्तीया.

(3086) प्र. 9 प ,, ,, अश्वत्थनारायणीया

(3060) आ. 11+9 प. ,, ,, पट्टाभिरामीया.

(C 1204) आ. 9 प. ,, क्रोडम्.

(C 1205) दे. 10 प. ,, ,,

(C 1257) आ. 3 प. ,, ,,

(C 675) आ. 64 प. प्रामाण्यवादः.

(C 924) आ. 32 प. ,, कृष्णभट्टीया व्याख्या प्रथमा विप्रतिपत्तिः.

(C 1185) आ. 24 प. ,, क्रोडम्.

(C 1184) आ. 17 प. बाधग्रन्थटीका कृष्णभट्टीया.

(C 1182) प्र. 6 प. ,, शंकरभट्टीयं क्रोडम्.

(2427) आ. 18 प. ,, ,,

(C 1248) आ. 11 प. ,, विजयराघवीयं क्रोडम्.

(C 676) आ. 15 प. सत्प्रतिपक्षवादः.

(C 1181) प्र. 20 प. ,, टीका कृष्णभट्टीया.

(2424) आ. 24+15+20 प. ,, क्रोडम् शांकरम्.

(C 1237) आ. 15 प. , ,,

(C 1238) आ. 17 प. ,, ,,

(C 1239) आ. 13 प. ,, ,,

(C 1240) आ. 19 प. ,, ,,

(C 1241) आ. 17 प. ,, रामशास्त्रीयम्.

(C 1242) दे. 16 प. ,,

(C 1245) आ. 24 प. ,, चन्द्रनारायणीयम्.

(C 1246) दे. 23 प. ,,

(C 1247) आ. 12 प. ,, कस्तूरिरङ्गाचार्यकृतम्.

(3063) प्र. 34 प. ,, विजयराघवीयम्.

(2420) आ. 44 प. ,, अनन्ताचार्यकृतं शतकोटिखण्डनम्.

(3033) प्र. 25 प. ,, गोपालतातार्यकृतं ,,

(3145) प्र. 14 प. ,, विजयराघवीयं शतकोटिमण्डनम्.

(C 1243) प्र. 25 प. ,, नृसिंहशास्त्रीयम्. ,,

(C 1244) ग्र. 45 प. शतकोटिमण्डनम्.
(C 1180) ग्र. 17 + 10 प. सव्यभिचारक्रोडम्. शङ्करभट्टीयम्.
(C 1235) आ. 32 प. ,,
(2419) आ. 58 प. ,,
(C 1236) आ. 3 प. साधारणग्रन्थक्रोडम्.
(C 983) दे. 31 प. सामान्यनिरुक्तिः.
(C 677) आ. 65 प. ,, कृष्णभट्टीयव्याख्या.
(C 714) आ. 55 प. ,, क्रोडं चन्द्रनारायणीयम्.
(C 985) ग्र. 24 प. ,, ,, शंकरभट्टीयम्
(2403) आ. 17 प. ,, ,, ,,
(2414) आ. 27 प. ,, ,, ,,
(2408) आ. 1 + 10 + 11 + 9 + 3 + 4 प. ,,
(C 697) दे. 16 प. ,, विवेचनी बाङ्गाळपत्रम्.
(C 984) ग्र. 39 प. ,, ,, ,,
(C 1225) आ. 36 प. ,, श्रीकृष्णतातार्यकृतम्.
(C 1178) ग्र. 6 प. ,, वादकल्पकः. ,,
(C 1172) ग्र. 54 प. ,, अनुगमभट्टाचार्यकृतम्.
(3142) ग्र. 34 प. ,, जंझामारुतः वेङ्कटाचार्यकृतः.
(3139) ग्र. 67 प. ,, नक्षत्रमालिका कुरुचिरङ्गाचार्यकृता.
(C 1227) आ. 69 प. ,, ,,
(3140) ग्र. 27 प. ,, पुरुषोत्तमशास्त्रीयम्.
(3056) ग्र. 12 + 20 प. ,, त्रयम्बकशास्त्रीयम्.
(C 1176) ग्र. 12 प. ,, रामशास्त्रीयम् प्रथमपत्रम्.
(2426) आ. 14 प. ,, एकमालापत्रम्.
(1226) ग्र. 74 प. ,, विजयराघवीयम्.
(C 1173) ग्र. 21 प. ,, असम्भवपत्रम्.
(C 1174) ग्र. 11 प. ,, एकविशिष्टाघटितपत्रम्.
(C 1175) ग्र. 22 प. ,, अनुगतपत्रम्.
(C 1177) ग्र. 14 प. ,, नञपत्रम्.
(C 1228) आ. 5 प. ,, कस्तूरिरङ्गाचार्यकृतम्.

(C 1233) आ. 11 प. सामान्यनिरुक्तिक्रोडम्. सीतारामीयम्.
(3053) प्र. 87 प. ,,
(3145) आ. 22 प. ,,
(3165) प्र. 97 प. ,,
(C 1229) प्र. 81 प. ,,
(C 1230) आ. 90 प. ,,
(C 1231) दे. 26 प. ,,
(C 1232) आ 22 प. ,,
(C 1234) दे. 15 प. ,,
(C 1265) दे. 6 प. ,,
(C 980) दे. 41 प. सिद्धान्तलक्षणम्.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्यानभवानन्दीयव्याख्यामहादेवरचिता

(3095) आ. 74 प. अनुमाने सहचारग्रन्थतः सामान्यलक्षणाविचारान्ता.

तर्ककौमुदी लोगाक्षिभास्करीया.

(1856) प्र. 26 प.

तर्कभाषा केशवमिश्रीया.

(1940) नं. 35 प.
(1851) प्र. 97 प. अखण्डानन्दीया व्याख्या.
(1974) ना. 16-65 प. चन्नुभट्टीया व्याख्या. असमग्रा.
(2821) आ. 109 प. गणेशपाण्डितीयतर्कभाषातत्त्वप्रबोधिनीव्याख्या अखण्डानन्दीया.
(C 1094) दे. 55 प. गोपीनाथीयतर्कभाषाप्रकाशस्य व्याख्या. (अस)

तर्कसंग्रहः अन्नंभट्टरचितः.

(C 715) दे. 22 प. वाक्यवृत्तिव्याख्यायुतः.
(B 391–393) आ. 511 प. नृसिंहरचिता तर्कसंग्रहदीपिकाव्याख्या प्रकाशिका.
(2908) प्र. 34 प. ,, ,, अस.
(3141) प्र. 27 प. रामरुद्रीया दीपिकाव्याख्या. ,,
(C 1270) दे. 10 प. हनुमदीया ,, शब्दखण्डः.

तर्कसारः.
(2838) ग्र. 40 प.

तर्कामृतं जगदीशरचितम्.
(C 776) दे. 14 प.
(C 775) दे. 29 प. मुकुन्दभट्टीया तर्कामृततरङ्गिणी.

द्रव्यनाश्यनाशकभावविचारः.
(C 756) दे. 4 प.

द्वात्रिंशच्छ्लोकी सव्याख्या.
(3141) ग्र. 21 प. (अस.)

धर्मितावच्छेदकप्रत्यासत्तिविचारः हरिरामतर्कवागीशीयः.
(2202) आ. 26 प.
(2586) आ. 22 प.

नवीनमतम् हरिरामतर्कवागीशीयम्.
(2416) आ. 21 प.

न्यायकुसुमाञ्जलिः उदयनार्यकृतः.
(1860) आ. 77 प.
(1860) आ. 91 प. वर्धमानोपाध्यायकृतः प्रकाशः 3 स्तबकाः.

न्यायकौस्तुभः महादेवपण्डितकृतः.
(C 1150) दे. 160 प. शब्दखण्डः.

न्यायसारः.
(3265) ना. 9 प.

न्यायसिद्धान्तदीपव्याख्या अखण्डानन्दयतीया.
(2825) आ. 122 प.

न्यायसिद्धान्तमञ्जरीव्याख्या आमोदः
(3076) आ. 80 प. (अस.)

न्यायसूत्रवृत्तिः विश्वनाथीया.
(C 1141) दे. 73 प.

पदार्थदीपिका कौण्डभट्टीया.
(2625) ग्र. 13-30 प. (असम.)

पदार्थमाला जयरामीया.
(C 757) आ. 12 प.
(C 1053) दे. 196 प. लोगाक्षिभास्करीया प्रकाशाख्या व्याख्या.

परामर्शवादः
(C 685) आ. 39 प. गदाधरीयः.
(C 790) आ. 10 प. रघुदेवीयः.

प्रमाणमञ्जरी सर्वदेवसूरीया.
(C 763) दे. 16 प.

प्रागभाववादः रघुदेवीयः.
(C 1290) दे. 12 प.
(C 1162) दे. 8 प.

बाधबुद्धिवादः अनन्ताचार्यकृतः.
(B 385) ग्र, 41 प.
(C 671) दे. 34 प.
(C 1186) आ. 23 प.

मणिसारः गोपीनाथीयः.
(2067) ग्र. 112 प. प्रथमः खण्डः.

राजपुरुषवादः.
(C 1194) दे. 7 प.
(3069) ग्र. 5 प.

लकारवादः शठकोपार्यकृतः.
(3046) ग्र. 26 प.

वादकौस्तुभः गोविन्दराजीयः.
(2095) आ. 118 प. शब्दस्वातन्त्र्यवादपर्यन्तः.
(A 364) आ. 105 प. ,,

विशिष्टवैशिष्ट्यबोधवादः रघुदेवीयः.
(C 777) दे. 19 प.
(C 1291) दे. 10 प.

विशिष्टाभावविचारः कुरुधिरङ्गाचार्यकृतः.
(C 1191) आ. 7 प.
(C 1192) आ. 10 प. एतत्खण्डनम्.
(C 1193) आ 40 प. मण्डनम्.

विषयतावादः गदाधरीयः.
(C 754) आ. 28 प.
(C 1251) आ. 12 प.

वैशेषिकसूत्रवृत्तिः (उपस्कारः) शंकरकृता.
(C 1140) दे 318 प. (अत्र 76-107 पत्रलोपः.)

व्युत्पत्तिवादक्रोडम्.
(C 1187) आ. 6 प. पौषपदविचारः.
(C 1194) दे. 7 प. राजपुरुषवादः.
(3069) ग्र. 5 प. ,,

शक्तिवादः गदाधरीयः.
(C 684) आ. 28 प.
(2407) आ. 74 प.

शब्दार्थसारमञ्जरी भवानन्दीया.
(2840) ग्र. 26 प.

संशयानुमितिविचारः रत्नकोशकारकृतः.
(C 765) दे. 36 प.

सप्तपदार्थी शेषानन्तपण्डितीया.
(3050) आ. 44 प.

सादृश्यविचारः महादेवीयः.
(C 792) आ. 8 प.

सामग्रीविचारः रघुदेवीयः.
(C 760) दे. 14 प.
(C 708) आ. 11 प.

सिद्धान्तमुक्तावळीप्रकाशः दिनकरीयः.

(1962) अ. 142 प.

सिद्धान्तमुक्तावळीमञ्जूषा पट्टाभिरामीया.

(3054) ग्र. 70+18 प. (अस.)

XVIII. साङ्ख्यम्.

कापिलसूत्रव्याख्या.

(C 1152) दे. 6 प.

साङ्ख्यसप्ततिव्याख्या भारतीयतीया.

(C 1151) दे. 25 प.

XIX. योगशास्त्रम्.

गोरक्षप्रबोधः.

(B 820) क. 14 प.

गोरक्षशतकम्.

(C 819) दे. 9 प.

चिन्तातिमिरभास्करः हंसानन्दयोगिविरचितः.

(C 817) दे. 9 प.

नाडीचक्रस्वरूपम् (सुप्रभे योगपादे.)

(2466) ग्र. 6 प.

पातञ्जलयोगसूत्रभाष्यटीका वाचस्पतिमिश्रविरचिता.

(C 690) ना. 81–106 प. 3-4 पादौ.

(2736) आ. 124 प. समग्रा.

पातञ्जलयोगसूत्रवृत्तिः.

(C 695) दे. 160 प. नारायणीया.

(C 712) आ. 32 प. रामानन्दीया मणिप्रभा.

योगतारावळी.

(2518) ग्र. 3 प. शंकराचार्यरचिता.

(B 378) दे. 82 प. रामस्वामिपण्डितकृता.

योगदीपिका.

(B 821) क. 3 प.

योगबीजम्.

(B 814) क. 3+12 प.

योगयाज्ञवल्क्यम्.

(B 522) दे. 38 प.

(B 741) आ. 60 प.

योगसारः.

(2572) ना. 55-60 प.

योगसारसमुच्चयः (अकुलागमीयः.)

(B 662) ना. 68 प. 8 पटलाः.

योगार्णवः.

(B 676) ना. 3-28 प. असमग्रः.

राजयोगभाष्यम् शंकराचार्यविरचितम्.

(2347) ग्र. 13 प.

(2518) ग्र. 18 प.

(C 820) दे. 36 प.

राजयोगसारः (स्कान्दपुराणम्.)

(B 523) दे. 10 प.

(C 998) क. 11 प.

शिवयोगप्रदीपिकासारः सदाशिवयोगकृतः.

(C 821) दे. 6 प.

शिवस्वरोदयः.

(C 822) दे. 6 प.

षट्स्थलनिर्णयः शिवसिद्धान्ततन्त्रगतः.

(C 823) दे. 18 प.

समाधिसरणिः भागवतकृष्णशर्मविरचिता.

(B 628) क. 15 प.

सिद्धान्तशेखरः विश्वनाथयोगिविरचितः.
(C 816) दे. 22 प.

हठप्रदीपिका सहजानन्दरचिता.
(B 767) क. 51-101 प.

हठयोगप्रदीपिका स्वात्मारामकृता.
(C 818) दे. 13 प.
(C 845) ना. 18 प.

XX. पूर्वमीमांसा.

अर्थसङ्ग्रहः लोगाक्षिभास्करविरचितः.
(C 842) आ. 14 प.

उपक्रमपराक्रमः अप्पयदीक्षितविरचितः.
(C 744) आ. 41 प.
(2873) आ. 43 प.
(C 1154) दे. 66 प.

उपसंहारविजयः विजयीन्द्ररचितः.
(3057) ना. 61 प.

जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः माधवाचार्यविरचितः.
(1931) आ. 47 प. तृतीयाध्यायः.

जैमिनीयाधिकरणसङ्ग्रहः.
(C 828) दे. 14 प.

तन्त्ररत्नम् पार्थसारथिमिश्रकृतम्.
(1907) आ. 196 प. चतुर्थाध्याये तृतीयपादतष्षष्ठे षष्ठपादसमाप्तयन्तम्.
(A 273) आ.

तन्त्ररहस्यशिक्षा रामानुजाचार्यकृता.
(2177) ग्र. 150 प. 6 परिच्छेदाः.

तन्त्रवार्तिकम् कुमारिलविरचितम्.
(1999) ग्र. 83 प. प्रथमे द्वितीयपादतस्तृतीयपादे पञ्चमाधिकरणान्तम्.

(3015) आ. 153 प. ,, प्रथमे 2-द्वितीये प्रथमपादान्तम्.
(3272) ग्र. 100 प. ,, आदितः द्वितीये तृतीयपादान्तम्.
(A 369) क. 252 प. परितोषमिश्ररचिता तन्त्रवार्तिकटीका (तन्त्रटीकानिबन्धः) अजितः 1मे 2–3 ये 3यपादसमाप्तिः.

तन्त्रविलासः लक्ष्मणाचार्यकृतः.
(3047) आ. 43 प. अस.

तन्त्रशिखामणिः चूडामणिदीक्षितकृतः
(2120) आ. 35 प. षष्ठेऽध्याये 5-8 पादाः

देवताविचारः अनन्तदेवः.
(C 1197) दे. 19 प.

नयविवेकः भवनाथमिश्रः.
(2871) आ. 45 प. प्रथमे 2-4 पादाः.
(2766) ग्र. 72 प. आदितः तृतीये सप्तमपादपर्यन्तः.

नयविवेकदीपिका वरदराजीया.
(2766) ग्र. 56 प. प्रथमोऽध्यायः.
(2677) ना. 29-100 प. षष्ठोऽध्यायः.
(2392) आ. 236 प. द्वितीयोऽध्यायः.

नयविवेकालङ्कारः दामोदरसूरिकृतः.
(2677) ना. 26 प. चतुर्थे 3–5 माध्यायसमाप्तिः.

न्यायरत्नमालाव्याख्या रामानुजाचार्यः (नायकरत्नम्.)
(2931) ग्र. 149 प.
(3268) ग्र. 92 प. असम.

पिष्टपशुमीमांसा पायगुण्डवैद्यनाथीया.
(C 897) ना. 190 प. (गुर्वी.)
(C 898) ना. 57 प. (लघ्वी.)

पूर्वमीमांसासिद्धान्तसङ्ग्रहकारिका शंकरभट्टीया.
(B 739) आ. 54 प.

प्रकरणपञ्चिका शालिकनाथविरचिता.

(2177) ग्र. 195-313 प.

भाट्टदीपिका खण्डदेवविरचिता.

(1891) आ. 41 प. तृतीयाध्याये 5–8 पादाः.

(1890) आ. 71 प. नवमोऽध्यायः.

(2118) आ. 40 प. ,,

(1891) आ. 33-86 प. दशमोऽध्यायः.

(C 1149) दे. 112 प. भाट्टदीपिकाव्याख्या शम्भुभट्टविरचिता प्रभावळी. तृतीये 4-8 पादाः.

(C 1202) आ. 24 प. वाञ्छेश्वरविरचिता भाट्टचिन्तमणिः तृतीये 1-3 पादाः.

(C 1201) ग्र. 101 प. भास्कररायकृता चान्द्रिका 1-2 ये 2य पादान्ता.

(3104) ग्र. 73-84 प. ,, ,, प्रथमाध्यायान्तिमभागः.

भाट्टरहस्यम् खण्डदेवः.

(2950) आ. 106 प.

(C 1155) दे. 27-92 प. प्रथमः परिच्छेदः.

भाट्टसंग्रहः राघवेन्द्रयतिकृतः.

(2180) आ. 221 प. 1-4 अध्यायाः.

(2214) ना. 32-193 प. 5-8 अध्यायाः.

भाट्टसारः श्रीकृष्णतातार्यकृतः.

(C 1171) ग्र. 103 प. आदितः दशमे 1-2 पादौ.

मीमांसाकुतूहलवृत्तिः वासुदेवदीक्षितीया.

(3025) ग्र. 170 प. 4-5 अध्यायौ.

मीमांसाकौस्तुभः खण्डदेवकृतः भाट्टकौस्तुभः.

(2119) आ. 67 प. प्रथमेऽध्याये 2-3 पादौ.

(2120) आ. 36-101 प. प्रथमेऽध्याये 2यःपादः 3ये 3यश्चासमग्रः.

(2332) ग्र. 83 प. प्रथमे चतुर्थः पादः.

(A 296) आ. 102 प. ,,

(2331) ग्र. 127 प. ,, 1मे 2पादे 3 अधिकरणानि. 2 ये 1मश्चासमग्रःद्वितीये द्वितीयपादे इन्द्रियकामाधिकरणपर्यन्तश्च.

(C 1147) दे. 404 प. ,, प्रथमे 3यः, 2यः अ॥ 3ये 2यश्च पादः.

मीमांसान्यायप्रकाशः आपदेवीयः.

(C 1005) आ. 55 प.

(C 713) आ. 21 प.

(1870) आ. 50 प.

वाक्यार्थपद्धतिः.

(2177) ग्रु. 151-160 प.

वाक्यार्थरत्नप्रकाशिका सुवर्णमुद्रिका) अहोबलार्यरचिता.

(B 376) क. 84 प.

(B 377) आ. 43 प.

(2177) ग्र. 160-194 प.

विधिरसायनम् अप्पयदीक्षितरचितम्.

(2832) ग्र. 123 प.

(2948) ग्र. 174 प.

विधिरसायनदूषणं शंकरभट्टीयम्.

(C 1267) दे. 57 प

शास्त्रतत्त्वं कमलाकरभट्टीयम्.

(A 383) आ. 103 प.

शास्त्रदीपिका पार्थसारथिमिश्ररचिता.

(2911) ग्र. 209 प.

(3031) ग्र. 166 प. षडध्यायाः.

(2178) आ. 238 प. चूडामणिदीक्षितीया व्याख्या कर्पूरवार्तिकाख्या द्वितीये तृतीयपादे प्राग्दर्शनाधिकरणतः चतुर्थे प्रथमपादसमाप्तयन्ता.

(3037) आ. 197 प. ,, 2 अध्यायौ.

(3049) आ. 78 प. ,, द्वितीयः अध्यायः.

(2213) आ. 156 प. ,, चतुर्थे द्वितीयपादत. सप्तमे प्रथमपादसमाप्तयन्ता.

(3267) ग्र. 25 171 प. ,, 4-5 अध्यायौ.

(C 736) आ. 161+117+51+30 प. सोमनाथीया मयूखमालिका. 1-5 अध्यायाः.

(2346) ग्र. 203 प. ,, तृतीयेऽध्याये 1-5 पादाः.

(2569) ग्र. 115 प. ,, 7-9 अध्यायाः.

(2865) आ. 291 प. ,, 1-6 अध्यायाः.

(2935) ग्र. 110 प. ,, प्रथमे 2-2 ये प्रथमपादान्ता.

(2676) आ. 213 प. ,, 7-12 अध्यायाः.

(C 8 5) दे. 669 प. शङ्करभट्टीयव्याख्या 3,5 अध्यायौ.

(C 1295) दे. 69 प. ,, तृतीये चतुर्थः पादाः.

(C 1294) दे. 54 प. कमलाकरभट्टीया व्याख्या तृतीये 4-6 पादाः.

संकर्षणकाण्डभाट्टदीपिका खण्डदेवरचिता.

(A 343) दे.

सेश्वरमीमांसा वेदान्ताचार्यकृता.

(2242) ग्र. 77 प. आदितः (1-3-2) सूत्रान्ता.

XXI. अद्वैतम्.

अखण्डात्मप्रकाशः गोपालानन्दयतिकृतः.

(2198) आ. 239 प.

अज्ञानध्वान्तचण्डभास्करः अमरेश्वरशास्त्रिरचितः.

(B 574) क. 68 प.

(C 871) आ. 97 प. 9 प्रकरणानि.

अद्वैततत्त्वविवेकः नृसिंहाश्रमिविरचितः.

(2233) आ. 63 प.

(2883) आ. 182-212 प.

(2883) आ. 213-308 प. तत्त्वविवेकदीपनम् (अद्वैतरत्नकोशः.)

(2970) ग्र. 45 151 प. ,,

(2896) आ. 48 प. (अद्वैतरत्नकोशभावप्रकाशिका) तत्त्वविवेकदीपनव्याख्या कालहस्तीश्वरभट्टविरचिता द्वितीयः परिच्छेदः.

(2243) आ. 180 प. (अद्वैतरत्नकोशदीपिका) तत्त्वविवेकदीपनव्याख्या अखण्डानन्दसरस्वतीविरचिता. प्रथमः परिच्छेदः द्वितीयश्चासमग्रः.

(2206) आ. 151 प. (अद्वैतरत्नकोशपालिनी) तत्त्वविवेकदीपनव्याख्या रामाध्वरिविरचिता प्रथमः परिच्छेदः.

(2241) आ. 93 प. (अद्वैतरत्नकोशपूरणी) तत्त्वविवेकदीपनव्याख्या अग्निहोत्रभट्टविरचिता प्रथमः परिच्छेदः.

(2108) ग्र. 109-175 प. ,, द्वितीयः परिच्छेदः.

अद्वैततारावळिः शंकराचार्यविरचिता.

(1968) ना. 110-111 प.

अद्वैतदीपिका नृसिंहाश्रमिविरचिता.

(2893) ना. 99 प.

अद्वैतमकरन्दः लक्ष्मीधरविरचितः.

(2293) ग्र. 24 प. स्वयंप्रकाशविरचितव्याख्यायुतः.

(?359) ग्र. 20 प. ,,

अद्वैतरत्नप्रकाशः अमरेश्वरशास्त्रिविरचितः.

(B 528) क. 189-199 प.

अद्वैतरत्नाकरः नारायणानन्दविरचितः.

(2461) आ. 60 प. (ब्रह्मसूत्रव्याख्यानम्.)

अद्वैतवेदान्तपरिभाषा धर्मराजाध्वरिविरचिता.

(2359) ग्र. 32 प.

(2808) आ. 25 प.

(1930) आ. 86 प. रामकृष्णदीक्षितीया व्याख्या प्रथमः खण्डः.

(2808) आ. 83 प. ,, ,,

(2228) आ. 86 प. पेत्तादीक्षितरचितव्याख्या.

(2854) आ. 41 प. ,,

अद्वैतसिद्धिः मधुसूदनसरस्वतीविरचिता.

(1889) आ. 159 प. प्रथमः परिच्छेदः

(1984) प्र. 53 प. ब्रह्मानन्दीया लघुचन्द्रिका अनिर्वचनीयवादः.
(2183) आ. 289 प. ,, दृग्दृश्यसम्बन्धभङ्गपर्यन्ता.
(C 1123) दे. 243 प. ,, 2-4 परिच्छेदाः.
(2582) ना. 130 प. विट्ठलोपाध्यायरचिता ब्रह्मानन्दीयव्याख्या प्रथम-मिथ्यात्वनिरुक्तयन्ता.
(C 1146) दे. 462 प. ,, ,,

अद्वैतानुभूतिः शंकराचार्यविरचिता.
(B 347) आ. 5 प.

अधिकरणरत्नमाला विद्यारण्यकृता.
(1972) ना. 139 प.

अविद्यापिशाचीभञ्जनम् अमरेश्वरशास्त्रिविरचितम्.
(B 527) क. 123-188 प.

आत्मतत्त्वविवेकसारः रामानन्दीयः.
(3225) ग्रं. 165 प. (असम.)

आत्मपुराणम् शङ्करानन्दयतिकृतम्.
(B 357) आ. 158 प. उपासनाभागः.

आत्मबोधः शङ्कराचार्यकृतः.
(2283) प्र. 18-28 प. विश्वेश्वरीयव्याख्यायुतः.

आत्मविद्याविलासः.
(2347) प्र. 9 प.

आत्मानात्मविवेकः शंकराचार्यविरचितः.
(2283) प्र. 43-45 प. विश्वेश्वरीयव्याख्यायुतः.

ईशादिदशोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यविरचितम्.
(3249) आ. 151+17+40 प. (छान्दोग्यबृहदारण्यकयोष्षष्ठाध्यायमात्रम्.)

उपदेशसहस्री शङ्कराचार्यकृता (पद्यरूपा).
(C 879) दे. 139 प. रामतीर्थीयटीकायुता.
(C 781) आ. 156 प. बोधनिधिकृता टीका.
(2067) प्र. 119 प. ,,

एकादशोत्तरशतवाक्यानि शङ्कराचार्यरचितानि.
(B 564) क. 21 प.

कठोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यरचितम्.
(3203) आ. 18-47 प.

केनोपनिषद्भाष्यम् शङ्कराचार्यविरचितम्.
(2705) आ. 40 प.

कैवल्योपनिषद्दीपिका.
(B 625) आ. 12 प.

कौलोपनिषद्भाष्यम् भास्कररायकृतम्.
(B 690) आ. 9 प.

कौषीतक्युपनिषद्दीपिका शङ्करानन्दीया.
(3124) आ. 42-81 प.

छान्दोग्योपनिषद्भाष्यम् शङ्कराचार्यरचितम्.
(2463) ग्र. 4-53 प. 5 अध्यायाः.
(C 1142) दे. 14 प. 3 अध्याया.
(C 832) ना. 20+22+26+20 प. 4 अध्यायाः.
(1971) ना. 246 प. आनन्दगिरीया टीका.
(2674) ना. 141 प. माधवाचार्यरचिता वेदार्थप्रकाशाख्या व्याख्या 5-6 अध्यायौ.
(2481) ना. 62 प. नित्यानन्दविरचिता मिताक्षराख्या व्याख्या.
(3226) ग्र. 140 प. „ „

जन्माद्यधिकरणविचारः.
(306.) ग्रा. 25 प.

जीवन्मुक्तिविवेकः विद्यारण्यविरचितः.
(C 745) दे. 97 प.
(C 1183) दे. 58 प.

जीवप्रबोधः शंकराचार्यविरचितः.
(1968) ना. 105-110 प.

जीवराजविजयः अमरेश्वरशास्त्रिकृतः.
(B 526) क. 85-121 प.

ज्ञानसर्वस्वसंग्रहप्रकरणम् नृसिंहरचितम्
(B 544) क. 236 प.

ज्ञानामृतम् शंकराचार्यविरचितम्.
(1968) ना. 111-112 प.

तत्त्वकौस्तुभः भट्टोजीदीक्षितरचितः.
(3004) प्र. 107 प.

तत्त्वदीपनम् अखण्डानन्दविरचितम्.
(3050) आ. 37 प. द्वितीयं वर्णकम्. (पञ्चपादिकाविवरणटीका.)

तत्त्वनिरूपणम् त्र्यम्बकशास्त्रीयम्.
(C 1254) दे. 2 प.

तत्त्वबोधः शंकराचार्यविरचितः.
(2100) आ. 7 प.

तत्त्वबोधप्रकरणम् रामचन्द्रबुधविरचितम्.
(B 375) क. 115-123 प.

तत्त्वानुसन्धानम् महादेवसरस्वतीविरचितम्.
(C 734) दे. 42+46+27 प. आनन्दसरस्वतीविरचितया अद्वैतचिन्ताकौस्तुभाख्यया व्याख्यया युतम्.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यटीका अच्युतकृष्णानन्दीया वनमालाख्या.
(B 766) आ.

त्रिपुरातापिनीभाष्यम् रामानन्दरचितम्.
(B 570) क. 135 प.

त्रिपुरोपनिषद्भाष्यम् भास्कररायकृतम्.
(B 691) आ. 26 प.

दक्षिणामूर्तिस्तोत्रवार्तिकम् मानसोल्लासः सुरेश्वराचार्यविरचितः.
(2314) आ. 63-76 प.

दृग्दृश्यसम्बन्धानुपपत्तिप्रकाशः त्र्यम्बकशास्त्रीयः.
(C 1252) दे. 4 प.

नामामृतरसायनम् बोधेन्द्रयतिविरचितम्.
(2113) आ. 47 प.

न्यायरक्षामणिः अप्पयदीक्षितकृतः.
(2804) आ. 59-258 प. प्रथमे 2-4 पादाः.

पञ्चपादिका पद्मपादाचार्यविरचिता.
(2201) आ. 46 प. चतुस्सूत्री.
(2197) आ. 235 प. प्रकाशात्मकृतं विवरणं चतुस्सूत्री.
(3050) आ. 37 प. अखण्डानन्दमुनिकृतं विवरणतत्त्वदीपनम्. द्वितीयं [वर्णकम्.

पञ्चीकरणवार्तिकं सुरेश्वराचार्यकृतम्.
(C 1137) दे. 5 प.

प्रकृत्यधिकरणविचारः त्र्यम्बकशास्त्रिकृतः.
(C 702) दे. 10 प.

प्रमाणतत्त्वं त्र्यम्बकशास्त्रीयम्.
(C 1153) दे. 15 प.
(C 1200) दे. 54 प.

प्रौढानुभवः अमरेश्वरशास्त्रिकृतः.
(B 528) क. 210-213 प.

बिम्बदृष्टिविचारः अमरेश्वरशास्त्रिकृतः.
(B 528) क. 213-216 प.

बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यटीका आनन्दज्ञानकृता.
(2881) ना. 32-90 प.
(3041) आ. 181 प.

ब्रह्मतत्त्वबोधिनी.
(2769) आ. 15 प.

ब्रह्मविदाशीर्वादपद्धति विद्यारण्यरचिता.
(B 687) क. 17 प.

ब्रह्मसूत्रभाष्यम्.

(A 302) आ. 254 प. चिन्मयमुनिविरचितम्. प्रथमाध्यायः.
(A 311) आ. 240 प. ,, 2-4 अध्यायाः.
(2266) आ. 216 प. शङ्कराचार्यकृतम्.
(2226) आ. 86 प. ,, प्रथमोऽध्यायः.
(1840) ग्र. 116 प. ,, ,,
(2954) ना. 149 प. ,, 3 ये 2यपादतस्समग्रम्.
(2810) ग्र. 60 प. आदन्दज्ञानीया टीका 1मे 1मः पादः.
(2222) आ. 67 प. ,, प्रथमे 1-2 पादौ.
(2215) आ. 121 प. रामानन्दीया रत्नप्रभा. 1-6 पादाः.
(-000) ग्र. 1-6 प. ,, प्रथमोऽध्यायः.
(2030) ग्र. 162 प. अद्वैतानन्दीयम् (ब्रह्मविद्याभरणम्.) प्रथमाधिकरणम्.
(C 1161) दे. 42 प. ब्रह्मसूत्रभाष्यटीका भाष्यभानुप्रभा त्र्यम्बकशास्त्रीया. असम.
(A 367) आ. 195 प. ब्रह्मसूत्रभाष्य (शारीरकमीमांसाभाष्य) वार्तिकं नारायणसरस्वतीयम्. प्रथमोऽध्यायः.
(1842) ग्र. 212 प. वाचस्पतिमिश्रीया भामती 2-3 अध्यायौ.
(A 341) आ. अखण्डानन्दविरचिता ऋजुप्रकाशिका भामतीव्याख्या.
(2804) आ. 59-258 प. अप्पय्यदीक्षितविरचितः न्यायरक्षामणिः, प्रथमे द्वितीयचतुर्थपादौ.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः.

(2811) ग्र. 75 प. कौण्डिन्यरचिता प्रथमे 1-3 पादाः.
(2179) आ. 253 प. धर्मभट्टरचिता ब्रह्मामृतवर्षिणी आदितः तृतीये तृतीयपादसमाप्तयन्ता.
(2227) आ. 10+78 संक्षेपरूपेयं वृत्तिः.

ब्रह्मसूत्रव्याख्या (अद्वैतरत्नाकरः) नारायणानन्दरचिता.

(2461) आ. 60 प.

भगवद्गीताभाष्यम्.

(A 271) आ. 142 प. पैशाचम् (हनुमद्भाष्यम्).
(2479) ना. 53 प. ,, 1-8 अध्यायाः.

(25 4) ना. 138 प. शङ्कराचार्यविरचितं भाष्यम्.
(C 942) आ. 184 प. मधुसूदनीया टीका.
(2762) आ. 204 प. राघवानन्दतीर्थीया टीका.
(3173) प्र. 150 प. रामचन्द्रसरस्वतीकृता पदयोजनी.
(3217) प्र. 133 प. ,, ,,
(2039) आ. 85 प. ,, 10 अध्यायाः.
(C 693) दे 79 प. श्रीधरीया सुबोधिनी. 16 अध्यायाः.

भामती वाचस्पतिमिश्रीया.
(1842) प्र. 212 प. 2-3 अध्यायौ.
(A 341) आ. अखण्डनन्दीया ऋजुप्रकाशिका.

भावनोपनिषद्भाष्यम् भास्कररायरचितम्.
(B 611) क. 25 प.
(B 689) क. 7 प.

भेदनिरासः अन्नंभट्टविरचितः.
(1835) ना. 16 प.

मध्वमतावध्वंसनम् अप्पय्यदीक्षितविरचितम्.
(2246) आ. 61 प.

महावाक्यपठनक्रमः.
(C 696) दे. 3 प.

महावाक्यरत्नावलिः.
(2100) आ. 54 प. शङ्कराचार्यरचिता.
(B 375) क. 6-114 प. रामचन्द्रबुधकृता.
(2269) प्र. 46 प. ,,
(2872) ना. 26 प. ,,

महावाक्यविवरणम् शङ्कराचार्यविरचितम्.
(C 766) दे. 36 प.
(1968) ना. 113-114 प.

माण्डूक्योपनिषद्भाष्यम् शङ्कराचार्यविरचितम्.
(2463) प्र. 22 प

मिथ्यात्वनिरुक्तिरहस्यं गोकुलनाथकृतम्.
(C 1255) दे. 7 प.

रामतापिनीव्याख्या.
(1961) ना. 38 प. आनन्दवनयतिकृता पूर्वतापिनि.
(A 335) क. 37 प. ,, ,,
(2942) ना. 17 + 13 प. रामयतिकृता समग्रा.

वाक्यवृत्तिः शङ्कराचार्यकृता.
(2283) ग्र. 28-43 प. विश्वेश्वररचितव्याख्यायुता.
(2359) ग्र. 34 प. ,,

वादावळीखण्डनम्.
(C 755) आ. 28 प.

वासनाप्रतीकारदशकम् अमरेश्वरशास्त्रिविरचितम्.
(B 528) क. 213-216 प.

विज्ञानतारावळिः दक्षिणामूर्तिबुधकृता.
(B 375) क. 6 प.

विरोधवरूथिनी उमामहेश्वरकृता.
(2236) आ. 46 प.

विवरणप्रमेयसंग्रहः विद्यारण्यकृतः.
(C 1126) दे. 141 प. 3 वर्णकाः.

विवेकसारः शङ्करानन्दयतिकृतः.
(B 364) क. 235 प.
(2662) आ. 127 प.

विवेकसिन्धुः मुकुन्दमुनिकृतः.
(C 801) आ. 36 प.

विष्णुसहस्रनामभाष्यम् शङ्कराचार्यकृतम्.
(1948) आ. 93 प.
(1968) ना. 9-93 प.
(2666) क. 56 प.

विष्णुसहस्रनामविवृतिः गम्भीरभारतीविरचिता.
(2889) ना. 141-183 प.

वृत्तिदीपिका कृष्णभट्टीया.
(3170) ग्र. 24 प.
(3195) ग्र. 17 प.

वेदान्तचन्द्रिका रामानन्दसरस्वतीया.
(B 815) आ. 47 प.

वेदान्तपदार्थसङ्ग्रहः राममिश्रविरचितः.
(C 861) आ. 5 प.

वेदान्तप्रकरणं स्वयंप्रकाशशिष्यकृतम्.
(C 778) दे. 8 प.

वेदान्तविषयः (?)
(2536) आ. 188+28 प. असम.

वेदान्तसारः सदानन्दकृतः.
(2283) ग्र. 45-55 प.

वेदान्तसारसङ्ग्रहोपन्यासः रघुनाथाध्वरिकृतः.
(2219) आ. 201-411 प. 2 परिच्छेदौ, प्रथमे 200 पत्रलोपः.

वैयासकिन्यायमाला भारतीतीर्थकृता.
(2355) ग्र. 74 प.

वैयासकिसूत्रोपन्यासः रामेश्वरभारतीकृतः.
(2245) आ. 74 प.

व्यासतात्पर्यनिर्णयः अंणयविद्वत्कृतः.
(1829) आ. 44 प.

शास्त्रदर्पणम् अमलानन्दयतिकृतम्.
(A 299) आ. 166 प.
(2522) ग्र. 168 प

शास्त्रारम्भसमर्थनम् त्र्यम्बकशास्त्रिकृतम्.
(C 759) आ. 117 प. क्रोडपत्रम्.

श्रुतिमतप्रकाशः त्र्यम्बकशास्त्रीयः.
(3068) आ. 9 प.

श्रुतिमतानुमानोपपत्तिः त्र्यम्बकशास्त्रीया.
(C 1253) दे. 9 प.

श्रुतिमतोद्योतः त्र्यम्बकशास्त्रिकृतः.
(C 752) आ. 8 प.
(C 1198) दे. 25 प.

श्रुतिमूलव्याख्या सीतारामकृता.
(C 815) दे. 57 प.

श्रुतिसारसङ्ग्रहः त्रोटकाचार्यकृतः.
(A 268) दे. 34 प. सच्चिदानन्दयोगिकृतव्याख्यायुतः.

श्रुतिसूक्तिमाला हरदत्ताचार्यकृता.
(1961) ना. 8 प.
(A 292) ग्र. 191 पु. ईश्वरभट्टोपाध्यायकृतव्याख्यायुता.
(2595) ग्र. 120 प. ,,

श्रुतिस्मृतिसारसङ्ग्रहः बालब्रह्मानन्दकृतः.
(2513) ना. 60 प.

षोडशप्रकरणम्.
(2035) ना. 217 प. तत्त्वप्रकरणपर्यन्तम्.

सदाचारप्रकरणम् शङ्कराचार्यकृतम्.
(C 772) दे. 5 प.

सनत्सुजातीयविवरणम् शङ्कराचार्यकृतम्.
(2818) ग्र. 48 प.

सन्ध्यापञ्चीकरणम् शङ्कराचार्यकृतम्.
(C 1136) दे. 15 प.

सप्तप्रकरणी रामचन्द्रयोगिरचिता.
(2212) आ. 81 प. उपनिषद्ब्रह्मयोगिरचितव्याख्यायुता.

सर्ववेदान्तसारसङ्ग्रहः सच्चिदानन्दविरचितः.
(B 543) क. 16 प.

सर्वोपनिषत्सारसञ्जीविनी ब्रह्मविद्या.
(B 624) आ. 88 प.

सिद्धान्तकल्पवल्ली सदाशिवकृता.
(1830) ग्र. 50 प. (व्याख्या चासमग्राऽस्ति).

सिद्धान्तरत्नमाला विश्वनाथविरचिता.
(C 791) आ. 11 प. प्रथमेऽध्याये प्रथमः पादः.

सिद्धान्तलेशसङ्ग्रहः अप्पय्यदीक्षितकृतः.
(2099) ना. 77 प.
(2938) ग्र. 99 प.
(2001) ग्र. 140 प.

सिद्धान्तवैजयन्ती त्र्यम्बकशास्त्रिकृता.
(2231) आ. 83 प.
(C 1199) दे. 15 प. अस.

सिद्धान्तसिद्धाञ्जनम् कृष्णानन्दसरस्वतीकृतम्.
(A 358) आ. 45 प. अस.
(B 738) आ. 184 प. पूर्वभागः. व्याख्यानम्.
(B 796) आ. 185-392 प. द्वितीयभागः ,,

स्वात्मनिरूपणम् शङ्कराचार्यकृतम्.
(1968) ना. 99-105 प.

स्वात्मप्रकाशः शङ्कराचार्यकृतः.
(1968) ना. 96-99 प.

स्वाराज्यसिद्धिव्याख्या कैवल्यकल्पद्रुमः गङ्गाधरसरस्वतीकृता.
(2737) आ. 126 प. पूर्वार्धम्.

(2) अनुभवाद्वैतम्.

अष्टोत्तरशतोपनिषद्भाष्यम् अप्पय्यदीक्षिताचार्यकृतम्.
(B 408-514) (अत्र आत्मबोधोपनिषन्मात्रं नास्ति).

XXII. (1) विशिष्टाद्वैतम्.

अग्निरहस्यप्रकाशिका रङ्गरामानुजमुनिकृता.
(B 789) आ. 52 प.

अथर्वशिखाभाष्यम् रङ्गरामानुजमुनिकृतम्.
(B 791) आ. 22 प.

अधिकरणसारावळीव्याख्या अधिकरणचिन्तामणिः वरदाचार्यविरचिता.
(3030) ग्र. 216 प. 3 अध्यायाः.

अभयप्रदानसारः (संस्कृतपरिवृत्तिः).
(B 524) आ. 44 प.
(C 1156) दे. 44 प.

अरुणाधिकरणसरणिविवरणी श्रीनिवासाचार्यकृता.
(2218) ग्र. 118 प.

अर्थपञ्चकम् नारायणमुनिकृतम्.
(C 672) दे. 9 प.

अष्टश्लोकीव्याख्या.
(A 330) आ. 201 प. कुन्नत्तूरु अय्यकृता. (मणिप्रवाळ.)
(C 671) दे. 10 प. नारायणकृता.

आत्मविजयः [शिवकर्णामृतखण्डनम्].
(2516) ग्रं. 147 प.

आनन्दतारतम्यखण्डनम् श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(3079) ग्र. 14-19 प.

कण्टकोद्धारः चम्पकेशीयः.
(3110) ग्र. 75 प. असमग्रः.

कौषीतक्युपनिषद्भाष्यं रङ्गरामानुजमुनिकृतम्.
(B 799) आ. 131 प.

खण्डनचतुष्टयम् कुमारवरदाचार्यकृतम्.
(B 382) आ. 30 प.

गुरुरत्नावलिः वेदान्ताचार्यकृता.
(2831) ग्र. 6 प.

चण्डमारुतम् महाचार्यकृतम्.
(2058) आ. 107 प. 31 स्क.
(2774) ग्र. 111 प. 41-66 स्क.

छान्दोग्योपनिषद्भाष्यम् रङ्गरामानुजमुनिकृतम्.
(2096) ग्र. 95 प. 7 अध्यायाः.
(2884) ग्र. 71 प.

जीवकर्तृत्वविचारः.
(B 549) आ. 20 प.

जीवाणुत्वसमर्थनम् चम्पकेशविरचितम्.
(B 398) आ. 21 प.

ज्ञानरत्नप्रकाशिका श्रीनिवासाचार्यकृता.
(3046) ग्र. 51 प.
(3073) ग्र. 110-154 प.

ज्ञानार्णवः रङ्गराजयज्वकृतः.
(2906) ग्र. 65 प. 6 परिच्छेदाः.

णत्वदर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्
(3079) ग्र. 13 प.

णत्वसमर्थनम् श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(1880) ग्र. 22-29 प.

तत्त्वत्रयचुळकम् वरदाचार्यकृतम्.
(C 687) आ. 23 प.

तत्त्वत्रयप्रमाणसङ्ग्रहः
(1844) ग्र. 73 प.

तत्त्वदीपः वादिकेसरीयः.
(C 925) दे. 78 प.

तत्त्वनिष्कर्षः रङ्गरामानुजमुनिकृतः.
(3014) ग्र. 25 प.

तत्त्वनीतिमहार्णवः.
(A 391) आ. 6-20 प.

तत्त्वमुक्ताकलापव्याख्या सर्वार्थसिद्धिः वेदान्ताचार्यप्रणीता.
(3269) ग्र. 192 प.
(3029) ग्र. 94+165 प.
(C 1144) आ. 282 प.
(3040) आ. 144 प. नृसिंहदेवीया सर्वार्थसिद्धिव्याख्या आनन्दवल्लिका 2 सर्गौ.

तत्त्वमुक्तावळी सुदर्शनाचार्यकृता.
(B 405) आ. 18 प.

तत्त्वसारः वरदाचार्यकृतः.
(3082) ग्र. 55-64 प.
(3011) ग्र. 106 प. व्याख्या सारास्वादिनी सुन्दराचार्यविरचिता.

तप्तचक्राङ्कनप्रमाणविवृतिः श्रीनिवासदेशिककृता.
(2411) आ. 36 प.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम् नारायणमुनिकृतम्.
(2004) ग्र. 102 प.

त्रैयन्तघण्टापथः श्रीनिवासाचार्यकृतः.
(2409) आ. 52-67 प.

दुरूहशिक्षा परकालयतिकृता.
(B 797) आ. 106 प. (असम.)

दुर्वादिविजयकाहळी.
(3106) ग्र. 55 प. (अस.)

नमकचमकप्रकरणम्.
(1880) ग्र. 30-34 प.

नयद्युमणिः श्रीनिवासाचार्यकृतः.
(C 1168) ग्र. 94 प.

नयमयूखमालिका अप्पयदीक्षितकृता.
(A 342) आ. 242 प.
(2900) ग्र. 266 प. जगद्व्यापारवर्जाधिकरणान्ता.
(A 349) ग्र. 142 प. द्वितीये तृतीयपादसमाप्त्यन्ता.

नानार्थकल्पवल्ली वेङ्कटभट्टाचार्यकृता.
(B 828–829) 782 प.

निक्षेपरक्षा वेदान्ताचार्यकृता.
(2425) आ. 58 प.
(2498) ग्र. 69-116. प.
(3028) ग्र. 181-227 प.
(B 559) ग्र. 146 प. सिंहदेवविरचितव्याख्यायुता.

न्यायकुलिशः आत्रेयरामानुजीयः.
(A 355) आ. 75 प. 8 वादाः.

न्यायपरिशुद्धिः वेदान्ताचार्यकृता.
(C 840) आ. 94 प.
(3083) ग्र. 166 प. व्याख्या श्रीनिवासीया. 3 अध्यायाः.
(2675) ग्र. 175 प. आदितः अनुमानाध्याये प्रमाणाभासाह्निकसमाप्तिः

न्यायरत्नावळी आदिवराहवेदान्ताचार्यकृता.
(1985) ग्र. 77 प. 2 परिच्छेदौ.

न्यासविद्याप्रकाशः श्रीनिवासपरकालयतिकृतः
(2254) ग्र. 180 प. सव्याख्यः.

न्यासविद्याविजयः (श्रीवचनभूषणमीमांसाविशसनम्) श्रीनिवासाचार्यकृतः.
(2097) ग्र. 212 प. 41 भङ्गाः.
(B 723) आ. 450 प.

परतत्त्वनिर्णयः श्रीनिवासीयः.
(3167) ग्र. 88 प.

पाञ्चरात्ररक्षा वेदान्ताचार्यकृता.
(2498) ग्र. 68 प.
(3028) ग्र. 246–274 प.

पाराशर्यविजयः महाचार्यकृतः.
(2195) ग्र. 235 प. आदितः अपशूद्र धिकरणान्तः.

पुरुषकारमीमांसा नारायणीया.
(3270) ग्र. 12 प.

पुरुषसूक्तव्याख्या रङ्गनाथविरचिता.
(B 350) आ. 77 प.

प्रणवदर्पणम् श्रीनिवासार्यकृतम
(C 928) आ. 45 प.

प्रतितन्त्रदर्पणं श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(3064) आ. 18 प.

प्रतितन्त्रपरिष्क्रिया रङ्गरामानुजमुनीया.
(3014) ग्र. 60 प.

प्रपत्तिप्रयोगः.
(2422) आ. 4-20 प.

प्रपन्नपारिजातः वरदाचार्यकृतः.
(2091) आ. 16 प.

प्रमेयमाला वरदाचार्यकृता.
(3113) ग्र. 19 प.

बिम्बतत्त्वप्रकाशिका देवराजविरचिता.
(2633) ग्र. 29 प. असमग्रा.

ब्रह्मपदशक्तिवादः. अंणय्यार्यकृतः.
(B 733) ग्र. 23 प.

ब्रह्मविद्याविलासः तिरुमलभट्टकृतः
(C 705) आ. 36 प.

ब्रह्मपदशक्तिवादः

(3081) ग्र. 28 प. कृष्णतातार्यकृतः.

(C 1165) आ. 16-50 प. असः (?)

ब्रह्मशब्दार्थविचारः.

(B 548) आ.

ब्रह्मसूत्रवृत्तिः वेदान्तयतिराजमुनिकृता.

(A 275) दे. 33 प. आदितः तृतीये द्वितीयपादान्ता.

ब्रह्मसूत्रार्थसंग्रहः

(2918) ग्र. 62 प द्वितीये तृतीयपादान्ता.

भगवद्गीताभाष्यम् रामानुजाचार्यकृतम्.

(2022) आ. 148 प.

(2081) ग्र. 203 प.

(2068) ग्र. 109 प. वेदान्ताचार्यकृता तात्पर्यचन्द्रिका तृतीयं षट्कम्.

(2958) ग्र. 250 प. ,, समग्रा.

(2996) ग्र. 37-234 प. अष्टाबध्यायाः.

भगवद्गीतार्थसंग्रहः यामुनार्यकृतः.

(3180) ग्र. 153 प.

(C 688) दे. 185 प.

(C 670) दे. 149 प.

भगवद्गीतार्थसंग्रहरक्षा वेदान्ताचार्यकृता.

(3028) ग्र. 228-245 प.

भगवद्गीताव्याख्या यन्नाचान्कृता.

(A 262) आ. 426 प.

मन्त्रार्थकारिका वादिकेसरीया.

(A 394) आ. 8 प.

मन्त्रोपनिषद्भाष्यम् रङ्गरामानुजमुनिरचितम्.

(B 790) आ. 17 प.

रहस्यत्रयसारटीका.

(2259) आ. अपर्याप्तामृतदासकृता सारचन्द्रिका सिद्धोपायशोधनाधिकारतः समग्रा.

(2208) ग्र. 64 प. श्रीशैलार्यकृता कुसुमाञ्जल्याख्या 1-4 अधिकाराः.

(2484) ग्र. 151 प. श्रीभाष्यश्रीनिवासार्यकृता सारदीपिका 23 अधिकाराः.

(2300) ग्र. 143 प. भारद्वाज श्रीनिवासार्यकृता सारप्रकाशिका मूलमन्त्राधिकारतस्समग्रा.

(B 380) आ. 316 प. श्रीनिवासार्यकृता सुधा षष्टपरदेवतापारमार्थ्याधिकारतः एकादशपरिकराधिकारान्ता.

(B 756) आ. 172 प. ,, सिद्धोपायशोधनाधिकारः.

(B 764) आ. 10. प. ,, साध्योपायशोधनाधिकारः.

(B 520) आ. 249 प. ,, मूलमन्त्रद्वयाधिकारौ.

(B 535-536) ,, चरमश्लोकाधिकारतस्समग्रा.

(2794) आ. 178 प. श्रीनिवासाचार्यकृता सारविवरणी 17 अधिकाराः.

(2795) आ. 182 प. ,, 18-26 ,,

(2796) आ. 284 प. ,, 27-32 ,,

(B 777) आ. प. रङ्गरामानुजमुनिकृता रहस्यत्रयसारतात्पर्यकौमुद्याख्या व्याख्या.

रहस्यत्रयसारप्रमाणसंग्रहः.

(3190) ग्र. 58 प.

रहस्यत्रयसारार्थसंग्रहः.

(3113) ग्र. 26 प. कुमारवरदार्यकृतः.

(C 991) दे. 72 प. रङ्गाचार्यकृतः.

रहस्यत्रयसारावळिः.

(3067) आ. 26 प.

रहस्यरक्षा वेदान्ताचार्यकृता.

(3028) ग्र. 135 प.

रहस्यमञ्जरी प्रणतार्तिहरीया.
(A 399) आ. 10 प.

रामानुजसिद्धान्तपद्वी रङ्गनाथाचार्यकृता.
(2002) ग्र. 134 प.

रामानुजसिद्धान्तविजयः.
(2566) ग्र. 177 प. आदितः आनन्दमयाधिकरणान्तः.

रामानुजसिद्धान्तसंग्रहः.
(3130) आ. 46 प.

रामानुजसिद्धान्तसारः श्रीनिवासाचार्यकृत..
(1888) आ. 16 प.

लक्ष्मुचपायत्वदीपः वेङ्कटार्यकृतः.
(B 563) आ. 61 प.

लघुशतदूषणी श्रीनिवासाचार्यकृता.
(C 747) आ. 16 प.
(C 1189) दे. 14 प.

वादित्रयखण्डनम् वेदान्ताचार्यकृतम्.
(2406) आ. 5 प.

विजयार्थपत्रम् हरिप्रपन्नरचितम्.
(A 391) आ. 5 प.

विरोधवरूथिनीप्रमाथिनी श्रीनिवासदीक्षितीया.
(2790) आ. 69 प. प्रथमः परिच्छेदः.

विशिष्टोपायतास्तुतिव्याख्या श्रीनिवासाचार्यकृता.
(1873) ग्र. 28 प.

वेदान्तकौस्तुभः श्रीशैलराघवार्यकृतः.
(B 358) आ. 256 प. पूर्वभागः.
(B 359) आ. 258 प. (257-514) उत्तरभागः.

वेदान्ततत्त्वसारः रामानुजाचार्यकृतः.
(B 406) आ. 20 प.

वेदान्तवादावळिः अनन्ताचार्यकृता.
(B 388) ग्र. 33 प- आकाशाधिकरणवादः.
(3074) ग्र. 155-175 प. ज्ञानयाथार्थ्यवादः.
(3039) ग्र. 93 तम. प. तत्क्रतुन्यायवादः.
(3074) ग्र. 176-184 प. प्रतिज्ञावादः.
(3039) ग्र. 39 तम. प. ,,
(3039) ग्र. 39 तम. प. निर्विशेषप्रमाणव्युदासः.
(B 386) ग्र. 18 प. ,,
(C 1195) आ. 20 प. विधिसुधाकरः.
(B 384) ग्र. 42 प. ,,
(3075) ग्र. 23 प. ,,
(3039) ग्र. 93 तम. प. मोक्षकारणतावादः.
(B 387) ग्र. 15 प. शरीरवादः.
(3074) ग्र. 184-194 प. ,,
(B 383) ग्र. 71 प. शास्त्रारम्भसमर्थनवादः.
(3039) ग्र. 93 तम. प. ,,
(B 389) ग्र. 25 प. समासवादः.
(3039) ग्र. 93 तम. प. सामानाधिकरण्यवादः (गुरुः, लघुश्च.)

वेदान्तविजयः महाचार्यकृतः.
(A 353) क. विजयोल्लासः पञ्चमः.

वेदान्तविजयमङ्गळदीपिका सुदर्शनगुरुकृता.
(2771) ग्र. 147 प. 4 विजयाः.

वेदान्तसारतत्त्वम् रामानुजाचार्यकृतम्.
(C 887) दे. 30 प.

वेदान्तसारः रामानुजाचार्यकृतः.
(3270) ग्र. 34 प.
(2788) आ. 204 प. व्याख्या किडाम्बि अहोबलाचार्यकृता.

वेदार्थसंग्रहः रामानुजाचार्यकृतः.

(2409) आ. 51 प.

(3271) ग्र. 25 प.

व्यावहारिकत्वखण्डनम्.

(3046) ग्र. 18 प. अण्णयाचार्यकृतम्.

(2409) आ. 68-84 प. श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

शतदूषणी वेदान्ताचार्यकृता.

(A 192) आ. 284 प. 66 भङ्गाः.

(C 839) आ. 127 प. ,,

(C 1148) आ. 110 प. ,,

(3098) ग्र. 115 प. ,,

(2050) ग्र. 252 प. ,,

(1841) आ. 246 प. 63 भङ्गाः.

(1837) ग्र. 113 प. 30 भङ्गाः.

(2032) आ. 173 प. नृसिंहराजीयव्याख्या 30 भङ्गाः.

(2058) आ. 107 प. महाचार्यकृतम् चण्डमारुतम्. 31 स्कन्धाः.

(2774) ग्र. 111 प. ,, ,, 41-66 ,,

शारीरकन्यायकलापः सेननाथकृतः.

(B 560) ग्र. 16 प.

शारीरकशास्त्रसङ्गतिसारः रघुनाथार्यकृतः.

(B 363) ग्र.

शारीरकैककण्ठ्यम् काञ्चीवरवरमुनिकृतम्.

(1990) ग्र. 33 प.

शैववैष्णवविचारः.

(1868) आ. 54 प.

श्रीतत्त्वसिद्धाञ्जनम् वेदान्तरामानुजविरचितम्.

(2573) ग्र. 125 प.

श्रीभाष्यम् रामानुजाचार्यकृतम्.

(1905) ग्र. 179 प.

(2274) ग्र. 270 प.

(2992) आ. 192 प.

(2048) ग्र. 178 प. वेदान्तचार्यकृता तत्त्वटीका प्रथमाधिकरणे सद्विद्याविचारान्ता.

(1850) ग्र. 124 प. मघनादारिरचिता नयप्रकाशिका आदितः समन्वयाधिकरणोपक्रमपर्यन्ता.

(2278) आ. 274 प. परकालयतिकृता मितप्रकाशिका प्रथमोऽध्यायः.

(3077) आ. 187 प. ,, ,, प्रथमे प्रथमःपादः.

(1834) आ. 115 प. ,, ,, 2-4 अध्यायाः.

(1833) आ. 180 प. ,, ,, आदितः ईक्षत्यधिकरणपर्यन्ता तृतीये प्रथमपादश्च.

(B 547) आ. 173 प. श्रीनिवासाचार्यकृता ब्रह्मविद्याकौमुदी. चतुस्सूत्री.

(B 521) आ. 114 प. ,, इक्षत्यधिकरणतः ज्योतिरधिकरणान्ता.

(3048) आ. 82 प. रङ्गरामानुजमुनिरचिता मूलभावप्रकाशिका. प्रथमः पादः.

(3084) आ. 128-251 प. सुदर्शनाचार्यरचिता श्रुतप्रकाशिका प्रथमाधिकरणे उत्तरभागः.

(3260) ग्र. 320 प. ,, प्रथमे द्वितीयाधिकरणतः प्रथमः पादः.

(3261) ग्र. 173 प. ,, द्वितीयोऽध्यायः.

(2003) ग्र. 129-255 प. रङ्गरामानुजमुनिरचिता श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या भावप्रकाशिका, प्रथमाधिकरणे पुराणघट्टमारभ्य प्रथमे प्रथमपादसमाप्त्यन्ता.

(3071) ग्र. 231-456 प. श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या भावप्रकाशिका रङ्गरामानुजमुनिविरचिता, जिज्ञासाधिकरणोत्तरभागतः प्रथमे प्रथमः पादः.

(3072) ग्र. 209 प. श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या भावप्रकाशिका रङ्गरामानुजमुनिकृता आनन्दमयाधिकरणतः प्रथमे प्रथमः पादः.

(A 338) आ. चम्पकेशीया श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या तत्त्वप्रकाशिका.

(3112) ग्र. 58 प. ,, ,,

(2960-61) ग्र. आ. 85+125 प. चम्पकेशीया आदितः महापूर्वपक्षसमाप्त्यन्ता.

(A 381) आ. 93+138 प. ,, ,,

(2957) ग्र. 97 प. गुरुभावप्रकाशिका. शुद्धसत्त्वं लक्ष्मणाचार्यविरचिता प्रथमाधिकरणे पूर्वभागः.

(B 798) ग्र. 80 प. ,, ,, ,,

(2959) ग्र. 109 प. ,, ,, उत्तरभागः.

(A 346) क. 75 प. प्रथमाधिकरणम्.

(3111) ग्र. 85 प. श्रुतप्रकाशिकाव्याख्या. प्रथमाधिकरणमसमग्रम्.

श्रुतितात्पर्यनिर्णयः. (शिवकर्णामृतनिरासः.)

(3042) ग्र. 96 प.

श्रीभाष्यसारार्थसङ्ग्रहः. श्रीवत्साङ्कश्रीनिवासाचार्यकृतः.

(B 780) आ. 19-27 प.

श्वेताश्वतरोपनिषद्भाष्यम. रङ्गरामानुजमुनिकृतम्.

(B 788) आ. 136 प. असमग्रम्.

षष्ठीदर्पणम् श्रीनिवासार्यकृतम्.

(3079) ग्र. 37-47 प.

सच्चरित्ररक्षा वेदान्ताचार्यकृता.

(3028) ग्र. 136-167 प.

(3210) ग्र. 117 प.

सम्प्रदायचन्द्रिका.

(C 926) दे. 20 प. वादिकेसरिकृता.

(B 530) आ. 52 प. वेङ्कटनाथतातरचिता.

सम्प्रदायसुदर्शनम श्रीनिवासाचार्यकृतम्.

(B 705) आ. 146 प. 7 स्फूर्तयः.

सर्वार्थसिद्धिः (तत्त्वमुक्ताकलापव्याख्या) वेदान्ताचार्यः.
(3269) ग्र. 192 प.
(C 1144) आ. 28: प.
(3029) ग्र. 94+165 प.
(3040) आ. 144 प. नृसिंहदेवविरचिता आनन्दवल्लिकाख्या सर्वार्थसिद्धिव्याख्या (1-2 सरौ).

सारसङ्ग्रहः रम्यजामातृकृतः.
(1870) आ. 41 प.

सिद्धान्तचन्द्रिका आदिवराहवेदान्ताचार्यकृता.
(B 381) आ. 190 प.
(2903) ग्र. 72 प. 1-2 परिच्छेदौ.

सिद्धान्ततत्त्वसिद्धिः.
(C 934) आ. 17 प.

सिद्धान्तन्यायचन्द्रिका देवराजकृता.
(B 778) आ. 142 प. अस.

सिद्धान्तरत्नावळिः वेङ्कटार्यकृता.
(3264) ग्र. 129 प. प्रथमः परिच्छेदः.

सिद्धान्तसारः श्रीशैलार्यकृतः.
(2905) ग्र. 21 प.

सिद्धित्रयम् यामुनाचार्यविरचितम्.
(2778) ग्र. 72 प. आत्मेश्वरसिद्धी.

स्वरूपदर्पणम्.
(1844) आ. 19 प. (तत्त्वत्रयनिरूपणम्).

स्तोत्ररत्नव्याख्या वेदान्ताचार्यकृता.
(C 927) आ. 45 प.
(3028) ग्र. 135 प.

हरिगुणमणिदर्पणम् श्रीनिवासाचार्यकृतम्.
(1872) आ. 36 प.
(3079) ग्र. 36 प.

हरिगुणनिश्रेणिका श्रीनिवासाचार्यकृता.
(1875) आ. 13 प. शिथिला.

(2) विशिष्टाद्वैतं द्राविडम्.

अधिकारसङ्ग्रहव्याख्या.
(2325) आ 44 प. परकालयतिकृता.
(2915) ग्र. 60 प. श्रीनिवासाचार्यकृता.

अर्चिरादिमार्गवैभवः.
(C 930) दे. 7 प.

आचार्यहृदयव्याख्या.
(A 337) 164 प. आचीकृता.
(2993) आ. 87-188 प. वरवरमुनिकृता.

उपदेशरत्नमालाव्याख्या लोकाचार्यकृता.
(2373) ग्र. 108 प.

ओडयवरवार्तामाला.
(A 352) आ. 172 प

कण्णिनुळ्शिरत्ताम्बुव्याख्या.
(2379) ग्र. 95 प. कृष्णपादरचिता.
(2297) आ. 155-192 प. परकालयतिकृता.

कैवल्यनिर्णयः नैनाराच्चांपिळ्ळैकृतः.
(B 824) आ. 34 प.

गुरुपरम्पराप्रभावः पिन्पळकियमणवाळरचितः.
(2185) क. 271+13 प. (आर्यागरण्डि).

ज्ञानसारः सव्याख्यः.
(1994) ग्र. 15-20 प.
(1988) आ. 53 प.

तत्त्वत्रयव्याख्या रम्यजामातृकृता.
(2111) आ. 102 प.

तत्त्वदीपप्रकाशः वादिकेसरिरम्यजामातृकृतः

(2386) ग्र. 7-190 प.

(2109) ग्र. 81 प.

तिरुप्पल्लाण्डुव्याख्यानम् परकालयतिकृतम्.

(2297) आ. 155-192 प.

तिरुप्पावैव्याख्यानम् परकालयतिकृतम्.

(2076) ग्र. 133 प.

त्रिंशत्प्रश्नोत्तरम् अण्णावय्यङ्गार्यकृतम्.

(2399) ग्र. 59 प.

दिव्यप्रबन्धः शठकोपमुनिविरचितः.

(2019) द्रा. 100 प.

(3038) ग्र. 106 प. कुरुकेशविराचिता व्याख्या.

(2271) ग्र. 370 प. रङ्गरामानुजमुनिविरचितं द्रमिडोपनिषद्भाष्यम्.

(2928) ग्र. 247 प. ,, 1—5 शतकानि

(1849) ग्र. 202 प. परकालमुनिविराचिता द्रमिडश्रुतितत्त्वार्थप्रकाशिका 1—6 शतकानि (18000) पडि.

(2065) ग्र. 136+67 प. ,, 1-3 शतकानि.

(2078) ग्र. 224 प. ,, ,,

(2093) ग्र. 27+51+99 प. ,, 4-5 शतके.

(2094) ग्र. 155 प. ,, नवमस्य षष्टदशकतस्सम्पूर्णा.

(1951) आ. 289 प. वडक्कुतिरुवीधिपिळ्ळैकृतं ईडु (36000) पडि 1-2 शतके.

(3153) ग्र. 393 प. रत्नाजिदीक्षितीया व्याख्या.

परमतभङ्गः वेदान्ताचार्यकृतः.

(2033) ग्र. 202 प.

परमपदसोपानम् वेदान्ताचार्यकृतम्.

(1857) ग्र. 42 प.

प्रमेयसारस्सव्याख्यः.
(1994) ग्र. 20—29 प.
(1988) आ. 53 प.

भगवद्गीताव्याख्या.
(2913) ग्र. 126 प.

मुमुक्षुप्पडिव्याख्या वरवरमुनिकृता.
(2375) ग्र. 161 प.

यतीन्द्रप्रवणप्रभावः पिळ्ळैलोकजीयरुकृतः.
(1989) ग्र. 62 प.
(2374) ग्र. 119 प.

रहस्यत्रयसाराधिकारसङ्ग्रहव्याख्या.
(2915) ग्र. 60 प. श्रीनिवासाचार्यकृता.
(2325) आ. 44 प. परकालयतिकृता.

रामानुजनूत्तन्दादिव्याख्या पिळ्ळैलोकजीयरुकृतः.
(2376) ग्र. 97 प.

रामानुजरहस्यम्.
(A 398) आ. 11 प.

वाळियतिरुनामम्.
(1994) ग्र. 15 प.

विरोधपरिहारः तिरुवायिमोळियाच्चान्कृतः.
(B 750) क. 79 प.

विशिष्टाद्वैतभावप्रकाशिका.
(1996) आ. 50 प. (आन्ध्रभाषा).

वेदान्तदेशिकवैभवः.
(2777) ग्र. 65 प.

श्रीवचनभूषणव्याख्या वरवरमुनिकृता.
(2396) ग्र. 141 प.
(2993) आ. 86 प.

XXIII द्वैतम्.

अंशावतारादिनिर्णयः.

(C 973) दे. 7 प.

अखण्डार्थत्वखण्डनम् वेङ्कटेशनृसिंहकृतम्.

(C 969) दे. 67 प.

अणुतारतम्यस्तुतिव्याख्या.

(3216) ना. 41 प.

अणुभाष्यटीका

(2980) ना. 16-75 प. अनन्तभट्टीया.

(C 1278) दे. 17 प. शेषाचार्यकृता प्रथमाध्यायः.

अद्वैतकालानलः नारायणाचार्यकृतः.

(3244) ना. 105 प.

अभिनवगदा सत्यनाथयतिकृता.

(C 865) दे. 8—162 प. त्रुटितम्.

अभिनवचन्द्रिका सत्यनाथयतिविरचिता.

(3120) ना. 83-202 प प्रथमाध्याये उत्तरभागः

(1928) आ. 179 प. 2—4 अध्यायाः 78-108 पत्रलोपः

अभिनवताण्डवः सत्यनाथयतिकृतः.

(C 874) दे. 440 प.

ईशावास्योपनिषद्भाष्यटीका जयतीर्थकृता.

(C 1025) ना. 12 प.

(C 1023) दे. 11 प. श्रीनिवासतीर्थीया टिप्पणी.

(A 371) दे. 62 प. रघुनाथयतिकृता ,,

उपाधिखण्डनटीका जयतीर्थविरचिता.

(2378) ना. 77-80 प.

(C 1107) दे. 50 प. श्रीनिवासतीर्थीया टिप्पणी.

(C 1121) दे. 34 प. श्रीनिवासतीर्थीया टिप्पणी.

(2974) ना. 73-75 प. पद्मनाभतीर्थीया टिप्पणी.

ऋगर्थमञ्जरी राघवेन्द्रयतिकृता.

(C 698) दे. 45 प. प्रथमोऽध्यायः

(2436) ना. 64 प.

ऋग्भाष्यम् आनन्दतीर्थकृतम्.

(C 1047) दे. 65 प.

(C 1304) दे. 161 प. टीका जयतीर्थीया.

(C 1083) दे. 58 प. टिप्पणी छलारिनृसिंहीया तृतीयोऽध्यायः

(C 1305) दे. 212 प. ,, ,,

(C 825) दे. 105 प. ,, केशवाचार्यरचिता प्रथमे 26 वर्गाः

(2981) ना. 131 प. ,, लक्ष्मीनारायणरचिता

ऐतरेयोपनिषद्भाष्यटीका विश्वेशतीर्थीया.

(C 1048) दे. 109 प.

ओंकारवादार्थः.

(C 1289) ना. 11 प.

कठोपनिषद्भाष्यम् आनन्दतीर्थाचार्यकृतम्.

(C 1049) दे. 12 प.

कथालक्षणटिप्पणी पद्मनाभतीर्थीया.

(2974) ना. 102-103 प.

कल्पलता वादिराजकृता.

(C 725) दे. 49 प.

कृष्णामृतमहार्णवः आनन्दतीर्थकृतः.

(C 1050) दे. 12 प.

केनोपनिषद्भाष्यटीका व्यासतीर्थीया.

(C 1017) दे 3 द.

(C 1034) दे. 30 प.

(C 1016) दे. 12 प. वेदेशीया टिप्पणी.

गुरुमन्त्रः.
(C 1078) दे. 6 प.

चक्रमीमांसा वादिराजकृता.
(C 723) दे. 5 प.

तत्त्वप्रकाशिकाटिप्पणी ताम्रपर्णीया.
(A 328) दे. 328 प.

तत्त्वप्रकाशिकाप्रमेयमुक्तावळिः विठलसुतश्रीनिवासरचिता.
(2400) ना. 154 प.

तत्त्वविवेकटीका जयतीर्थरचिता.
(2378) ना. 132-139 प.
(B 531) दे. 60 प. टिप्पणम् श्रीनिवासतीर्थरचितम् .
(C 1015) दे. 21 प.

तत्त्वसङ्ख्यानटीका जयतीर्थरचिता.
(2378) ना. 106-131 प.
(C 701) दे. 37 प. टिप्पणी तिम्मणाचार्यकृता.
(C 780) आ. 31 प. तात्पर्यपञ्चिका श्रीमदुपाध्यायकृता अन्तिमो भागः
(C 1274) दे. 56 प. टिप्पणी छलारीया.
(3273) ना. 15 प. ,, वेङ्कटाद्रीया.
(3274) ना. 32 प. ,, सत्यप्रज्ञयतीया.

तत्त्वसारसङ्ग्रहः श्रीनिवासाचार्यकृतः.
(C 1058) दे. 45 प.

तत्त्वोद्योतटीका जयतीर्थीया.
(2372) ना. 33 प.
(2378) ना. 140-153 प.
(1122) दे. 85 प.
(2974) ना. 76-81 प. पद्मनाभतीर्थरचिता टिप्पणी.
(B 362) दे. 88 प. श्रीनिवासतीर्थीया ,,
(2432) ना. 100 प. वेदेशीया ,,
(2979) ना. 47 प. ,, ,,

(2372) ना. 34-52 प. राघवेन्द्रतीर्थीया टिप्पणी.
(3216) ना. 78 प. (गुरुराजीया) केशवभट्टारककृता.
(A 388) दे. 66 प. ,, ,,

तन्त्रदीपिका राघवेन्द्रयतिकृता.
(2404) ना. 175-250 प.
(C 867) दे. 152 प.

तन्त्रसारव्याख्या.
(C 1304) दे. 68+72 प. छलारीया व्याख्या 3—4 अध्या.
(B 533) दे. 353 प. रघुनाथयतिकृता 1—3 अध्यायाः.
(C 1008) दे. 51 प. श्रीनिवासार्यकृता.

तन्त्रसारमन्त्रोद्धारः श्रीनिवासाचार्यकृतः.
(C 868) दे. 46 प.

तन्त्रसारोक्तपूजाविधिः (पद्यमाला) जयतीर्थीयः.
(C 1038) दे. 11 प.

तर्ककुतूहलम् विश्वेश्वरकृतम्.
(A 336) आ. 157 प. प्रथमः परिच्छेदः

तर्कताण्डवः व्यासतीर्थविरचितः.
(C 937) दे. 195 प.
(C 946) दे. 69 प. राघवेन्द्रतीर्थीया टिप्पणी.
(2973) ना. 189 प. ,, असम.
(C 971) दे. 32 प. विजयीन्द्रीया.
(A 286) दे. 82 प. ,,

तलवकारभाष्यटीका व्यासतीर्थविरचिता.
(B 532) दे. 10 प.

तात्पर्यचन्द्रिका व्यासतीर्थविरचिता.
(C 935) दे. 380 प.
(C 1001) दे. 310+115 प.

(C 995) दे. 311 प.

(3257) ना. 152 प. प्रथमे 3पादतः—2ये तृतीयपादान्ता.

(3135) आ. 233 प. नरहरिसूरीया टिप्पणी प्रथमे प्रथमः पादः

(C 970) दे. I4 प. कुचेयकुठार ख्या टिप्पणी.

(C 1002) दे. 148 प. पाण्डुरङ्गीकेशव-ट्टीया टिप्पणी प्रथमाधिकरणम्.

(A 368) दे. 84 प. गूढकर्तृका टिप्पणी प्रथमोऽध्यायः.

(C 962) दे. 16 प. मैाद्गरकृष्णीया.

(C 960) दे. 44 प. सत्यप्रियबिन्दुकृता प्रथमे 1—2 प.दौ.

(C 936) दे. 594 प. राघवेन्द्रयतिकृतः प्रकाशः

(C 956) दे. 288-632 प. ,, प्रथमे द्वितियपादतस्समग्रः.

(C 955) दे. 45 प. ,, जिज्ञासाधिकरणम्.

(A 269) दे. 172 प. गुरुराजीया (केशवभट्टारककृता) टिप्पणी प्रथमाध्यायः

(A 372) दे. 52 प. ,, ,, ,,

तारतम्यनिर्णयः.

(C 974) दे. 8 प.

तारतम्यश्लोकमुक्तामाला वेङ्कटेशविरचिता.

(C 729) दे. 37 प.

तारस्वरूपप्रकाशः श्रीनाथकृतः.

(C 961) दे. 22 प.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यटीका.

(C 1114) दे. 28 प. व्यासतीर्थीया.

(A 261) दे. 172 प. श्रीनिवासतीर्थीया.

(C 1095) दे. 45 प. खण्डार्थः राघवेन्द्रतीर्थकृतः.

देवपूजापद्धतिः वरदेन्द्रयोगीया.

(C 1075) दे. 9 प.

द्रोहिमुखमुद्रणम्.

(C 1059) दे. 13 प.

न्यायकल्पलताव्याख्या न्यायमञ्जरी चन्नकेशवाचार्यरचिता.
(3108) ना. 51 प.

न्यायमुक्तावलिः राघवेन्द्रयतिकृता.
(2371) ना. 93 प.
(C 957) दे. 87 प.
(C 1044) दे. 71 प.

न्यायरत्नावलिः वादिराजविरचिता.
(C 721) दे. 52 प.

न्यायविवरणम् आनन्दतीर्थकृतम्.
(C 1102) दे. 16 प.
(C 943) दे. 128 प. टीका जयतीर्थः रघूत्तमश्च. अत्र प्रथमे 1-2पादयोः जयतीर्थीया ततः रघूत्तमीया.
(C 730) दे. 101-238 प. ,, 3-4 अध्यायौ.

न्यायसुधा जयतीर्थरचिता.
(C 1117) दे. 457 प. प्रथमोऽध्यायः.
(C 1109-11) दे. 346+113+95 प. ,, 1-3 अध्यायाः.
(C 1061) दे. 566+111+32 प. चतुर्थे तृतीयपादसमाप्त्यन्ता.
(C 1062) दे. 167+411+494 प. यदुपतिविरचितटिप्पणयुता आदितः द्वितीये द्वितीयपादसमाप्त्यन्ता.
(C 958) दे. 213+407–771 प. यदुपतीया टिप्पणी प्रथमोऽध्यायः.
(C 1308) दे. 238 प. ,, प्रथमे प्रथमः पादः.
(2192) ना. 212 प. कुण्डलगिरीया. टिप्पणी. आनन्दमयाधिकरणान्ता.
(C 699) दे. 88 प. तिम्मणार्यकृता. जिज्ञासाधिकरणम्.
(2434) ना. 240 प. राघवेन्द्रयतिविरचितं परिमलम्. प्रथमोऽध्यायः.
(C 1306) दे. 227 प. ,, द्वितीयोऽध्यायः.
(2382) ना. 223 प. रामचन्द्रयतिविरचिता प्रथमोऽध्यायः.
(A 255) दे. 233 प. वादिराजीया. गुर्वर्थदीपिका. द्वितीयाध्याये द्वितीयपादतस्समग्रा.
(C 689) दे. 458 प. श्रीनिवासतीर्थीया. टिप्पणी. समग्रा.

(C 938) दे 66 प. वाक्यार्थचन्द्रिकाख्यायाः टिप्पण्याः व्याख्या. अस.

न्यायाध्वदीपिका विजयीन्द्रकृता.

(3043) ग्र. 66 प.

न्यायामृतम् व्यासतीर्थरचितम्.

(2207) ना. 150 प.

(C 959) दे. 101 प प्रथमः परिच्छेदः.

(2933) आ. 121+37 प. 3 परिच्छेदाः.

(2194) ना. 188 प विजयीन्द्रविरचितः न्यायामृतामोदः शिथिलः.

(A 319) दे. असमग्रः.

(2431) ना. 148 प. रामाचार्यविरचिता न्यायामृततरङ्गिणी. आदितः. विश्वमिथ्यात्वानुमानभङ्गान्ता.

(2247) ना. 177 प. तरङ्गिणीव्याख्या सौरभाख्या समग्रा.

(A 320) क. 366 प ,, ,, ,,

(C 965) दे. 100 प श्रीनिवासतीर्थीया टिप्पणी.

(C 940) दे. 40 प. कण्टकोद्धाराख्या टिप्पणी.

(2989) ना. 90 प. यादवेन्द्रीया टिप्पणी अस.

(3087) ना 208 प. कुण्डलिगिरीया टिप्पणी अस.

पञ्चसंस्कारसंग्रहः वेङ्कटकृष्णीयः.

(C 1272) दे. 106 प.

पञ्चसंस्कारसन्माला रङ्गयतिकृता.

(2550) ना. 12-102 प.

पदार्थसङ्ग्रहः पद्मनाभसूरिविरचितः.

(C 717) दे. 20 प.

(C 718) दे. 324 प. अनन्तसूरिकृता व्याख्या.

परतत्त्वप्रकाशिका विजयीन्द्रकृता.

(C 939) दे. 49 प. असमग्रा.

पाषण्डखण्डनम् वादिराजकृतम.

(C 722) दे. 8 प.

पुरुषसूक्तव्याख्या राघवेन्द्रीया.
(2978) ना. 18 प.

प्रमाणपद्धतिटीका विठलभट्टविरचिता.
(2377) ना. 223 प.

प्रमाणलक्षणटीका जयतीर्थविरचिता.
(2378) ना. 32-76 प.
(1039) दे. 31 प.
(C 1092) दे. 59 प.
(3108) ना. 51 प. चन्नकेशवाचार्यविरचिता न्यायमञ्जरी (न्यायकल्पलताव्याख्या)
(C 1280) दे. 13-37 प. गूढकर्तृका टिप्पणी.
(A 362) दे. 68 प. पाण्डुरङ्गीया टिप्पणी.
(2974) ना. 69-70 प. पद्मनाभतीर्थीया.

प्रमेयनिर्णयः रघुनाथार्यरचितः.
(C 1292) दे. 10 प.

प्रमेयमाला श्रीनिवासीया.
(C 1302) दे. 37 प.
(3126) ना. 158-182 प. वेङ्कटभट्टीयव्याख्या.

प्रश्नोपनिषद्भाष्यटीका जयतीर्थीया.
(C 1037) दे. 25 प.
(C 869) दे. 24 प. टिप्पणं ताम्रपर्णीश्रीनिवासाचार्यकृतम्.

प्राणाग्निहोत्रक्रमः.
(B 744) दे. 12 प.

बृन्दावनाख्यानं वादिराजीयम्.
(3090) ना. 89 प. 5 अध्यायाः.
(A 288) दे. 29 प.
(C 977) दे. 137 प.

बृन्दावनाख्यानप्रामाण्यप्रबोधनम् रघुवरकृतम्.
(C 727) दे. 32 प.

बृहदारण्यकभाष्यम् आनन्दतीर्थीयम्.

(C 1307) दे. 130 प

(C 948) दे. 96 प. टीका व्यासतीर्थीया.

(B 516) दे. 352 प. ,,

(2430) ना. 188 प. रघूत्तमयतिकृतः भावबोधः.

ब्रह्मसूत्रदीपिका जगन्नाथयतिकृता.

(2193) ना. 98 प.

ब्रह्मसूत्रभाष्यं आनन्दतीर्थविरचितम्.

(C 1108) दे. 105 प.

(C 1116) दे. 66-160 प. टीका तत्त्वप्रकाशिका जयतीर्थीया. 2-4अ.

(2400) ना. 154 प. टिप्पणी प्रमेयमुक्तावळी विठलसुतश्रीनिवासीया.

(C 1057) दे. 102 प. वादिराजीया गुर्वर्थदीपिका.

(A 328,350) दे. 387+155 प. ताम्रपर्णीश्रीनिवासीया टिप्पणी.

(A 354) दे. 196 प सुमतीन्द्रतीर्थीया टिप्पणी.

(2968) ना. 34 प. त्रिविक्रमाचार्यकृता टीका (संक्षिप्ता.)

भगवद्गीतातात्पर्यटीकाटिप्पणी.

(2969) ना. 35-58 प. पद्मनाभतीर्थीया.

(2348) ना. 138 प. (ताम्रपर्णीया) श्रीनिवासविरचिता न्यायदीपकिरणावळी 1-8 अध्यायाः.

(A 293) दे. 287 प. ,,

(2391) ना. 55 प. सत्यप्रज्ञभिक्षुविरचितः न्यायदीपभावप्रकाशः.

भगवद्गीताभाष्यं आनन्दतीर्थप्रणीतम्.

(1099) दे. 66 प.

(C 1275) दे. 72 प.

(C 1085) दे. 55+106 प. जयतीर्थीया टीका. प्रमेयदीपिका.

(C 963) दे. 70 प. उम्मर्जीया प्रमेयदीपिकाव्याख्या भावप्रकाशाख्या 1-2 अध्यायौ.

(C 941) दे. 91-188 प. ,, 3-18 अध्यायाः.

(1055) दे. 49+41 प. भाष्यभावबोधः रघूत्तमयतिकृतः.

(1056) दे. 111 प. नृसिंहमूर्तिविरचिता टिप्पणी.

(A 285) दे. 198 प. ,, ,,

(A 252) दे. 354 प. सुमतीन्द्रकृतः भावरत्नकोश 4-9 अध्यायाः.

(A 253) दे. 355 प. ,, 10-18 अध्यायाः.

(3088) ना. 159 प. ,, समग्रा.

(A 289) दे. 229 प (भावप्रकाशः) उम्मजींयकृष्णरचितः.

(C 870) दे. 236 प. ,, ,, ,,

भगवद्गीताविवरणम् विद्याधिराजभट्टोपाध्यायकृतम्.

(2982) ना. 49 प.

भगवद्गीताविवृतिः राघवेन्द्रतीर्थीया.

(2806) ना. 154 प.

(C 1298) दे. 252 प.

भागवततात्पर्यटीका छलारीया.

(A 305) दे. 156 प. दशमस्कन्धः.

भेदोज्जीवनटिप्पणी.

(C 1281) दे. 19 प. मुद्गलानन्दतीर्थीया.

(C 1288) ना. 29 प. कुम्भारिवासुदेवीया भेदचन्द्रिका.

(C 1310) दे. 47 प. ,,

(C 944) दे. 82 प. व्याघ्रपुरीश्रीनाथकृता.

(B 542) दे. 124 प. शर्कराश्रीनिवासकृता.

(C 700) दे. 54 प. तिम्मणाचार्यकृता.

मध्वतन्त्रमुखभूषणं विजयीन्द्रकृतम्.

(C 824) दे. 32 प.

(C 954) दे. 31 प. प्रथमाधिकरणम्.

मन्त्रजपविधिः.

(C 1076) दे. 14 प.

महाभारततात्पर्यनिर्णयः आनन्दतीर्थविरचितः.

(2187) आ. 236-492 प. एकविंशाध्यायमारभ्य समग्रः.

(B 390) दे. 500 प. श्रीनिवासरचिता व्याख्या प्रमेयमणिमाला. 32 अध्यायाः.

(3213) ना. 43 प. वरदराजीया. 3 अध्यायाः.
(C 1286) दे. 46 प. ,, ,,
(3214) ना. 118 प. ,, 24-32 अध्यायाः.
(2998) ना. 37-127 प. ,, 19-32 अध्यायाः.
(C 999) दे. 51+103 प. वादिराजीयटीका.
(3134) आ. 460 प. जनार्दनभट्टीया टीका.
(3089) ना. 84 प. जंखण्डिनृसिंहीयः टीकासंग्रहः प्रथमाध्यायः.

माण्डूक्योपनिषद्भाष्यटीका
(C 1310) दे 22 प. व्यासतीर्थविरचिता.
(B 518) दे. 33 प. ,,
(B 365) दे. 202 प. कृष्णाचार्यविरचिता (उम्मर्जीया.)

मायावादखण्डनटीका जयतीर्थरचिता.
(2378) ना. 102-106 प.
(2974) ना. 71-73 प. पद्मनाभतीर्थीया टिप्पणी.

मिथ्यात्वानुमानखण्डनटीका जयतीर्थरचिता.
(2378) ना. 90-102 प.
(C 1004) दे. 23 प. गुरुराजीया टिप्पणी.
(2974) ना. 75-76 प. पद्मनाभतीर्थीया टिप्पणी.

मुक्तिमुक्तावली वरखेडश्रीनिवासाचार्यकृता.
(C 945) दे. 21 प.

मुण्डकभाष्यटिप्पणी उम्मर्जीकृष्णाचार्यकृता.
(C 1003) 119 प.
(C 1035) दे. 122 प.

याज्ञिक्युपनिषद्भाष्यम् धीरेन्द्रकृतम्.
(C 827) दे. 102 प.

युक्तिमल्लिका वादिराजविरचिता.
(C 716) दे. 280 प.

वाक्यार्थरत्नमाला न्यायसुधाटिप्पण्याः वाक्यार्थचन्द्रिकायाः व्या.
(C 938) दे. 66 प. असमग्रा.

वादरत्नावली विष्णुदासार्यकृता.
(3068) आ. 27 प.

विरोधोद्धारः ताम्रपर्णीश्रीनिवासीयः.
(C 1313) दे. 46 प.

विष्णुतत्त्वनिर्णयः आनन्दतीर्थीयः.
(C 1098 दे. 132 प.
(C 1045) दे. 172 प. जयतीर्थीयटीका.
(C 1046) दे. 405 प. श्रीनिवासतीर्थीया टिप्पणी.
(2435) ना. 134 प. ,,
(2393) ना. 156 प. ,,
(A 382) दे. 257 प. तत्त्वज्ञस्वामीया टिप्पणी.
(C 1036) दे. 93 प. रघूत्तमयतिविरचितः भावबोध .
(2974) ना. 82-102 प. पद्मनाभतीर्थीया टिप्पणी.
(3091) ना. 32 प. टीकोपन्यासः.

वेदान्तशास्त्रसारः.
(C 972) दे. 8 प.

शेषचन्द्रिका रघुनाथयतिकृता.
(1927) आ. 340 प. तृतीयाध्याये 3-4 पादौ.

श्रुतितत्त्वप्रकाशिका वादिराजविरचिता.
(C 724) दे. 28 प.

श्रुतिसिद्धान्ततत्त्वरत्नप्रकाशः रामाचार्यकृतः.
(C 947) दे. 128 प.

सत्तत्त्वरत्नमाला विठलसुतानन्दतीर्थविरचिता.
(C 829) दे. 17 प.
(C 975) क. 34 प.
(C 826) दे. 213 प. ,, व्याख्या.
(C 976) क. 274 प. ,, ,,
(2983) ना. 104 प. ,, ,,

सिद्धान्तपरीक्षा.
(3109) ना. 63 प. असमग्रा.

हरिभक्तिकल्पलता वादिराजकृता.
(C 726) दे. 25 प.

XXIV. शैवम्.

कालहस्तीशविलासः.
(2887) दे. 68 प.

जीवन्मुक्तिः सेन्द्रनाथकृता.
(B 819) क. 9 प.

तत्त्वोपदेशः.
(B 767) क. 108-140 प.

नागानन्दसूत्रवृत्तिः.
(B 370) क. 14 प. मनस्तत्त्वविचारणान्ता.

प्रयोगसारः.
(B 776) क. 26 प.

मुक्तिसोपानं सेन्द्रनाथीयम्.
(B 819) क. 9 प.

रौरवसूत्रसंग्रहः.
(B 776) क. 26-47 प.

शिवकर्णामृतं अप्पयदीक्षितकृतम्.
(2846) ग्र. 30 प.

शिवगीताव्याख्या परशिवेन्द्रसरस्वतीविरचिता.
(A 295) ग्र.

शिवसूत्रवार्तिकम्.
(B 371) आ. 113 प. सप्ताह्निकानि.

शिवाद्वैतनिर्णयः अप्पयदीक्षितकृतः.
(C 1170) दे. 55 द.

शिवाद्वैतमञ्जरी स्वप्रभानन्दनाथीया.
(B 751) क. 75 प.

शिवाधिक्यप्रामाण्यसमर्थनं नागदेवसूरिकृतम्.
(2543) ना. 109 प.

शिवार्कमणिदीपिका अप्पयदीक्षितकृता.
(A 254) दे. 136 प. श्रीकण्ठभाष्यटीका चतुस्सूत्री.

सिद्धान्तपरिभाषा सूर्यनारायणकृता.
(3086) आ. 214-238 प.

स्वायम्भुवसूत्रसंग्रहः.
(B 776) क. 47-90 प.

XXV. वीरशैवम्.

अनादिवीरशैवसंग्रहः सिद्धरेवणार्यकृतः.
(A 332) क. 731 प. कर्णाटटीकायुतः.

न्यायशतकं रामेश्वरमखिकृतम्.
(B 772) क. 24 प.

बसवराजीयं पाल्गुरिकेसोमाराध्यकृतं सकर्णाटटीकम्.
(A 356) क. 36 प.

वीरशैवधर्मशिरोमणिः षडक्षरीदेवविरचितः.
(A 321) क. 156 प.

वीरशैवसंजीविनी बसवभूपकृता पञ्चश्लोकीव्याख्या.
(B 703) क. 210 प.

वीरशैवाचारकौस्तुभः मौनप्पाचिद्वत्कृतः.
(C 703) क. 114 प. 19 प्रकरणानि.
(B 736) क. 145 प. असम.

वृषभेन्द्रविजयः शङ्कराराध्यविरचितः.
(2523) क. 100 प.

वेदान्तसारवीरशैवचिन्तामणिः (वीरशैवसारोद्धारः.)
(A 267) क. 110 प. उत्तरखण्डस्समग्रः.

शिवप्रसङ्गरत्नाकरः (गीताशास्त्रसारः.)
(A 390) क. 298 प.

शिवयोगप्रदीपिका बसवाराध्यरचिता.
(A 363) क. 140 प. सकर्णाटटीका.

शिवाधिक्यचिन्तामणिः रेणुकाचार्यकृतः.
(2789) आ. 69 प.

शिवाधिक्यशिखामणिः रेणुकाचार्यरचितः.
(A 294) क. 160 प. वीरणाराध्यरचितकर्णाटटीकायुतः.

शिवाधिक्यसुधार्णवः.
(2932) आ. 37 प. 6 उपदेशाः.

श्रुतिसारभाष्यम्.
(B 830) आ 48 प.

संगमेश्वरविलासभाष्य संगमेश्वरकृतम्.
(A 375) क. 539 पु.

सिद्धान्तशिखामणिः (वीरशैवधर्मनिर्णयः.)
(A 317) क. 138 प. पूर्वभागः.

XXVI. वल्लभग्रन्थः.

तत्त्वदीपप्रकाशावरणभङ्गः पीताम्बरविरचितः.
(B 808) क. 192 प.

XXVII वैदिकं दर्शनान्तरम्.

प्रत्यभिज्ञानासूत्रविमर्शिनी अभिनवगुप्तविरचिता.
(B 818) क. 107 प. असमग्रा.

शाक्तसूत्रं अगस्त्यकृतम्.
(2100) आ. 7 प.

शाण्डिल्यभाक्तिसूत्रवृत्तिः स्वप्नेश्वरविरचिता.
(2620) ग्र. 34 प.

XXVIII. जैनम्.

अकलङ्कसंहिता.
(1926) क. 179 प.

आत्मसिद्धिः (प्रमेयकमलमार्ताण्डे.)
(B 396) आ. 8 प.

चतुर्विंशतितीर्थकराराधना.
(B 728) क. 86 प.

जिनसहस्रनामस्तोत्रम्.
(1935) क. 169-180 प.

तत्त्वार्थाधिगमः.
(1935) क. 145-168 प.

द्रव्यसंग्रहः नेमिचन्द्ररचितः.
(3123) क. 60 प. सकर्णाटटीकः.

धर्मपरीक्षातात्पर्यम्.
(3122) ग्र. 155 प. (मणिप्रवाळम्.)

नेमिचन्द्रसंहिता.
(1925) क. 162 प.

प्रतिष्ठासंग्रहः वसुनन्दिसैद्धान्तिकरचितः.
(A 392) आ. 20 प.

प्रवचनसारोद्धारः सिद्धसेनविरचितः.
(C 882) दे. 424 प.

प्रश्नोत्तरोपासकाचारः सकलकीर्तिकृतः.
(B 730) दे. 28-110 प. 8-20 अध्यायाः.

ब्रह्मसूरिसंहिता.
(1925) क. 163-191 प.

महाविद्योद्धारः श्रीकल्पकौस्तुभः.
(B 729) आ. 19 प.

शान्तनाथचरितं भावचन्द्रकृतम्.
(C 878) दे. 107 प.

सप्तभङ्गीतरङ्गिणी.
(C 1164) आ. 26 प.

सहस्रनामाराधना.
(B 728) क. 87-154 प.

XXIX. इतरसामयिकग्रन्थाः.

दुर्जनचपेटिका काशिनाथकृता.
(C 735) आ. 3 प. देवीभागवतस्यैव भागवतत्वव्यवस्थापिनी समग्रा.

मतभेदचन्द्रिका रङ्गनाथशास्त्रीया.
(2877) ना. 54 प.

वाधूलवंशपरम्परा.
(B 541) आ. 60 प.

वैदिकविजयध्वजः.
(B 725) क. 67 प.

वैदिकाचारनिर्णयः.
(2849) आ. 36 प.

वैश्यवंशसुधाकरः कोलाचलमल्लिनाथकृतः.
(1894) आ. 24 प. (आन्ध्रभाषारूपः.)

शास्त्रविरुद्धाचारखण्डनं कृष्णमाचार्यकृतम्.
(2921) ग्र. 11+10 प.

शिवतत्त्वरत्नाकरः बसवभूपसंगृहीतः.
(2557) ना. 279 प. आदितः षष्ठे कल्लोले दशमतरङ्गसमाप्त्यन्तः.
14-79, 223-230 पत्रलोपः.

सहस्रर्षिगोत्राध्यायः.
(1895) आ. 79-91 प. (वैश्यानां गोत्रादिनामानि.)

सिद्धान्तसारसमुच्चयः.
(2850) ना. 194 प.

XXX मन्त्रशास्त्रम्.

अण्डाण्डपिण्डाण्डचक्रैक्यम्.
(B 664) क. 62-63 प.

अनुत्तरम्.
(B 637) ना. 7 प.

आकाशभैरवकल्पः महाशैवतन्त्रम्.
(B 646) क. 39+54 प.
(2592) ग्र. 100 प. शरभसाळ्वपक्षिराजकल्पः.

आपदुद्धारकमन्त्रः.
(C 696) आ. 2 प.

आम्नायपारायणविधिः.
(C 1011) क. 29 प.

आम्नायस्तोत्रम्.
(B 634) ना. 29 प.
(B 639) ना. 47 प.

उद्धारकोशः दक्षिणामूर्तीयः.
(3250) आ. 19 प.

उपदेशसर्वस्वसंग्रहः नारायणकृतः.
(3005) ग्र. 22+37 प.

ओड्डीशशास्त्रम्.
(2514) ग्र. 35 प.

कामकलाविलासः पुण्यानन्दकृतः.
(2175) आ. 15 प.

कामकलाव्याख्या चिद्वल्ली नटनानन्दरचिता.

(2888) ना. 47 प.

कार्तवीर्यार्जुनदीपविधिः,

(B 653) क. 22 प.

कोष्ठलक्षणम्.

(2149) ग्र. 8 प.

कौलविवाहविधिः कुलार्णवोक्तः.

(2517) ग्र. 6 प.

कौलश्राद्धविधिः.

(2517) ग्र. 1 प.

क्रमदीपिका.

(3136) ग्र. 31-49 प.

(3136) ग्र. 50-75 प. व्याख्या भावदीपिका नित्यप्रज्ञपुरुषोत्तमरचिना.

क्रममालिका.

(3136) ग्र. 76-114 प.

क्षुद्रमन्त्राः.

(2365) ग्र. 17+21 प. (द्राविडभाषारूपाः.)

खड्गरावणादिमन्त्राः.

(B 679) दे. 22-60 प.

गणपतिकल्पः (नित्योत्सवाभिनवः) उमानन्दनाथविरचितः.

(C 798) दे. 21 प.

(C 696) दे. 3 प.

(C 795) दे. 48 प. रुद्रयामलोक्तः.

(2210) आ. 154 प. ,,

गण्डभेरुण्डमन्त्रः.

(C 860) क. 8 प.

गरुडमन्त्रः.

(B 545) क. 14-17 प.

गायत्रीकल्पः (वसिष्ठसंहिता.)

(B 348) आ. 95 प.
(C 797) आ. 42 प.
(B 352) क. 40 प.
(2927) ग्र. 6 प.
(C 696) दे. 3 प. यन्त्रम्.

गोपालतापनीयदीपिका विश्वेश्वरानन्दीया.

(3136) ग्र. 17 प.

गोपालमन्त्रः (सनत्कुमारसंहिता.)

(C 696) आ. 4 प.
(3136) ग्र. 115-123 प. स्तोत्रादिकं च.

चण्डिकापद्धतिः.

(B 669) ना. 15 प.

चण्डीपूजाविधिः.

(B 666) ना. 13 प.

चण्डीविधानं वाराहीतन्त्रम्.

(B 658) ना. 143 प.
(B 710) आ. 88 प.

चिद्गगनचन्द्रिका कालिदासकृता.

(B 368) क. 46 प. 272 श्लोकाः.

जातवेदसकल्पः.

(B 623) आ. 5 प.

जालन्धरतन्त्रम्.

(C 739) आ. 16 प. 9-19 पटलाः.

डामरकल्पः (नवार्णान्यासारः.)

(1902) आ. 31-93 प.
(1901) ग्र. 39 प. 13 अध्यायाः.

तान्त्रिकाग्निमुखप्रयोगः (शारदातिलके.)
(C 773) दे. 9 प.

ताराभक्ततरङ्गिणी.
(B 706) आ. 10 प. असमग्रा.

त्रिकूटारहस्य रुद्रयामलम्.
(B 630) क. 46 प.
(B 632) क. 22 प. 16 पटलाः

त्रिशतीभाष्यं शंकराचार्यकृतम्.
(2593) ग्र. 47 प.

त्रैलोक्यमोहनकवचम्.
(B 648) क. 6 प.

त्र्यम्बककल्पः वासिष्ठः.
(3159) ग्र. 19 प.

दक्षिणामूर्तिकल्पः.
(B 616) क. 19-40 प.

दक्षिणामूर्तिसंहिता.
(B 571) क. 107 प.

दत्तात्रेयकल्पः.
(2028) आ. 24 प.
(C 843) ना. 59 प. 2-4 पत्रलोपः असमग्रः.

दीक्षाविधिः परमानन्दतन्त्रगतः.
(2270) ग्र. 22 प.
(B 610) दे. 15 प.

दुर्गामन्त्रः
(B 686) ना. 18+5 प.

दुर्गाविश्वचालनविधानम्.
(B 577) ना. 20-88 प.

देवताध्यानसङ्ग्रहः.

(C 1086) दे. 53 प.

देवीपूजाविधिः.

(2350) ग्र. 63-174 प.

(2368) ग्र. 38 प.

(2592) ग्र. 161-170 प.

देवीमन्त्रसङ्ग्रहः.

(2153) ना. 26 प.

देवीसूक्तं रुद्रयामलप्रोक्तम्.

(C 1133) दे. 13 प.

नारायणीयं मन्त्ररहस्यम्.

(1908) ग्र. 25-101 प.

(2085) ग्र. 111 प.

नित्योत्सवनिबन्धः उमानन्दनाथविरचितः.

(2520) ग्र. 3-36 प. सप्तमोल्लासः.

निधिप्रदीपिका.

(B 802) क. 10 प.

नृसिंहकल्पः ज्ञानार्णवः.

(B 647) क. 62 प.

न्यासप्रकरणम्.

(B 682) ना. 11 प.

पुरश्चर्यापद्धतिः.

(C 779) दे. 20 प.

पुरुषसूक्तयन्त्रम्.

(2347) ग्र. 1 प.

प्रतिक्रियास्तोत्रम्.

(B 641) क. 4 प.

प्रत्यङ्गिराकल्पः शूलपाणिसंगृहीतः.

(C 696) आ. 4 प.
(2357) ग्र. 25 प.
(2363) ग्र. 63 प.
(B 684) ना. 24+8 प.

प्रपञ्चसारः.

(A 400) क. 143 प.
(A 377) क. 262 प. टीका (सम्बन्धदीपिका) उत्तमबोधीया.

प्रपञ्चसारसंग्रहः गीर्वाणेन्द्रविरचितः.

(2342) ग्र. 185 प. 1—11 पटलाः.
(3275) ग्र. 191 प.

बगलाब्रह्मास्त्रम्.

(2590) ना. 16 प.

बालापद्धतिः पूर्णानन्दरचिता.

(2665) आ. 12 प.

बालामन्त्रः.

(2028) आ. 16-38 प.

बिन्दुसूत्रं. भैरवानन्दरचितम्.

(2626) ग्र. 2 प. 2 अध्यायौ.

भगवद्गीतादिमन्त्राः.

(2190) आ. 32+32 प.

भुवनेश्वरीकल्पः.

(B 616) क. 18 प. असमग्रः.

मन्त्रचिन्तामणिः आदिनाथीयः.

(B 801) ना. 8 प. 2 पटलौ.

मन्त्रदेवताप्रकाशिका.

(1862) ग्र. 79 प. 30 पटलाः.

मन्त्रमहोदधिः महीधरकृतः.

(3250) आ. 20-72 प.

(C 774) दे· 10 प. द्वितीयस्तरङ्गः.

मन्त्रोद्धारशतकम्.

(1899) ग्र. 25 + 46-51 प. केशवादिमन्त्राश्च.

महायागविधिः आनन्दतन्त्रगतः.

(2517) ग्र. 6-10 प.

महालक्ष्मी रत्नकोशः परमेश्वरः.

(3017) ग्र. 130 प. 1-38 अध्यायः.

मातृकास्तोत्रम् आकाशभैरवकल्पः.

(B 642) क. 3 प.

यक्षिणीविधानम्.

(2469) ग्र. 20 प.

योगिनीहृदयं वामकेश्वरतन्त्रोक्तम्.

(B 369) क. 24 प.

(B 568) क. 25 प.

(B 568) क. 265 प. अमृतानन्दरचिता टीका.

रक्तेश्वरीप्रलयाग्निशरभगरुडमन्त्राः.

(2270) ग्र. 11 प.

(B 668) ना. 8 प.

रसरत्नाकरः (मन्त्रखण्डः)

(1886) ग्र. 46 प. 1-20 उपदेशाः.

राजराजेश्वरीध्यानम.

(2734) ग्र. 93-96 प.

(3160) ग्र. 40 प. पूजाविधिश्च.

रामकवचम्.

(B 673) दे. 6 प.

रामतापिन्युपनिषद्व्याख्या.

(2942) ना. 17+13 प. रामयतिकृता.

(A 335) क. 37 प. आनन्दवनयतिकृता.

राममन्त्रकल्पः.

(B 775) आ. 24 प.

रामार्चनचन्द्रिका आनन्दवनयतिकृता.

(1961) ना. 34-66 प. 3 पटलाः.

(2176) आ. 24 प. ,,

लक्ष्मीनारायणहृदयम्.

(B 667) ना. 28 प.

ललितापञ्चशती.

(C 1138) क. 10 प.

ललितासहस्रनामभाष्यम्.

(1898) आ. 42 प. भास्कररायकृतम्.

(2066 आ. 178 प. ,,

(2468) आ. 89 प. विद्यारण्यकृतम्.

(2593) ग्र. 74 प. भट्टनारायणकृतम.

वरिवस्यारहस्यं भास्कररायकृतम्.

(B 372) आ. 14 प.

वशीकरणमन्त्रः.

(B 674) दे. 4 प.

वायुस्तुतिपुरश्चरणपद्धतिः.

(C 1139) दे. 10 प.

वीरभद्रादिकवचम्.

(1938) ना. 21 प. (वीरभद्र हनुमत्-नृसिंह-राम-हनुमन्मालामन्त्राश्च.)

शरभकल्पः.

(2317) ग्र. 33 प.

(B 651) दे. 15 प.
(2592) ग्र. 160 प.

शारदाकल्पः
(2701) ना. 5 प.

शूलिनीकल्पः.
(B 577) ना. 20 प.

श्रीचक्रार्चनपद्धतिः.
(C 796) आ. 46 प.
(B 633) क. 20 प.
(B 661) ना. 8 प.
(B 675) ना. 29 प.

श्रीविद्यामन्त्रभाष्यं. अगस्त्यकृतम्.
(2063) आ. 10 प.
(B 603) ना. 18 प.
(B 698) आ. 6 प.

श्रीविद्यामन्त्रविधिः.
(2063) आ. 59 प.
(B 652) दे. 15 प.

श्रीविद्याविलासः. गगनानन्दरचितः.
(B 724) क. 171 प. 1—5 विलासाः.

श्रीसूक्तकल्पः.
(2349) ग्र. 17—19 प.
(B 768) क. 9 प.
(B 697) आ. 10 प.

सरस्वतीकल्पः.
(2511) ना. 18 प.

सर्वशान्तिस्तवः (विश्वचालनतन्त्रम्).
(2595) ग्रं. 4 प.

साङ्ख्यायनतन्त्रम्.

(1896) आ. 58 प.

सुदर्शनकल्पः अगस्त्यकृतः.

(3232) ग्र. 66 प.

सुदर्शनकल्पसारसमुच्चयः. दूर्वासः कृतः.

(2114) आ. 33 प.
(1908) ग्र. 24 प.

सुब्रह्मण्यमन्त्रः

(2347) ग्र. 1 प.

सुरेन्द्रसंहिता. (पञ्चरात्रागमः).

(2028) आ. 27 प. 22 पटलाः.

सूर्यपूजादिमन्त्रसंग्रहः.

(2706) ना. 45 प.

सेतुबन्धः. भास्करराजकृतः.

(A 265) आ. 177 प. नित्याषोडशिकातन्त्रव्याख्या 5 पटलाः.
(A 266) आ. 198 प. ,, 6—8 पटलाः.
(A 340) आ. ,, 6 पटलतः.

सौभाग्यकवचं. वामकेश्वरतन्त्रम्.

(B 640) क. 5 प.

सौभाग्याचिन्तामणिः. महेश्वरः.

(2521) ग्र. 143 प. (अयं ग्रन्थः 52 पटलात्मकः) 29 पटलाः.

सौभाग्यरत्नाकरः. श्रीविद्यानन्दनाथकृतः.

(B 635) ना. 16 प.
(B 569) क. 17+46 प.

सौभाग्यसुधोदयः. अमृतानन्दनाथकृतः.

(B 367) आ. 14 प. 6 प्रपञ्चाः.

स्वच्छन्दपद्धतिः. मधुसूदनसच्चिदानन्दकृता.
(C 783) आ. 50 प.

हनुमत्कवचम्.
(B 671) आ. 8 प.

XXXI आगमः.

(1) पाञ्चरात्रम्.

अहिर्बुध्न्यसंहिता.
(A 290) क. 205 प.

ईश्वरतन्त्रव्याख्या अळशिङ्गभट्टकृता.
(B 534) आ. 128 प.

ऋषिरात्रं ब्रह्मसंहिता.
(1988) ग्र. 42 प. 10 अध्यायाः.

पाद्मसंहिता.
(1853) ग्र. 33 + 33 प.
(2550) आ. 13 प. (प्रतिष्ठाविधिः.)

पारमेश्वरसंहिता.
(2369) ग्र. 205 प. प्रतिष्ठापद्धतिः.

प्रतिष्ठापद्धतिः.
(B 794) आ. 82 प.

ब्रह्मोत्सवादिप्रयोगः.
(1993) ग्र. 30 प.
(2151) क. 16-169 प.

सात्त्वतसंहिताव्याख्या अळसिङ्गभट्टकृता.
(3058) ग्र. 32-63 प. 8-25 अध्यायाः.

(2) वैखानसागमः.

वैखानससूत्रं मरीचिप्रोक्तम्.
(1921) ग्र. 163 प. 45 पटलाः

सन्धानसेवा.

(2515) ग्र. 33 प. कर्णाटटीकायुता.

(3) शैवागमः.

कालोत्तरागमः (सार्धत्रिशतिका).

(B 783) क. 90-117 प. 27 पटलाः.

किरणतन्त्रम्.

(B 812) क 31 प. ज्ञानपादः.

जीर्णोद्धारदशकम्. सव्याख्यम्.

(2596) ग्र. 97 प.

परागमः (परातन्त्रम्.)

(B 785) क. 151-189 प

(B 811) क. 10 प. ज्ञानपादः.

पौष्करागमः.

(B 813) क. 54 प. ज्ञानपादः.

मृगेन्द्रोत्तरागमः.

(B 784) क. 121-149 प.

रथोत्सवादिविधिः.

(2571) क. 11 प.

शिवार्चनचन्द्रिका. वेल्लूरधीशचिन्नबोम्मविभुकारिता.

(2629) ग्र. 98 प.

शैवागमनिबन्धः.

(C 1027) ना. 43 प.

(3199) ग्र. 107-146 प.

सिद्धान्तशेखरः. विश्वनाथरचितः.

(2571) ना. 140 प.

XXXII निघण्टुः.

अनेकार्थध्वनिमञ्जरी (शब्दरत्नप्रदीपः.)
(1997) म. 12 प.
(2237) आ. 81-84 प.

अनेकार्थमञ्जरी.
(A 291) दे. 5 प.

अनेकार्थरसमञ्जरी.
(C 1103) दे. 15 प. असमग्रा.

ऐन्द्रनिघण्टुः वररुचिकृतः.
(A 258) आ. 43-45 पु.

कविजनशेवधिः आदिनाथकविकृतः.
(A 259) आ. 55-57 पु.

कविसञ्जीविनीनिघण्टुः.
(A 259) आ. 25-27 पु.

त्रिरूपकोशः चणुबिल्याणकविकृतः.
(A 258) आ. 119-123 पु.

द्विरूपकोशः.
(2141) म. 16 प. धनंजयकृतः.
(A 258) आ. 91-102 प. श्रीहर्षकृतः.

धर्मराजनिघण्टुः.
(A 259) आ. 42-47 पु.

नानार्थरत्नमाला भास्करकृता.
(2141) म. 84 प.
(1847) म. 60 प.

नानार्थशब्दानुशासनम् हेमचन्द्रकृतम्.
(A 258) आ. 62-91 पु.

नाममालिका भोजराजकृता.

(A 258) आ. 24 पु.

नामलिङ्गानुशासनं अमरसिंहकृतम्.

(2017) ग्र. 69 प.

(2337) ग्र. 44 प.

(2237) आ. 81 प. अमरकोशपदविवृतिः लिंगयसूरिकृता 3यः काण्डः.

(2225) आ. 94-210 प. अमरटीकासर्वस्वं सर्वानन्दरचितम् । वनौषधिवर्गतः द्वितीयः काण्डः समग्रः.

(2308) ग्र. 89 प. ,, प्रथमः काण्डस्समग्रः.

(2036) आ. 11-116 प. अमरसुधासारः गोपालराजकृतः आदितः वारिवर्गोपक्रमान्तः.

(1981) ग्र. 350 प. भानुदीक्षितकृतसुधासहितः द्वितीयः काण्डः क्षत्रियवर्गसमाप्त्यन्तः.

(1852) ग्र. 25 प. जातवेददीक्षितकृतसुबोधनीयुतः प्रथमःकाडः.

निघण्टुसारः.

(2622) आ. 38 प.

(3220) आ. 34 प.

प्रयुक्तपदमञ्जरी ईश्वरकृष्णकाळिदासकृता.

(A 258) आ. 25-42 पु.

प्रसिद्धपदमञ्जरी मुरारिमिश्रकृता.

(A 259) आ. 50-53 पु.

भार्गवनिघण्टुः.

(A 259) आ. 65-67 पु.

भुवनप्रदीपिका सार्वभौममिश्रकृता.

(A 259) आ. 53-55 पु.

मयूरनिघण्टुः बाह्लिकेयमिश्रकृतः.

(A 258) आ. 102-119 पु.

महाकोशसुधाकरः कृष्णराजविरचितः.
(C 692) क. 18 प. प्रथमः काण्डः.

रसशब्दसरणिः.
(A 259) आ. 48-50 पु.

वरदराजनिघण्टुः.
(A 259) आ. 62-65 पु.

विदग्धचूडामणिः विठलाह्वयकृतः.
(1997) ग्र. 62 प.

विश्वप्रकाशनिघण्टुः कविराजपरमेश्वरकृतः.
(3218) आ. 87 प.

शब्दचिन्तामणिः व्यासविठलार्यकृतः.
(A 259) आ. 57-59 पु.

शब्दप्रदीपिका.
(A 259) आ. 27-59 पु.

शब्दार्थसंग्रहः शंकररायसंकलितः.
(A 315) क. प्रथमभागः.
(A 303) क. 268 पु. द्वितीयभागः.
(B 822-23) आ. 500+200 प.

श्लेषार्थपदसंग्रहः श्रीहर्षकृतः.
(A 258) आ. 45-62 पु.

सकलग्रन्थप्रदीपिका सनत्कुमारकृता.
(A 259) आ. 59-62 पु.

संयमिनाममालिका शंकरभारतीकृता.
(A 259) आ. 47-48 पु.

अनुबन्धः.

I. वेदः.

(1) संहिता.

तैत्तिरीयसंहिताभाष्यं भट्टभास्करीयम्. (3277) ग्र. 29 प. सप्तमे 4-5 प्रश्नौ.

शुक्लयजुस्संहिता (काण्वपाठः) (3325) ग्र. 178 प.

सामवेदः. (3234) ग्र. 323 प. (अत्र-प्रकृतिः. विकृतिः. ऊहः रहस्यं च अस्ति.)

,, (3243) ग्र. 221 प. आर्चिकम्.

(2) ब्राह्मणम्.

गोपथब्राह्मणम्. (3333) ग्र. 48-135 प.

तलवकारोपनिषद्ब्राह्मणम्. (जैमिनीयब्राह्मणम्.) (3320) ग्र. 106 प.

तैत्तिरीयब्राह्मणभाष्यं भट्टभास्करीयम्. (3107) ग्र. 69-75 प. तृतीयेऽष्टके चतुर्थः प्रश्नः.

मन्त्रब्राह्मणभाष्यं माधवाचार्यकृतम्. (B 872) क. 109 प.

,, (3157) ग्र. 92 प.

(3) उपनिषत्.

तलवकारोपनिषत्. (3121) ग्र. 65 प.

(4) मन्त्रसंग्रहः.

ऋक्संध्याभाष्यम्. (3096) क. 71 प.

एकाग्निकाण्डव्याख्या हरदत्तीया. (3107) ग्र. 69 प.

पारस्करगृह्यमन्त्रभाष्यं मुरारिमिश्रीयम्. (B 831) दे. 122 प.

पुरुषसूक्तव्याख्या. (3107) ग्र. 76-82 प.

संध्यामन्त्रटीका (कर्णाटभाषा.) (A 391) आ. 21-29 प.

II वेदाङ्गम्.

(1) शिक्षा.

आरण्यकशिक्षा. (B 855) ग्र. 49-59 प.

,, (B 861) ग्र. 24 प.

आरण्यक समानम्. (B 855) ग्र. 38-40 प.

,, (B 861) ग्र. 3 प.

उच्चोदर्की (B 855) ग्र. 31-32 प.

ऋक्तन्त्रम्. (A 404) ग्र. 20 प.

कालनिर्णयशिक्षाव्याख्या. (B 860) ग्र. 71-74 प.

,, (B 861) ग्र. 20 प.

गायत्रविधानभाष्यम्. (C 1309) ग्र. 10 प.

जटामणिः (B 855) ग्र. 69-76 प.

जटावलिः. (B 855) ग्र. 65-68 प.

पाणिनिशिक्षा (B 855) ग्र. 24-25 प.

प्लुतनिर्णयः. (B 857) ग्र. 67-69 प.

फुल्लसूत्रव्याख्या दीक्षितरामकृष्णीया. (A 405) ग्र. 150 पु. 7-10 प्रपाठकाः.

,, गणपतिपण्डितकृतः फुल्लपोतः. (A 395) ग्र. 221 प.

,, अजातशत्रुभट्टीया. (A 407) ग्र. 130 पु.

,, ,, (3358) ग्र. 124 प.

बृहत्सर्वानुक्रमणिका (ब्रह्मवेदमन्त्राणाम्) (3333) ग्र. 47 प.

भारद्वाजशिक्षा. (B 855) ग्र. 13-24 प.

,, **व्याख्या**. (B 853) ग्र. 46 प.

,, ,, (B 861) ग्र. 19 प.

,, ,, (3204) आ. 50 प.

यजुर्वेदसर्वानुक्रमणी यादवप्रकाशीया. (B 852) ग्र. 97 प.

याजुषभूषणम्. (B 855) ग्र. 101-156 प.

योहिप्राप्तिः. (B 855) ग्र. 46-48 प.

,, **भाष्यम्**. (B 861) ग्र. 13 प.

रावणभैट्. (B 860) ग्र. 87-90 प.

वर्णक्रमदर्पणम्. (B 855) ग्र. 60-64 प.

,, (B 855) ग्र. 12 प.

,, **मानभैरवकृतम्**. (B 856) ग्र. 84 प.

वर्णलक्षणम्. (3276) ग्र. 7 प.

वर्णसारवर्णक्रमलक्षणम्. (B 855) ग्र. 77-100 प.

वासिष्ठशिक्षा. (B 855) ग्र. 26-27 प.

,, **व्याख्या**. (B 860) ग्र. 67-70 प.

वैद्यनाथभैट्. (B 860) ग्र. 75-86 प.

व्यासशिक्षाव्याख्या वेदतैजसाख्या. (3365) आ. 64 प.

,, (3280) आ. 92-242 प.

व्याळशिक्षाव्याख्या. (B 860) ग्र. 65-66 प.

शम्भुशिक्षा. (B 855) ग्र. 4 प.

शाखासमानम्. (B 855) ग्र. 33-37 प.

शिक्षासमुच्चयः. (B 859) ग्र. 18 प.

षड्विंशतिसूत्रम्. (B 855) ग्र. 5-17 प.

सप्तलक्षणी सव्याख्या. (B 853) ग्र. 175 प.
,, (B 858) ग्र. 68 प.
,, (3279) आ. 68 प. मल्लयार्यकृता पददर्पणाख्या.
सर्वसम्मतशिक्षा. (B 855) ग्र. 18 31 प.
,, **विवरणं मञ्चिभट्टीयम्.** (B 857) ग्र. 66 प.
सर्वानुक्रमणीवृत्तिः षड्गुरुशिष्यकृता. (3293) आ. 104 प.
सामतन्त्रं सभाष्यम्. (3229) ग्र. 63+5 प.
सामदीपः (3242) ग्र. 20 प.
सिद्धान्ताशिक्षा (B 855) ग्र. 28-34 प.
,, **व्याख्या.** (B 859) ग्र. 54 प.
स्वरपञ्चाशत्. (B 855) ग्र. 41-45 प.
,, **व्याख्या** (B 860) ग्र. 65 प.
स्वरसिद्धान्तचन्द्रिका श्रीनिवासाचार्यकृता. (C 1311) दे. 107 प.
,, (3168) ग्र. 108 प.

(2) श्रौतम्.

आपस्तम्बश्रौतसूत्रदीपिका रुद्रदत्तीया. (3164) ग्र. 150 प. नव प्रश्नाः.
,, (3163) ग्र. 43-73 प. कपर्दिविरचितं चयनसूत्रभाष्यम्.
,, (3228) ग्र. 96 प. ,, ,,
,, (3163) ग्र. 91-118 प. ,, वाजपेयसूत्रभाष्यम्.
,, (3163) ग्र. 74 90 प. सुन्दरराजाविराचितं शुल्बसूत्रभाष्यम्.
,, (3163) ग्र. 43 प. करविन्दविरचितम्. ,,
आर्षेयकल्पव्याख्या वरदराजीया. (3390) ग्र. 134 प.
,, (3391) ग्र. 135 प. असमग्रा.
आश्वलायनश्रौतसूत्रम्. (3248) ग्र. 92 प.
क्षुद्रकल्पभाष्यं. श्रीनिवासदक्षितीयम्. (A 413) ग्र. 123 प. षडध्यायाः.

द्राह्यायणश्रौतसूत्रदीपः धन्विकृतः. (3348) ग्र. 188 प.

वैखानसश्रौत (कल्प) सूत्रम्. (3114) ग्र. 200 प.

(3) श्रौतप्रयोगः.

श्रौतप्रायश्चित्तसंग्रहः. (3345) ग्र. 100 प.

(4) गृह्यसूत्रम्.

आश्वलायनगृह्यसूत्रं. नारायणवृत्तियुतम्. (C 1347) ना. 83 प.
,, (3295) आ. 91 प.
,, कारिका (C 1349) ना. 35 प.
,, परिशिष्टम. (C 1348) ना. 34 प.

बोधायनगृह्यसूत्रम. (3372) ना 199 प.

(5) पितृमेधसूत्रम्.

भारद्वाजसूत्रम्. (B 852) ग्र. 17 पु.
,, व्याख्या गोपालयज्वकृता. (3346) ग्र. 28 प.

(6) गृह्यप्रयोगः.

(i) आपस्तम्बीयः.

कपर्दिकारिका (B 852) ग्र. 27 प.

(iii) आश्वलायनीयः.

आश्वलायनयल्लाजीयं. यल्लाजविरचितम्. (C 1346) ना. 119 प.

प्रयोगपारिजातः नृसिंहविरचितः. (3371) ना. 111 प. आह्निककाण्डः.
,, (3370) आ. 85 प. श्राद्धकाण्डः.

(v) बोधायनीयः.

प्रयोगचूडामणिः अपरप्रयोगः. (3373) ना. 120 प.

प्रयोगमणिमाला नृसिंहरचिता. (3374) ना. 181 प.

(7) धर्मसूत्रम्.

गौतमधर्मसूत्रव्याख्या मस्कारिरचिता. (3319) ग्र. 74 प. 23 अ.

,, मिताक्षरा हरदत्तीया. (C 1328) दे. 157 प.

III स्मृतिः.

(1) मूलस्मृतिः.

याज्ञवल्क्यस्मृतिः विज्ञानेश्वरीयमिताक्षरायुता. (3344) ग्र. 338 प.

(2) निबन्धः.

अघनिर्णयः पञ्चनदेशरचितः. (B 862) ग्र. 30 प.

अभिनवषडशीतिः सुब्रह्मण्यविरचिता. (3291) आ. 79 प.

कालनिर्णयः माधवीयः (3369) ना. 165 प.

पञ्चसंस्कारविधिः. (B 848) आ. 19 प.

पराशरमाधवीयम्. (3393) ग्र. 115 प. 1-2 अध्यायौ.

,, (3368) ना. 104 प. तृतीयोऽध्यायः.

,, (3378) ग्र. 28-214 प. 6-12 अध्यायाः.

प्रयोगपारिजातः नृसिंहविरचितः (3371) ना. 111 प. आह्निककाण्डः.

.. (3370) आ. 85 प. श्राद्धकाण्डः.

व्रतसंग्रहः शौनकादिरचितः. (3329) ना. 162 प.

स्मृतिकौमुदी (3285) आ. 309 प. असमग्रा.

स्मृतिभास्करः भट्टनीलकण्ठविरचितः. (3328) आ. 186 प. समयाचारश्राद्धमयूखाः.

स्मृतिसंग्रहः विद्यारण्यविरचितः. (3323) आ. 120 प. विवाहान्तः.

स्मृत्यर्थसागरः नृसिंहविरचितः. (3362) ना. 69 प.

IV इतिहासः.

महाभारतं व्यासविरचितम्. (3290) आ. 258 प. अरण्यपर्व.
,, (3397) ग्र. 266 प. 126 अध्यायाः. ,,
,, (3360) ना. 149 प. उद्योगपर्व.
,, (3380) ग्र. 150 प. कर्णपर्व.
,, (C 1350) दे. 433 प. मोक्षधर्मव्याख्या अर्जुनमिश्रीया.

योगवासिष्ठसारसंग्रहः (3312) आ. 51 प.

श्रीमद्रामायणव्याख्या. (3305) ग्र. 105 प. उत्तरकाण्डः.

हरिवंशः नीलकण्ठीयटीकायुतः (C 1351) दे. 270-686 प.
,, **अर्जुनमिश्रीयटीकायुतः.** (C 1352) दे. 308 प. 119 अध्यायाः.

V (1) पुराणम्.

कूर्मपुराणम्. (3403) ग्र. 135 प. उत्तरभागः.

लिङ्गपुराणम्. (3352) ग्र. 90-155 प.

विष्णुरहस्यं. भविष्योत्तरपुराणम्. (C 1335) दे. 109 प.

शैवपुराणं. (3318) आ. 114 प. वायुसंहिता.

सीताविजयः जैमिनीयाश्वमेधः. (3405) ग्र. 93 प.

हिमाचलखण्डः स्कान्दः. (3389) ग्र. 22 प.

(2) उपाख्यानम्.

हरिश्चन्द्रोपाख्यानं स्कान्दम्. (3282) ना. 181 प.

(4) माहात्म्यम्.

पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम्. (C 1341) दे. 71 प.

भस्ममाहात्म्यम्. (3386) प्र. 34 प.

वृषगिरिमाहात्म्यं ब्रह्मवैवर्तपुराणम्. (3406) ग्र. 57 प.

सीमन्तिनीप्रभावः. (B 832) दे. 9 प.

VI काव्यम्.

(1) स्तोत्रम्.

आदित्यस्तवः सव्याख्यः अप्पयदीक्षितकृतः. (B 844) आ. 26 प.

,, (3307) आ. 23 प.

कल्पवल्लीदण्डकं शिवरामालिङ्गकविकृतम्. (3379) प्र. 5 प.

द्वादशमञ्जरिकाटीका विश्वनाथीया. (B 846) आ. 19 प.

द्वादशस्तोत्रव्याख्या वेङ्कटदासीया (3362) ना. 27 प.

ध्यानरत्नावलिः. (3317) प्र. 145 प.

पञ्चरत्नप्रकाशः सुब्रह्मण्यविरचितः (3350) ग्र. 8 प.

बोधार्या विद्यारण्यरचिता. (B 837) आ. 2 प.

ब्रह्मतर्कस्तवस्सव्याख्यः अप्पयदीक्षितः (3343) ग्र. 152-203 प.

मनीषापञ्चकं सव्याख्यम्. (B 838) आ. 12 प.

वरदराजस्तवः अप्पयदीक्षितीयः. (B 834) आ. 7 प.

,, सव्याख्यः (3300) आ. 62 प.

वायुस्तुतिव्याख्या शेषाचार्यरचिता. (C 1336) दे. 37 प.

शिवतत्त्वरत्नमालिका कृष्णानन्दविरचिता. (3350) प्र. 9-23 प.

शिवस्तुतिः. ,, (3350) प्र. 24-33 प.

शिवस्तुतिव्याख्या तिरुमलाचार्यरचिता. (3362) ना. 28-33 प.

शिवाष्टोत्तरशतनामव्याख्या वेङ्कटाचलपतीया. (B 839) आ. 10 प.

श्रीनिवासस्तुतिः रामकविविरचिता. (3308) आ. 15 प.

(2) पद्यकाव्यम्.

अणुमध्वविजयव्याख्या. (C 1339) दे. 23 प.

कार्तिकेयविजयकाव्यं गीर्वाणेन्द्रयज्वविरचितम्. (3355) ग्र. 48 प.

गाथासप्तशती (प्राकृतकाव्यम्.) (3292) आ. 46 प. द्वे शतके

कविकर्णरसायनं सव्याख्यं षडक्षरीदेवरचितम्. (A 414)

दृष्टान्तशतकम् (B 842) आ. 7 प.

नैषधीयटीका श्रीधरीया. (3384) ग्र. 73 प. द्वौ सर्गौ.

रघुवंशटीका अरुणगिरिनाथीया. (3376) ग्र. 34 प. द्वौ सर्गौ.

रुक्मिणकिल्याणकाव्यं रत्नखेटदीक्षितीयम्. (3311) ग्र. 27 प.

शङ्करविजयः आनन्दगिरीयः (3387) ग्र. 32 प.

शान्ताविलासः हरदासकृतः. (3291) आ. 3 प.

शिशुपालवधव्याख्या मल्लिनाथीया. (3359) ग्र. 196 प. 9 सर्गाः.

(3) गद्यकाव्यम्.

कादम्बरी (पूर्वभागः) बाणकविरचिता. (3288) आ. 96 प.

सुधाझरी वेङ्कभूपरचिता (पूर्वतरङ्गः) (A 415) आ. 110 प.

(4) चम्पूः.

भागवतचम्पूव्याख्या अक्कयसूरीया (3367) ना. 105 प.

भारतचम्पूव्याख्या नृसिंहविरचिता. (3382) ग्र. 170 प.

रामकथासुधोदयः श्रीनिवासीयः (3299) आ. 37 प.

वीरभद्रविजयचम्पूः मल्लिकार्जुनकविविरचिता. (3385) ग्र. 39 प.

समरपुङ्गवचम्पूः (यात्राप्रबन्धः) समरपुङ्गवकविविरचिता.
(3286) आ. 66 प.
,, (3396) ग्र. 190 प.

(5) नाटकम्.

विद्यापरिणयनाटक आनन्दरायमखिरचितम्. (3296) आ. 49 प.

हनुमन्नाटकम् (C 1326) आ. 37 प. पञ्चाङ्काः.

VII छन्दश्शास्त्रम्.

छन्दस्सुधा (B 843) आ. 44 पु.

VIII अलङ्कारशास्त्रम्.

अलङ्कारकौमुदी (3326) ना. 45-100 प. असमग्रम्.

अलङ्कारसर्वस्वम्. (3311) आ. 19 प. असमग्रम्.

काव्यप्रकाशटीका भास्करमिश्रीया (3302) आ. 77 प. 4-10 उल्लासाः.

काव्यसारसंग्रहत्रयं. श्रीनिवासरचितम्. (3339) ग्र. 141 प.

दशरूपकावलोकनं. धनिकरचितम्. (3301) आ. 59 प. चत्वारः परिच्छेदाः.

नञ्जराजयशोभूषणं नृसिंहसूरीयम्. (3364) ग्र. 134 प.

प्रतापरुद्रयशोभूयणटीका कुमारस्वामिसोमपीथिया. (3283) ग्र. 161 प.

रसमञ्जरीव्याख्या आमोदः गुरुशायिपण्डितीया. (3297) आ. 52 प. प्रथमं प्रकरणम् ॥

XI कामशास्त्रम्.

रतिरहस्यं कोक्कोकविरचितं सव्याख्यम्. (B 854) ग्र. 140 पु. पूर्वार्धम्.

XIII व्याकरणम्.

क्षीरतरङ्गिणी क्षीरस्वामिरचिता धातुवृत्तिः. (A 409) दे. 58 पु.

परिभाषार्थसंग्रहः वैद्यनाथीयः (3366) ग्र. 43 प.

लकारार्थप्रक्रियासुधाकरः कृष्णशास्त्रीयः (C 1316) दे. 11 प.
वाक्यपदीयं हरिविरचितम्. (C 1325) दे. 90 प. त्रयः काण्डाः.
शब्दरत्नव्याख्या भैरवामिश्रीया. (C 1317) दे. 333 प. कारकान्ताः.
शाकटायनव्याकरणवृत्तिः अमोघा श्रुतकेवलराचिता. (A 410) क.

XIV प्राकृतव्याकरणम्.

प्राकृतप्रकाशः (मनोरमा) (B 835) आ. 27 प.
प्राकृतमणिदीपः अप्पयदीक्षितकृतः (3284) आ. 32 प.

XVI वैद्यशास्त्रम्.

वैद्यजीवनटीका रुद्रभट्टीया. (3383) प्र. 28 प.

XVII न्यायशास्त्रम्.

कणादसिद्धान्तचन्द्रिका गङ्गाधराध्वरीया. (3287) आ. 143 प.
तत्त्वचिन्तामणिः गङ्गेशोपाध्यायकृतः. (3349 ना. 145-234 प. शब्दखण्डः.
,, प्रकाशः रुचिदत्तीयः. (3349) प्र. 144 प. ,,
तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्या जगदीशीया. (C 1323) आ. 15 प. सिद्धान्तलक्षणकोडम्.
,, गदाधरीयपञ्चलणीटीका जगन्नाथीया. (C 1321) आ. 25 प.
,, (C 1322) आ. 32 प.
,, बाधग्रन्थटीका कृष्णभट्टीया. (C 1324) दे. 38 प.
,, व्याप्तिवादे पूर्वपक्षः. (C 1319) दे. 130-177 प.
,, संगत्यनुमितिः. (C 1329) आ. 48 प.

तत्त्वचिन्तामणिदीधितिव्याख्या गदादरीयसत्प्रतिपक्षटीका कृष्ण-
भट्टीया. (C 1320) आ. 25 प.
,, सामान्यानिरुक्तिक्रोडम्. वेङ्कटाचार्यप्रणीतं जञ्झामा.
रुतम्. (C 1318) आ. 38 प.
,, (3381) ग्र. 22 प.
न्यायकौस्तुभः महादेवीयः. (C 1315) दे. 120 प. शब्दः असमग्रः.
न्यायसिद्धान्ततत्त्वं श्रीनिवासीयम् (3392) ग्र. 59 प.
न्यायसिद्धान्तमञ्जरीव्याख्या कृष्णभट्टीया (3340) ग्र. 78 प.
पदार्थदीपिकाव्याख्या न्यायप्रकाशः (3337) ग्र. 47 प.
भाषारत्नं कणादतर्कवागीशरचितम्. (3395) ग्र. 46 प.
व्युत्पत्तिवादटिप्पणी देशिकाचार्यरचिता (B 863) दे. 140 प.

XVIII साङ्ख्यशास्त्रम्.

साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी वाचस्पतिमिश्रीया. (3332) ग्र. 47 प.

XIX योगशास्त्रम्.

पातञ्जलयोगसूत्रवृत्तिः भोजदेवीया (3332) ग्र. 48-96 प.

XX पूर्वमीमांसा.

तन्त्रशिखामणिः चूडामणिदीक्षितीयः. (3331) ग्र. 73-123 प.
दशमे. 2-8 पादाः.
,, (3351) ग्र. 71-172 प. 11-12 अध्यायौ.
मीमांसाकौस्तुभः खण्डदेवीयः (3411) आ. 100 प. प्रथमभागः.
,, (3412) आ. 200 प. द्वितीयभागः.
मीमांसापरिभाषा कृष्णयज्वकृता. (3304) आ. 27 प.
वार्तिकाभरणं दुप्टीकाव्याख्या वेङ्कटेशीया. (3330) ग्र. 6-143 प.
सप्तमोऽध्यायः.

XXI (1) अद्वैतम्.

अद्वैतचिन्तामणिः सुन्दरेशरचितः. (3356) ग्र. 98 प.

अद्वैततत्त्वविवेकः नृसिंहाश्रमीयः. (3409) आ. 43 प.

,, दीपनं (अद्वैतरत्नकोशः.) नृसिंहाश्रमीयम्. (3410) आ. 44-172 प.

,, ,, (3309) आ. 81-126 प. द्वितीयपरिच्छेदः.

,, अद्वैतरत्नकोशभावप्रकाशिका कालहस्तीश्वरविरचिता. (3338) ग्र. 134 प.

,, अद्वैतरत्नकोशपूरणी अग्निहोत्रभट्टीया. (3407) आ. 171 प.

अद्वैतदीपिका नृसिंहाश्रमीया. (3408) आ. 133 प.

,, विवरणं. नारायणाश्रमीयम्. (3404) आ. 144 प.

अद्वैतभूषणं बोधेन्द्रसरस्वतीकृतम् (3342) ग्र. 186 प.

अद्वैतमुकुरः श्रीरङ्गराजदीक्षितकृतः (3355) ग्र. 95 प. प्रथमः परिच्छेदः.

आत्मविद्याविलासः सदाशिवब्रह्मरचितः. (B 836) आ. 10 प.

आनन्दलहरी सव्याख्या अप्पयदीक्षितरचिता (B 840) आ. 120 प.

तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यं शङ्कराचार्यकृतम्. (3289) आ. 31 प.

प्रणवनिर्णयप्रकाशः कृष्णानन्दयतिकृतः. (3336) ग्र. 84 प.

ब्रह्मसूत्रार्थचिन्तामणिः वाञ्छेश्वररचितः (A 408) आ. 108 पु.

भाष्यहृदयं वेङ्कटेशशास्त्रीयम्. (3375) ग्र. 6+43 प. असमग्रम्.

मध्वमतचपेटा सव्याख्या रामकृष्णभट्टीया. (3313) आ. 22 प.

लिङ्गभङ्गमुक्तिशतकं रामब्रह्मयतिकृतं उपनिषद्ब्रह्मयोगिटीकायुतम्. (A 416) ग्र. 158 प.

विरोधवरूथिनी उमामहेश्वररचिता. (B 841) आ. 48 प.

वेदान्तकल्पतरुपरिमलं. अप्पयदीक्षितकृतम्. (3363) आ. 233

आदितः तृतीये द्वितीयपादान्तम्.

शास्त्रदर्पणं अमलानन्दरचितम्. (3324) ग्र. 84 प. १-२ अध्यायौ.

श्रुतिसूक्तिमालाव्याख्या शिवलिङ्गभूपतिकृता (3306) आ. 67 प.

(2) अनुभवाद्वैतम्.

अनुभूतिमीमांसाभाष्यं अप्पयदीक्षितकृतम्. (B 847) ग्र. 654 पु.

XXII विशिष्टाद्वैतम्.

छान्दोग्योपनिषद्भाष्यम्. रङ्गरामानुजमुनिविरचितम्. (3357) ग्र. 104 प. षडध्यायाः.

तत्त्वदीपः वादिकेसरिरम्यजामातृकृतः (B 849) आ. 74 पु. मूलमन्त्रप्रकरणम्.

,, व्याख्या. (B 850) आ. 128 पु.

परतत्त्वनिर्णयः वरदाचार्यकृतः. (3401) ग्र. 21 प.

प्रतितन्त्रपरिष्क्रिया रङ्गरामानुजमुनिकृता. (A 411) आ. 70 प.

ब्रह्मसूत्रवार्तिकोद्ग्राहिणी अनन्तनारायणीया (3398) ग्र. 37 प. असमग्र.

मध्वाध्वभङ्गः (3327) ग्र. 53-131 प.

लक्ष्मीपुरुषकारः (A 412) क. 24 प.

सिद्धान्तचिन्तामणिः श्रीनिवासार्यकृतः. (3347) ग्र. 43 प.

XXIII द्वैतम्.

अणुभाष्यटिप्पणी. (C 1338) दे. 12 प.

ईशाद्युपनिषद्भाष्यं. आनन्दतीर्थविरचितम्. (3362) ना. 48 प. चतस्र उपनिषदः तैत्तिरीयोपनिषच्च.

ईशावास्यभाष्यटीका जयतीर्थीया. (3362) ना. 49-60 प.

,, ,, टिप्पणी रघुनाथार्यरचिता. (C 1345) दे. 17 प.

ऋगर्थमञ्जरी राघवेन्द्रयतिकृता. (C 1342) दे. 34 प.

ऐतरेयोपनिषद्भाष्यटिप्पणी विश्वेश्वरतीर्थीया. (3361) ना. 63-200 प.

केनकठमुण्डमाण्डूक्यतैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यटीका. व्यासतीर्थीया (3362) ना. 79-138 प.

केनोपनिषत्खण्डार्थः राघवेन्द्रतीर्थकृतः. (3362) ना. 139-165 प.

छान्दोग्यभाष्यटीका व्यासतीर्थीया. (C 1337) दे. 107 प.

तत्त्वसंख्यानटिप्पणी गुरुराजीया. (A 401) दे. 34 प.

तत्त्वोद्योतटिप्पणी नारोपण्डितीया (B 851) दे. 60 प.

तन्त्रसारव्याख्या छलारीया (3281) ना. 31-137 प.

न्यायमुक्तावली (चतुर्मतसारसंग्रहः) अप्पयदीक्षितः (3335) ग्र. 111 प.

न्यायसुधाटिप्पणी रामचन्द्रतीर्थीया. (3334) ग्र. 167 प. प्रथमोऽध्यायः.

प्रश्नोपनिषद्भाष्यटीका जयतीर्थीया. (3362) ना. 61-78 प.

बृन्दावनाख्यानप्रामाण्यदर्पणम् (B 833) दे. 11 प.

भगवद्गीताव्याख्या विद्याधिराजीया. (C 1343) दे. 127 प.

भागवततात्पर्यटिप्पणी श्रीनिवासतीर्थीया. (C 1344) दे. 131 प. एकादशः स्कन्धः.

भागवततात्पर्यनिर्णयटीका यदुपतीया. (C 1330–1334) दे. 102+82+154+130+90 प. पञ्च स्कन्धाः.

भारततात्पर्यनिर्णयटीका जनार्दनभट्टीया. (C 1353) दे. 540 प. (4,5,10,11,13) एतेऽध्याया न सन्ति.

विष्णुतत्त्वनिर्णयवाक्यार्थः. (C 1340) दे. 10 प.
सदाचारस्मृतिव्याख्या (3362) ना. 34-38 प.

XXIV शैवम्.

शिवकर्णामृतं अप्पयदीक्षितकृतम्. (3354) दे. 27 प.
शिवगीताव्याख्या परशिवेन्द्रसरस्वतीरचिता. (3402) ग्र. 231 प.
शिवनामकल्पलताऽऽलवालसुधापूरः वेङ्कटाचलीयः. (C 1327) दे. 113 प.
शिवाद्वैतनिर्णयः अप्पयदीक्षितरचितः (3343) आ. 96 151 प.
शिवानन्दवैभवः जनकोम्मनाथीयः. (3310) ग्र. 41 प.
शैवभाषा शिवाग्रयोगीया. (3315) ग्र. 130-213 प.

XXV वीरशैवम्.

शैवरत्नाकरः ज्योतिर्नाथकृतः. (A 402) क. 144 प.
सिद्धान्तशिरोमणिः सकर्णाटटीक. रेणुकाचार्यकृतः. (A 403) क. उत्तरभागः.

XXVIII जैनम्.

त्रैवर्णिकाचारः- (A 406) आ. 160 पु.

XXIX इतरसामयिकग्रन्थः.

तप्तमुद्रानिषेधविचारः (3303) आ. 43 प.
नवकोटिभेदिनी नृसिंहाचार्यरचिता. (B 845) आ. 54 प.
नारायणपददर्पणम् ,, (B 837) आ. 26 पु.
भस्मवादावलिः (3354) ग्र. 28-38 प.

XXX मन्त्रशास्त्रम्.

उच्छिष्टगणपतिकल्पः (3400) ग्र. 48 प.

कुमारतन्त्रम् (3388) ग्र. 48 प.

परापद्धतिः बालरामीया. (3394) ग्र. 39 प.

प्रपञ्चसारसङ्ग्रहः गीर्वाणेन्द्रकृतः. (3316) ग्र. 100 प. 11-26 पटलाः

भुवनेश्वरीकल्पः. (3399) ग्र. 80 प.

श्रीविद्याविलासः गगनानन्दनाथीयः (3298) आ. 31 प. चतुर्थोल्लासः.

XXXI शैवागमः.

मृगेन्द्रागमदीपिका भट्टनारायणकण्ठकृता. (3377) ग्र. 69 प.

शैवागमनिबन्धः (उत्सवपद्धतिः.) (3314) आ. 72 प.

XXXII निघण्टुः.

शब्दरत्नाकरः बाणभट्टकृतः. (3322) ग्र. 120 प.